THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 76 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.3 2082 बुधवार, 17 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ◦ पृष्ठ : 14, मूल्य : 8 रुपये

यस बैंक घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई, दिल्ली-मुंबई समेत 17 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यस बैंक घोटाले और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली, मुंबई और खंडाला सहित 17 स्थानों पर एक साथ छापा मारा है। अधिकारियों के अनुसार, यह छापेमारी सुरक्षा एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एसएआरसीएल), सुरक्षा रियल्टी लिमिटेड, ख्याति रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के परिसरों के अलावा इनके प्रमोटरों, निदेशकों, कर्मचारियों तथा यस बैंक के एक पूर्व कर्मचारी के ठिकानों पर की गई।

एनसीपीआई के नए अध्यक्ष ज्योतिप्रकाश चटर्जी

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट की अहम सदस्य काकोली घोष दस्तीदार के मुताबिक, टीएमसी के बागी लोकसभा गुट के साथ विलय के बाद चर्चा में आई एनसीपीआई ने ज्योतिप्रकाश चटर्जी को अपना नया अध्यक्ष बनाया है।

उनका ये बयान नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) की संस्थापक शिवली कुंडू के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जब उन्होंने बताया कि वे एनसीपीआई प्रमुख का पद छोड़ चुकी हैं। इसके बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई थी कि शायद काकोली घोष दस्तीदार खुद पार्टी की कमान संभालेंगी।

पीएम मोदी और ट्रंप की 16 महीने बाद मुलाकात

> जी7 समिट में साथ में बैठे > 5 मिनट तक बात की > आज ट्रेड डील पर बात संभव

एवियन, 16 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को फ्रांस के एवियन पहुंचे। इस दौरान ग्रुप ऑफ सेवन देशों के प्रमुख और गेस्ट कंट्रीज के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक हुई। जिसमें पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात हुई।

ट्रम्प और मोदी ने करीब 5 मिनट तक बात की। मीटिंग में दोनों एक-साथ बैठे नजर आए। 16 महीनों बाद मोदी और ट्रम्प की मुलाकात हुई। इससे पहले दोनों की आखिरी मुलाकात फरवरी 2025 में व्हाइट हाउस में हुई थी। दोनों नेता आज शाम 6:30 बजे ट्रेड डील पर चर्चा कर सकते हैं। मोदी और ट्रम्प के बीच भारत-अमेरिका ट्रेड डील, टैरिफ, निवेश और रणनीतिक साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से प्रस्तावित व्यापार समझौते पर भी बातचीत होने की संभावना है। इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 52वें जी7 शिखर सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन किया। समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी समेत कई वैश्विक नेता शामिल हो रहे हैं।

12 देशों के नेता हिस्सा ले रहे

जी7 समिट में इसके सदस्य देशों कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका के नेता शामिल होंगे। इसके अलावा यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि भी इसमें भाग लेंगे। फ्रांस ने समिट में जी7 देशों के अलावा कई अन्य देशों के नेताओं को भी सम्मेलन में आमंत्रित किया है। इनमें शामिल हैंः भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यंग और केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो। जी7 यानी 'ग्रुप ऑफ सेवन', दुनिया के उन 7 देशों का समूह है, जिन्हें दुनिया की 'मॉडर्न इकोनॉमी' वाला देश कहा जाता है। इनमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी शामिल हैं।

सिरप डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन पर ही मिलेगा

सरकार ने दवा खरीद के नियम बदले

एमपी में दूषित सिरप से 26 बच्चों की मौत हुई थी

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। कफ सिरप अब बिना डॉक्टर के प्रिसक्रिप्शन के नहीं खरीदे जा सकेंगे। केंद्र सरकार ने ड्रग्स नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत सिरप को अब उस लिस्ट से हटा दिया गया है, जिसमें दवाएं सीधे दुकान से खरीदी जा सकती हैं। सरकार का कहना है कि इससे सिरप आधारित दवाओं पर निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण मजबूत होगा। साथ ही सिरप निर्माता और विक्रेता को लाइसेंसिंग और क्वालिटी कंट्रोल से जुड़े सख्त नियमों का पालन करना ही होगा। मध्य प्रदेश में अक्टूबर 2025 में दूषित सिरप से 26 बच्चों की मौत हो गई थी।

सिरप को लिस्ट से हटाया

नई व्यवस्था के तहत ड्रग्स रूल्स, 1945 की अनुसूची के में बदलाव किया गया है। इस अनुसूची में उन दवाओं को रखा गया था, जिन्हें कुछ नियमों में छूट दी गई थी। अब इस सूची से सिरप को हटा लिया गया है। मंत्रालय ने बताया कि इस बदलाव से पहले 29 दिसंबर 2025 को मसौदा अधिसूचना जारी कर आम लोगों और संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी गई थीं। दवा सुरक्षा और गुणवत्ता को लेकर केंद्र सरकार पिछले कुछ वर्षों में कई कदम उठा चुकी है। 2022-23 में भारत में बनी कुछ कफ सिरप दवाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठे थे। अफ्रीकी देशों और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत के मामलों के बाद भारतीय दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी बढ़ाई गई थी। इसके बाद सरकार ने कफ सिरप के निर्यात से पहले सरकारी लैब में अनिवार्य परीक्षण की व्यवस्था लागू की। साथ ही दवा निर्माण इकाइयों के लिए गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) मानकों को भी सख्त किया गया।

मानसून तेलंगाना में 6 दिन से अटका

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून तेलंगाना के भद्राचलम में 6 दिन से अटका हुआ है। इस वजह से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बारिश में देरी हो गई है। यहां कई हिस्सों में गर्मी लौट आई है। वर्ल्ड मेट्रोलॉजी ऑर्गनाइजेशन की हाइड्रोमेट्री टीम के मेंबर डॉ. पंकज कुमार के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 3 से 4 दिन, तो मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री करीब हफ्तेभर बाद हो सकती है। उनका यह भी कहना है कि इस हफ्ते के अंत तक बारिश की गतिविधियों में सुधार संभव है। मानसून के कमजोर होने की वजह समुद्र में नमी की कमी नहीं, बल्कि ऊपरी वायुमंडल की हवाओं का असामान्य पैटर्न है। इन हवाओं को जेट स्ट्रीम कहते हैं। ये हवाएं इस बार सामान्य से ज्यादा दक्षिण की ओर खिसक गई है, जिससे मानसून की गति प्रभावित हो रही हैं।

अरब सागर में भी 8 जून से फंसा मानसून

इधर, अरब सागर से उठ रही मानसूनी हवाएं भी 8 जून से अटकी हुई हैं। इस वजह से देश के अंदर पहुंच चुकीं मानसूनी हवाओं को पुश नहीं मिल पा रहा है। यानी, मानसूनी हवाओं को तेलंगाना से छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की तरफ धकेलने के लिए जरूरी प्रेशर नहीं बन रहा है।

सैटेलाइट इमेज में गायब दिखे मानसूनी बादल

15 जून की सैटेलाइट तस्वीरों में देश के बड़े हिस्से से मानसूनी बादल गायब दिखाई दिए। एक दिन पहले, यानी 14 जून को भारत का बड़ा हिस्सा बादलों से ढका दिखाई दिया था। मौसम विभाग के मुताबिक, 4 जून से 15 जून के बीच देश में सामान्य 53.7 मिमी के मुकाबले सिर्फ 19.2 मिमी बारिश हुई। यानी बारिश में 64% की कमी दर्ज की गई है।

भारत में टेलीग्राम पर अस्थायी रोक

> नीट री-एग्जाम से पहले केंद्र सरकार का बड़ा फैसला > 22 जून तक पाबंदियां

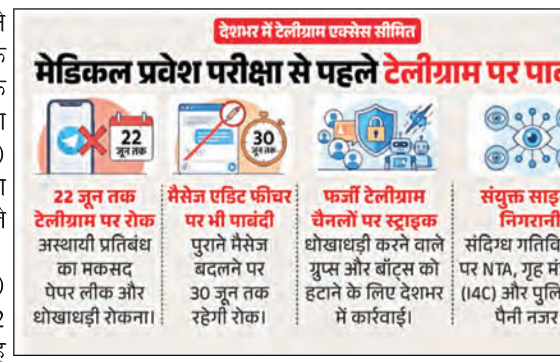

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर अस्थायी रूप से रोक लगाने का फैसला किया है। नीट 2026 की पुनर्परीक्षा के चलते सरकार ने यह कदम उठाया है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले केंद्र सरकार द्वारा मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने के फैसले का स्वागत किया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मीटवाई) ने निर्देश जारी कर भारत में टेलीग्राम की सेवाओं पर 22 जून 2026 तक अस्थायी रोक लगाने को कहा है। यह कदम 21 जून को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) 2026 पुनर्परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एनटीए का मानना है कि परीक्षा से जुड़े प्रश्नपत्रों, अफवाहों, फर्जी सूचनाओं के प्रसार को रोकने में यह फैसला मददगार साबित होगा। एजेंसी ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। एनटीए के अनुसार, हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के दौरान सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से गलत सूचनाओं और परीक्षा सामग्री के कथित प्रसार की घटनाएं सामने आई थीं।

ऐसे में एहतियाती कदम के तौर पर यह फैसला लिया गया है। पुनर्परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों से एनटीए ने अपील की है कि वे केवल आधिकारिक वेबसाइट और अधिकृत सूचना माध्यमों पर ही भरोसा करें तथा किसी भी अपुष्ट जानकारी या अफवाह से बचें। एनटीए द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 की धारा 69ए के तहत टेलीग्राम पर अस्थायी रूप से रोक लगाई गई है और यह रोक 22 जून 2026 तक जारी रहेगी।

लैंगिक संवेदीकरण समिति का हुआ पुनर्गठन

जस्टिस बीवी नागरत्ना बनीं अध्यक्ष

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत से एक बड़ी और महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी 'लैंगिक संवेदीकरण और आंतरिक शिकायत समिति' (जीएसआईसीसी) का पुनर्गठन कर दिया है। महिलाओं की सुरक्षा और कार्यस्थल पर लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिहाज से इस समिति को बेहद अहम माना जाता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत के निर्देश पर इस उच्च स्तरीय समिति को नया स्वरूप दिया गया है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना को कमान

इस नवगठित 12 सदस्यीय समिति की कमान सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस बीवी नागरत्ना को सौंपी गई है। उन्हें इस बेहद महत्वपूर्ण पैनल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कार्यालय आदेश के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट में महिलाओं के लैंगिक संवेदीकरण और यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) विनियम, 2013 के तहत मिले अधिकारों का प्रयोग करते हुए इस समिति का पुनर्गठन किया है।

कई दिग्गजों के नाम शामिल

इस नई समिति में न्यायपालिका और कानून के क्षेत्र से जुड़े कई बड़े नामों को शामिल किया गया है। समिति के अन्य सदस्यों में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस नोंगमीकापम कोटिश्वर सिंह और रजिस्ट्रार कावेरी शामिल हैं। इनके अलावा देश की जानी-मानी वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी और वरिष्ठ अधिवक्ता लिज मैथ्यू को भी इस पैनल का हिस्सा बनाया गया है।

आधार कार्ड का इस्तेमाल केवल पहचान के लिए हो

> याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई। इस याचिका में केंद्र सरकार, सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों और भारत के चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आधार का इस्तेमाल केवल पहचान के सबूत के तौर पर हो न कि नागरिकता, निवास, पते या जन्मतिथि के सबूत के तौर पर। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों व केंद्रशासित प्रदेशों, ईसीआई और यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया।

आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 में किस बात का जिक्र

याचिका में कहा गया है कि आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 साफ तौर पर कहती है कि आधार नागरिकता या निवास का सबूत नहीं है जबकि यूआईडीएआई की सूचनाएं स्पष्ट करती हैं कि आधार केवल पहचान का सबूत है न कि नागरिकता, पते या जन्मतिथि का सबूत। याचिका के अनुसार, इन कानूनी सीमाओं और अदालती फैसलों के बावजूद कि आधार उम्र का सबूत नहीं है, इस दस्तावेज को स्कूल में दाखिले, प्रॉपर्टी के लेनदेन, जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने जैसे कई कामों के लिए उम्र, निवास, नागरिकता और निवास स्थान के सबूत के तौर पर बड़े पैमाने पर स्वीकार किया जाता रहा है।

जन्मतिथि और निवास के सबूत के तौर पर आधार के इस्तेमाल को चुनौती

पीआईएल में खास तौर पर नए वोटर रजिस्ट्रेशन (फॉर्म-6) के लिए आवेदन फॉर्म में जन्मतिथि और निवास के सबूत के तौर पर आधार के इस्तेमाल को चुनौती दी गई है। इसमें तर्क दिया गया है कि ऐसा इस्तेमाल आधार अधिनियम, यूआईडीएआई की सूचनाओं और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के खिलाफ है। याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने केंद्र सरकार, राज्यों और ईसीआई से निर्देश जारी करने की मांग की है कि वे यह पक्का करने के लिए उचित कदम उठाएं कि आधार का इस्तेमाल सख्ती से पहचान के सबूत के तौर पर ही हो, न कि उन कामों के लिए जो आधार अधिनियम और यूआईडीएआई दिशानिर्देशों के तहत मना हैं।

182 दिनों से रह रहे विदेशी नागरिक भी आधार पाने के हकदार

आधार एनरोलमेंट फ्रेमवर्क का हवाला देते हुए, याचिका में तर्क दिया गया है कि सभी निवासी, जिनमें भारत में कम से कम 182 दिनों से रह रहे विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, आधार पाने के हकदार हैं। इसमें आगे कहा गया है कि आधार एनरोलमेंट कॉमन सर्विस सेंटर्स और रेंट एग्रीमेंट या स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी प्रमाण पत्रों जैसे सहायक दस्तावेजों के माध्यम से किया जा सकता है। याचिका में दावा किया गया है कि कथित घुसपैठिए और अवैध प्रवासी कमजोर वेरिफिकेशन सिस्टम के जरिए आधार कार्ड हासिल कर लेते हैं और बाद में आधार का इस्तेमाल राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और वोटर पहचान पत्र जैसे अन्य पहचान और हकदारी वाले दस्तावेज पाने के लिए करते हैं।

चुनाव से पहले हिंसा भड़काने का आरोप

अभिषेक बनर्जी सीआईडी कार्यालय में होंगे पेश

कोलकाता, 16 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी मंगलवार को दक्षिण कोलकाता के भवानी भवन में पश्चिम बंगाल पुलिस के क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) के हेडक्वार्टर में पेश होंगे। यह मामला राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकाने और हिंसा भड़काने के आरोपों से जुड़ा है। पिछले महीने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ बिधाननगर शहर पुलिस के अंतर्गत बिधाननगर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के अधिकारी पहले इस मामले की जांच कर रहे थे, लेकिन 11 जून को जांच सीआईडी को सौंप दी गई। सीआईडी के अधिकारियों ने 12 जून को इस मामले में पूछताछ के लिए उन्हें नोटिस दिया और मंगलवार दोपहर तक मुख्यालय में उपस्थित रहने को कहा। पिछले दो दिनों में यानी 14-15 जून को अभिषेक को दो अन्य मामलों में कथित संलिप्तता के संबंध में दो जांच एजेंसियों द्वारा लंबी पूछताछ का सामना करना पड़ा है। रविवार को हस्ताक्षर बेमेल मामले में सीआईडी के अधिकारियों ने उनसे लगभग साढ़े आठ घंटे तक लंबी पूछताछ की।

मौत के मुंह से लौटे 20 भारतीय नाविक

क्रू मेंबर्स ने सुनाई आपबीती, अमेरिकी हमले का शिकार हुआ था एमटी जलवीर

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। ओमान के बंदरगाह के पास अमेरिकी हमले का शिकार हुए एमटी जलवीर के भारतीय चालक दल के सभी 20 सदस्य सुरक्षित घर वापस लौट आए हैं। ओमान के एक बंदरगाह के पास जहाज पर हमले के बाद उन्हें वहां से सुरक्षित निकाला गया था। मस्कट में भारतीय मिशन ने सोमवार को यह जानकारी दी। ओमान में भारत के राजदूत (प्रशांत पिसे) ने मस्कट में एमटी जलवीर के भारतीय चालक दल के सभी 20 सदस्यों से भारत लौटने से पहले मुलाकात की और उनके सुरक्षित घर पहुंचने की कामना की। ओमान में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी।

सुरक्षित घर वापसी के लिए हम प्रतिबद्धः भारतीय दूतावास

दूतावास ने पोस्ट में कहा गया है कि भारतीय मिशन 'मुसीबत में फंसे भारतीय नागरिकों को तुरंत मदद और सहयोग देने तथा उनकी भलाई और सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।' बचाए गए भारतीयों ने भारतीय मिशन और ओमान के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी और चालक दल के सभी सदस्यों को समय पर बचाया।

दूतावास ने बचाए गए क्रू सदस्यों की एक वीडियो क्लिप शेयर करते हुए बताया कि जहाज पर मौजूद भारतीय चालक दल के सभी 20 सदस्य अब सुरक्षित रूप से अपने घर लौट चुके हैं। इस घटना के बाद भारतीय पक्ष ने राहत और बचाव अभियान में शामिल सभी एजेंसियों के प्रति आभार जताया है।

गुरुग्राम में 13 बांग्लादेशी गिरफ्तार

पुलिस ने देखे 800 संदिग्धों के दस्तावेज

गुरुग्राम, 16 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए अवैध घुसपैठियों के विरुद्ध गुरुग्राम पुलिस का अभियान लगातार जारी है। अपराध शाखा टीमों ने 800 से अधिक संदिग्धों के दस्तावेज चेक किए। इस दौरान 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। सभी बांग्लादेश बॉर्डर से अवैध रूप से भारत में घुसे और अब गुरुग्राम में रह रहे थे। पुलिस अब इन सभी को डिपोर्ट कराएगी। गुरुग्राम पुलिस द्वारा जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान एवं सत्यापन के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। चेकिंग अभियान के दौरान जिन व्यक्तियों के दस्तावेज संदिग्ध पाए जा रहे हैं या जो भारत में वैध रूप से निवास करने के प्रमाण प्रस्तुत नहीं पा रहे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

ममता ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

भवानीपुर में हार पर रार, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की जीत को दी चुनौती

कोलकाता, 16 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने भवानीपुर विधानसभा सीट के चुनाव नतीजों को कानूनी चुनौती दी है। इस सीट पर भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल के वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें शिकस्त दी थी। ममता बनर्जी ने इस चुनावी हार के खिलाफ हाईकोर्ट में एक चुनाव याचिका दायर की है।

गढ़ में मिली शिकस्त

2026 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को अपने इस पुराने गढ़ में करारी हार का सामना करना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने 15,105 मतों के अंतर से पराजित किया। इस अप्रत्याशित हार ने राज्य के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है। इस चुनावी नतीजे के बाद से ही टीएमसी खेमे में भारी असंतोष और बेचैनी देखी जा रही है। पहले विधायकों ने और अब सांसदों ने भी बगावत कर दी है।

सबूतों को सहेजने की मांग

हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका में ममता बनर्जी ने बेहद गंभीर मांगें रखी हैं। कानूनी याचिका के जरिए उन्होंने भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र के सभी चुनाव संबंधी रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने का आग्रह किया है। इसमें मतदान से जुड़े दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ईवीएम शामिल हैं। ममता बनर्जी का कहना है कि इन उपकरणों और दस्तावेजों को तुरंत सील किया जाए ताकि इनके साथ कोई छेड़छाड़ या इन्हें नष्ट न किया जा सके।

क्या मुकदमेबाजी और ममता का पुराना नाता?

साल 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट पर मिली करीबी हार को तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने स्वीकार नहीं किया था। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी की जीत को सीधे कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी।

ममता बनर्जी का आरोप था कि वोटों की गिनती में धांधली की गई है, इसलिए उन्होंने नंदीग्राम में फिर से मतगणना कराने की मांग की थी। इस हाई-प्रोफाइल मामले के शुरुआती जज ने ममता बनर्जी पर अदालत का समय खराब करने के आरोप में 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था, जिसके बाद मामले की सुनवाई दूसरी बेंच को सौंप दी गई।

फोन न उठाने की बहस हुई खूनी: प्रेमिका ने पीजी में आए प्रेमी को मारा चाकू

लुधियाना, 16 जून (एजेंसियां)। लुधियाना में साहनेवाल इलाके में एक पीजी में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। फोन व्यस्त आने से नाराज युवक अपनी प्रेमिका से सवाल-जवाब करने पहुंचा तो प्रेमिका ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद युवक के दोस्त उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां उसकी स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी युवती को गिरफ्तार कर लिया है। गांव हीरां निवासी लवप्रीत सिंह ने पुलिस को शिकायत दी। उन्होंने बताया कि साढ़े ग्यारह बजे मनप्रीत सिंह अपनी प्रेमिका खुशी से मिलने उसके पीजी गया था। लवप्रीत और उसका एक अन्य साथी सुखवीर सिंह उस समय इमारत के बाहर ही खड़े थे। इसी बीच अंदर से मनप्रीत के चिल्लाने की आवाजें आईं। अनहोनी की आशंका में जब दोनों दोस्त भीतर दौड़े, तो पहली मंजिल की सीढ़ियों के समीप मनप्रीत खून से लथपथ तड़प रहा था और वहीं पास में यमुनानगर (हरियाणा) की रहने वाली युवती खुशी खड़ी थी, जिससे मनप्रीत का चार महीने से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

बहुत चीजें रजिस्टर्ड नहीं हैं, हिंदू धर्म भी नहीं है

प्रियांक खरगे को संघ प्रमुख मोहन भागवत का दो टूक जवाब

त्रिशूर, 16 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस) के प्रमुख के मोहन भागवत ने कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खरगे के खुले पत्र का जवाब देने से साफ इनकार कर दिया। खरगे ने पत्र में आरएसएस से अपना कानूनी दर्जा स्पष्ट करने, पंजीकरण कराने और आय-व्यय, संपत्ति के साथ ही फंडिंग से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की थी।

केरल के त्रिशूर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए भागवत ने कहा, 'मैं खड़गे के पत्र का जवाब नहीं दूंगा। हमारे पास छुपाने को कुछ नहीं है। बहुत सी ऐसी चीजें हैं जो रजिस्टर्ड नहीं हैं और हम कोई गुप्त काम नहीं कर रहे हैं। हम खुलेआम काम कर रहे हैं। हम लोगों को बुलाते हैं और उन्हें संघ के बारे में बताते हैं'। उन्होंने खरगे की इस मांग को राजनीति और नौटंकी करार देते हुए कहा कि संघ को ऐसे हमलों की आदत है।उन्होंने कहा कि यह राजनीति है और ऐसे हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।

हमें इसकी आदत है। उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना के 10-15 साल बाद ही हमें इन सबका सामना करना पड़ा था। अगर ऐसा न हो तो हमें लगता है कुछ कमी है। आरएसएस प्रमुख ने रजिस्ट्रेशन की मांग पर तर्क दिया कि कई चीजें रजिस्टर्ड नहीं होतीं। उन्होंने कहा हिंदू धर्म रजिस्टर्ड नहीं है। बहुत सारी चीजें रजिस्टर्ड नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पंजीकरण केवल उन्हीं लोगों के लिए आवश्यक है जो सरकार से धन प्राप्त करना चाहते हैं, वो होना चाहिए, लेकिन आरएसएस के मामले में, सरकार जानती है कि संघ का अस्तित्व है। भागवत ने कहा कि अगर उन्होंने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया, तो इसका मतलब है कि उन्होंने इसके अस्तित्व को माना। उन्होंने कहा कि यह सब राजनीति है, कोई गंभीर बात नहीं है। उन्होंने कहा कि वो एक तरफ संघ के काम में बाधा डालना चाहते हैं और दूसरी तरफ लोगों के मन में शक पैदा करना चाहते हैं, लेकिन अब ऐसा संभव नहीं है क्योंकि लोग हमें जानते हैं।

उन्होंने कहा कि वो कहते हैं कि हम गुप्त काम करते हैं, जबकि हमारे कार्यकर्ता सभी इलाकों में रहते हैं,लोग उन्हें रोज देखते हैं, संघ की शाखाएं खुले मैदानों में लगती हैं। हमारे सार्वजनिक कार्यक्रम होते हैं। भागवत ने संघ के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि आरएसएस की शुरुआत ब्रिटिश शासन के दौर में हुई थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने संघ पर दो बार प्रतिबंध लगाया था और दोनों बार प्रतिबंध हटा। एक बार न्यायिक प्रक्रिया के जरिए और दूसरी बार सत्याग्रह के बाद। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने प्रतिबंध लगाया था तो इसका मतलब है कि सरकार जानती थी कि आरएसएस का अस्तित्व है। उन्होंने कहा कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगना ही इस बात का सबूत है कि संगठन की पहचान और गतिविधियां सरकार से छुपी नहीं हैं।

इसके साथ ही उन्होंने उन्होंने यह भी कहा कि संघ का लिखित संविधान 1950 के दशक में सरकार को सौंपा जा चुका है और पिछले 100 सालों में कभी यह नहीं कहा गया कि आरएसएस को अलग से पंजीकरण कराना चाहिए। दरअसल कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए एक पत्र में आरएसएस से कानूनी स्थिति स्पष्ट करने, रजिस्ट्रेशन, फंडिंग, आय-व्यय और संपत्तियों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की थी। खरगे ने कहा था कि आरएसएस अगर देशभर में बड़ी संख्या में शाखाओं और स्वयंसेवकों वाला संगठन है तो उसे भी संविधान के तहत पारदर्शिता और जवाबदेही के मानकों का पालन करना चाहिए।

प्रशासन का बड़ा एक्शन, 18 एकड़ में अवैध रूप से बसी 3 कॉलोनियों को किया ध्वस्त

नूंह, 16 जून (एजेंसियां)। जिला नूंह के कंट्रोल्ड एरिया में प्रशासन ने अवैध निर्माणों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने भिरावटी और रिठोरा राजस्व एस्टेट में एक बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान चलाकर 18 एकड़ क्षेत्र में विकसित तीन अनधिकृत कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से तैयार किए गए कई पक्के निर्माण, बाउंड्री वॉल और सड़कों के नेटवर्क को भी ध्वस्त कर दिया गया है। प्रशासनिक अधिकारी बिनेश कुमार डीटीपी ने बताया कि राजस्व एस्टेट भिरावटी में लगभग 5 एकड़ क्षेत्र में विकसित एक अनधिकृत कॉलोनी पर पहली कार्रवाई की गई।

जिसके तहत छत तक बनकर तैयार किये गये 6 मकानों, 10 बाउंड्री वॉल, दो डीपीसी और सड़क नेटवर्क को गिराया गया है। इसी तरह भिरावटी में ही लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित हुई दूसरी अवैध निर्माण कॉलोनी पर भी बुलडोजर चलाकर एक निर्माण, एक बाउंड्री वॉल तथा डब्ल्यूबीएम सड़क नेटवर्क को भी ध्वस्त किया गया।

'बुलडोजर के डर से कांप रहे थे पठान'

श्रीनगर के एक सांसद के बयान पर महुआ ने खोला राज

कोलकाता, 16 जून (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद यूसुफ पठान अब अपनी ही पार्टी के निशाने पर हैं। उनके बागी खेमे में जाने के बाद से सियासी घमासान और तेज हो गया है। महुआ मोइत्रा और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने सोशल मीडिया पर यूसुफ पठान को लेकर एक बड़ा राज खोला है।

श्रीनगर से सांसद मेहदी ने एक्स पर संसद के पिछले शीतकालीन सत्र की एक घटना का जिक्र करते हुए खुलासा किया कि जब संसद में पूरा विपक्ष सत्ता पक्ष के खिलाफ हंगामा कर रहा था और टीएमसी सांसद हमेशा की तरह सदन के वेल में निडरता से विरोध जता रहे थे, उस दौरान यूसुफ पठान अचानक पीछे हट गए थे। मेहदी ने लिखा कि मैंने एक मुस्लिम सांसद को यूसुफ पठान पर चिल्लाते और उन्हें विरोध से पीछे हटने के लिए कहते हुए सुना। यूसुफ वहां से हट गए और अपनी सीट पर वापस आ गए। उनके चेहरे का रंग बदल चुका था और वे लगभग कांप रहे थे। मेहदी ने बताया कि मेरे पूछने पर पठान ने बताया कि उस सांसद ने उन्हें बीजेपी के खिलाफ विरोध न करने की चेतावनी दी थी।

यूसुफ के मुताबिक उस नेता ने कहा था कि तुम बीजेपी के खिलाफ विरोध क्यों कर रहे हो? खुद को दुश्मन क्यों बना रहे हो? वे गुजरात में तुम्हारा घर बुलडोजर से गिरा देंगे। श्रीनगर के सांसद ने आगे बताया कि उस समय महुआ मोइत्रा ने यूसुफ पठान को ढांढस बंधाते हुए कहा था कि टीएमसी उनके साथ खड़ी है और कोई उनके परिवार या उन्हें छूने की हिम्मत नहीं कर सकता लेकिन अब यूसुफ की बगावत के बाद मेहदी ने कहा कि यूसुफ ने पीठ में छुरा घोंपा है।

कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने पर मंत्री लोकेश ने सकारात्मक रुख दिखाया है

अमरावती, 16 जून (एजेंसियां)। एपी में छात्रों की फीस वापसी और कर्मचारियों की रिटायरमेंट से जुड़ी अहम जानकारी पर फैसला लिया गया है। अब से हायर एजुकेशन संस्थानों को हर महीने 200 करोड़ रुपये फीस के तौर पर दिए जाएंगे। शिक्षा मंत्री नारा लोकेश ने भरोसा दिलाया है कि फीस वापसी की रकम जारी कर दी जाएगी। एमएमसी। भूमि रेड्डी रंगोपाल रेड्डी, कंचराल श्रीकांत और वेपाड चिरंजीवी राव ने इस बारे में बात की। उन्होंने इन सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष परीक्षा आयोजित करने का अनुरोध किया, जिस पर मंत्री लोकेश ने सहमति जताई और कहा कि वे जल्द ही इस मामले पर विशेष परीक्षा और प्रबंधन प्रक्रियाओं पर फैसला लेंगे।

मंत्री से एपीपीएससी परीक्षाओं में शामिल होने वाले बेरोजगार युवाओं को उम्र में छूट देने का अनुरोध किया गया, जिस पर उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। एमटीएस कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने के अनुरोध पर भी मंत्री लोकेश ने सकारात्मक रुख दिखाया। डिविजनल शिक्षा विभाग के अधिकारियों की नॉमिनी लिस्ट में बदलाव के मुद्दे पर भी मंत्री लोकेश के साथ चर्चा हुई। छात्रों की फीस वापसी के लिए हर महीने 200 करोड़ रुपये देने की बात कही गई और लोकेश ने बताया कि सरकार इसे जारी करेगी। 2003 की नोटिफिकेशन के जरिए शिक्षक की नौकरी पाने वाले और 2004 के बाद नौकरी शुरू करने वालों के लिए पेंशन योजना लागू करने का फैसला पहले ही लिया जा चुका है।

जल्द ही इस संबंध में आधिकारिक जवाब जारी होने की संभावना है। कुल 11 शिक्षकों के लिए एक प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। पिछले साल स्कूल शिक्षा विभाग में अपनी पुरानी पोस्ट पर काम कर रहे 900 शिक्षकों का ट्रांसफर किया गया था, उन्हें उनकी जगह पर वापस भेजने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। दूसरी ओर, तीन एमएलसी - चिरंजीवी राव, कंचराल श्रीकांत और भूमि रेड्डी रंगोपाल रेड्डी ने स्कूल शिक्षा कमिश्नर तमीम अंसारी के साथ राज्य भर में शिक्षा विभाग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की।

छात्रों के रजिस्ट्रेशन के मामले में एपी हाई कोर्ट का शिक्षा विभाग को अहम आदेश

अमरावती, 16 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में छात्रों के सर्टिफिकेट और परीक्षा के लिए हॉल टिकट पर शरीर के निशानों (जैसे तिल या मस्से) को दर्ज करने के मुद्दे पर एक याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता नागासात्विक ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और तर्क दिया कि छात्रों के शरीर के निशानों को दर्ज करना उनकी निजी निजता (प्राइवेसी) का उल्लंघन है। वेरिफिकेशन के लिए छात्रों के सर्टिफिकेट पर शरीर के निशानों का विवरण छापना असंवैधानिक और गैर-कानूनी है। एपी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस लीसा गिल और जस्टिस एन।

जयसूर्या की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की और अहम आदेश जारी किए। हाई कोर्ट ने सुझाव दिया कि छात्रों की पहचान वेरिफाई करने के लिए सिर्फ़ फिंगरप्रिंट या बायोमेट्रिक्स के बजाय अन्य वैकल्पिक तरीकों पर भी विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, शरीर के निशानों को दर्ज करने के संबंध में कुछ सुझाव भी दिए। कोर्ट ने आदेश दिया कि लड़कियों के शरीर के निशानों (जैसे कूल्हे पर तिल) को दर्ज करते समय केवल महिला कर्मचारियों का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए, ताकि लड़कियों को कोई असुविधा न हो। कोर्ट ने मुख्य सचिव, कमिश्नर और स्कूल शिक्षा विभाग को इस मुद्दे पर पूरी जानकारी के साथ जवाब (काउंटर) दाखिल करने का निर्देश दिया।

हाई कोर्ट ने सरकारी परीक्षा निदेशक को भी नोटिस जारी किया। नागासात्विक ने कोर्ट में अपनी दलीलें पेश कीं। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि छात्रों को शरीर पर जन्म के निशान और अन्य निशान दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और यह संविधान द्वारा दिए गए निजी निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं है। शिक्षा विभाग पहचान वेरिफिकेशन के लिए छात्रों का विवरण दर्ज कर रहा है। यह नीति 1969 से लागू है। वकील ने कहा कि समय बदल गया है और सर्जरी के जरिए पिंपल्स और अन्य निशान हटा दिए जाते हैं, इसलिए बायोमेट्रिक सिस्टम का पालन किया जाना चाहिए।

थाली में परोसा जा रहा था जहर

अमृतसर से जम्मू लाया जा रहा 500 किलो मिलावटी पनीर जब्त

जम्मू, 16 जून (एजेंसियां)। अमृतसर से जम्मू लाया जा रहा करीब 500 किलोग्राम पनीर पुलिस ने जब्त किया है। बाद में इसे जांच के लिए ड्रग एंड फूड कंट्रोल विभाग को सौंप दिया गया। इस मामले में पुलिस ने गाड़ी के कंडक्टर को भी हिरासत में लिया है और मामले की जांच जारी है। यह पनीर रविवार देर रात को लाया जा रहा था। सतवारी पुलिस ने नाका लगाया हुआ था।

जांच में पाया कि पांच सौ किलोग्राम पनीर डिब्बों में बंद करके लाया जा रहा है। पुलिस ने पनीर को तुरंत जब्त कर लिया। इसके बाद ड्रग और फूड कंट्रोल विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया गया। डिप्टी कमिश्नर फूड ने टीम भेजी और पनीर को अपने कब्जे में लेकर इसके सैंपल भी लिए। फूड सेफ्टी अधिकारियों का कहना है कि यह पनीर जम्मू में किसे दिया जाना था, इसकी जांच पुलिस लगा रही है। जिस कंडक्टर को पुलिस ने हिरासत में लिया है, उसके पास दो मोबाइल नंबर हैं। एक गुरदासपुर का और एक जम्मू का। दोनों ही नंबर बंद पड़े हैं। उनका कहना है कि प्रारंभिक जांच में पनीर से बदबू आ रही थी और इसे बिना तापमान की परवाह किए ही लाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि फूड सेफ्टी नियमों में खाने की चीजों को भेजते समय तापमान का ध्यान रखना पड़ता था।

ऐसा न करना नियमों के विपरीत है। ऐसा न करने पर जुर्माना भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल पनीर के सैंपलों की जांच की जा रही है। सैंपलों की रिपोर्ट पर ही कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा। बता दें कि पंजाब से कई बार पनीर और दूसरी खेप को जम्मू में पकड़ा जा चुका है।

काला जादू कर वायुसेना अधिकारी की पत्नी से दुष्कर्म-धर्मांतरण

स्कूल के सहपाठी समेत दो आरोपी गिरफ्तार

नागपुर, 16 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक 24 वर्षीय महिला पर काला जादू और सम्मोहन कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया और जबरन धर्मांतरण किया गया। पीड़िता वायुसेना के अधिकारी की पत्नी हैं। महिला का जबरन धर्मांतरण करने और उसका धर्म परिवर्तन करने का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि महिला का शोषण करने वाला एक आरोपी उसके स्कूल में सहपाठी रहा है और इसी जान-पहचान का फायदा उठाकर आरोपी ने महिला से नजदीकी बढ़ाई। सोशल मीडिया पर जो वीडियो सामने आया है, उसमें दिख रहा है एक महिला बेबस होकर रोते हुए कह रही है, छोड़ो मुझे छोड़ो। वहीं मुख्य आरोपी 26 वर्षीय अय्याज ताज मदारे उसका हाथ पकड़े हुए है और कुछ मंत्र जाप करते हुए बार-बार महिला के ऊपर फूंक मार रहा है। वहीं इस दौरान महिला अपना हाथ छुड़ाने के लिए संघर्ष करती नजर आई।

अब महिला ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, जबरन धर्मांतरण करने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि आरोपी अय्याज पीड़िता के स्कूल में उसका सहपाठी रहा था। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद अय्याज और उसके साथी अमीन शेख को गिरफ्तार किया है। वहीं तीसरा आरोपी मौलाना हजरत मौलाना फरार है, जो मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा का निवासी है।

श्री अकाल तख्त साहिब के फैसले पर सीएम भगवंत मान की पहली प्रतिक्रिया

कहा- मुझे बदनाम करने की कोशिश

चंडीगढ, 16 जून (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा उनके खिलाफ सुनाए गए फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उच्च धार्मिक स्थानों पर बैठे कुछ लोग अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस वीडियो का जिक्र किया जा रहा है, उसमें दिखाई देने वाला व्यक्ति वह नहीं हैं।

न तो उसकी शक्ल उनसे मिलती है और न ही उसका कद। सीएम भगवंत मान ने कहा कि वह अकाल तख्त को सर्वोच्च मानते हैं और उसके प्रति पूरा सम्मान रखते हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि वहां किस तरह राजनीतिक नियुक्तियां होती हैं और कुछ लोग राजनीतिक प्रेरणा से उनके खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने बेअदबी करने वालों को सख्त सजा दिलाने के लिए कानून बनाया है, जिससे विपक्षी दल असहज हैं क्योंकि वे अपनी सरकारों के दौरान ऐसा कानून नहीं बना पाए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार पंजाब के पानी और युवाओं को बचाने के लिए काम कर रही है और वह राज्य के हित में फैसले लेते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जब वह अकाल तख्त के समक्ष पेश हुए थे,

तब भी उन्होंने स्पष्ट किया था कि संबंधित वीडियो उनकी नहीं है और उसमें दिख रहे व्यक्ति की शक्ल और कद उनसे मेल नहीं खाते। अंत में उन्होंने कहा कि वह इस पूरे मामले पर अंतिम निर्णय संगत पर छोड़ते हैं। बता दें श्री अकाल तख्त साहिब के फैसले के बाद से ही पंजाब में सियासत गर्म हो गई है।

हथियार तस्कर सलीम अहमद की अंतरिम जमानत पर एचसी ने लगाई रोक, ट्रायल कोर्ट के आदेश को पुलिस ने दी थी चुनौती

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। हथियार तस्कर सलीम अहमद उर्फ सलीम पिस्टल को ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। जून को जमानत देने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए हाई कोर्ट ने सलीम अहमद को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पुलिस ने दलील दी कि सलीम पिस्टल महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दो मामलों में भी आरोपित है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कथित हथियार आपूर्तिकर्ता सलीम अहमद उर्फ 'सलीम पिस्टल' को दी गई अंतरिम जमानत पर रोक लगा दी है। पटियाला हाउस कोर्ट ने सलीम को छह जून को जमानत दी थी, जिसे दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए सलीम अहमद को नोटिस जारी किया और मामले को 24 जून के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन: अब बिना प्रिसक्रिप्शन नहीं मिलेगी कोई भी सिरप, डॉक्टर की पर्ची जरूरी

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। पिछले साल अक्तूबर में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और राजस्थान में कफ सिरप पीने से हुई बच्चों की मौत की खबरों ने लोगों को काफी डरा दिया था। दवा के सेवन के कारण कई बच्चों की किडनी फेलियर के कारण मौत हो गई थी। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशाल (डीजीएचएस) ने बच्चों के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाले कफ सिरप के तर्कसंगत उपयोग पर सलाह जारी की थी। जांच में पाया गया था कि सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) की मात्रा 48% से ज्यादा पाई गई, जबकि स्वीकार्य सीमा केवल 0.1% है। अब इसपर केंद्र सरकार ने सख्त कदम उठाया है। मंगलवार केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन जारी किया, जिसके तहत कफ सिरप समेत अन्य सिरप वाली दवाएं अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेंगी। अब ऐसी दवाएं खरीदने के लिए ग्राहकों को डॉक्टर की पर्ची की जरूरत होगी।

शराब की खाली बोतलें, बेड पर खून और बिना कपड़ों की लाश

मसूरी, 16 जून (एजेंसियां)। शराब की दो खाली बोतलें, बेड की चादर पर चारों तरफ फैला खून और कमरे के फर्श पर कपड़ों के बिना पड़ी पत्नी की लाश... उत्तराखंड के खूबसूरत और शांत पर्यटन स्थल मसूरी के एक होटल (होमस्टे) में दिल्ली की एक महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत के बाद यह खौफनाक मंजर सामने आया है। इस सनसनीखेज घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर उस रात बंद कमरे के अंदर ऐसा क्या हुआ, जिसने एक हंसती-खेलती नवविवाहिता की जान ले ली। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है, लेकिन घटनास्थल के हालात को देखते हुए यह मर्डर मिस्ट्री बेहद उलझी हुई और संदिग्ध नजर आ रही है। सुबह 112 कंट्रोल रूम के माध्यम से मसूरी पुलिस को सूचना मिली थी कि कियाना होमस्टे (टिपरीधार, मसूरी-धनोल्टी मार्ग) के एक कमरे में ठहरी महिला की हालत बेहद गंभीर है और वह कोई हलचल नहीं कर रही है। जब मसूरी कोतवाली प्रभारी देवेंद्र सिंह चौहान पुलिस टीम और 108 एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंचे, तो एंबुलेंस में मौजूद फार्मासिस्ट ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया।

'ईडी पार्टी' लोकतंत्र पर कब्जा करना चाहती है

एजेंसी बीजेपी के इशारे पर काम कर रही है: संजय सिंह

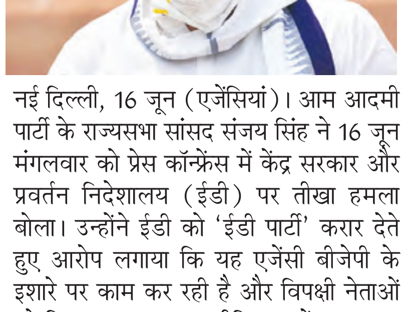

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने 16 जून मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ईडी को 'ईडी पार्टी' करार देते हुए आरोप लगाया कि यह एजेंसी बीजेपी के इशारे पर काम कर रही है और विपक्षी नेताओं को निशाना बनाकर राजनीतिक दलों पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है। संजय सिंह ने कहा, "जैसा कि हम बार-बार कहते रहे हैं, इस देश में एक 'ईडी पार्टी' है, जिसकी पूरी जिंदगी ईडी पर टिकी है। यही ईडी पार्टी ईडी के जरिए पूरे देश में लोकतंत्र पर कब्जा करना चाहती है।" उन्होंने आरोप लगाया कि इसी एजेंसी ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और उन्हें जेल भेजा। अब जब कुछ नहीं मिल रहा तो आप नेताओं को कायरतापूर्ण तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। संजय सिंह ने कहा कि गोवा में आप के को-इन-चार्ज दीपक सिंघला को बिना वजह निशाना बनाया जा रहा है।

2014 में उनके रिश्तेदारों के खिलाफ दर्ज केस की जांच पूरी हो चुकी थी, चार्जशीट दाखिल हो गई और ट्रायल भी लगभग पूरा हो चुका है। इसके बावजूद उन पर लगातार रेड और गिरफ्तारियां हो रही हैं। सिंह ने अशोक मित्तल के यहां ईडी की रेड का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें ले जाने से पहले परिसर को तोड़ दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी पार्टी और उसके प्रमुख बिना किसी ठोस वजह के आप नेताओं को परेशान कर रहे हैं।

आमने-सामने की टक्कर के बाद दो ट्रकों में लगी भीषण आग जिंदा जल गए दोनों ड्राइवर

सुंदरगढ़, 16 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में मंगलवार को एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पर दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों में आग लग गई और उनमें फंसे दोनों ड्राइवरों की जिंदा जलकर मौत हो गई। यह हादसा भस्मा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कैंतरा के पास हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक ट्रक झारसुगुड़ा से सुंदरगढ़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान ड्राइवर अपने ट्रक पर से नियंत्रण खो बैठा। नियंत्रण खोने के बाद ट्रक सड़क के बीच बने डिवाइडर को पार कर दूसरी लेन में पहुंच गया। उसी समय सामने से एक अन्य ट्रक सुंदरगढ़ से झारसुगुड़ा की ओर आ रहा था। अचानक गलत दिशा में आए ट्रक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों ट्रकों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

जेद्दा जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी की आशंका, 18 चक्कर के बाद सुरक्षित वापस लौटा विमान

कन्नूर, 16 जून (एजेंसियां)। केरल के कन्नूर से जेद्दा जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक फ्लाइट के यात्रियों को मंगलवार को तनावपूर्ण पलों का सामना करना पड़ा। दरअसल, जब विमान में उड़ान भरने के तुरंत बाद तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण चालक दल को कन्नूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लौटना पड़ा। कन्नूर से सुबह करीब 7.03 बजे उड़ान भरने वाली इस फ्लाइट में यात्रा शुरू होने के लगभग 30 मिनट बाद एक तकनीकी खराबी का पता चला। मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए, पायलटों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ान जारी रखने के बजाय मूल हवाई अड्डे पर लौटने का फैसला किया।

हालांकि, चूंकि विमान जेद्दाह की लंबी यात्रा के लिए भारी मात्रा में ईंधन ले जा रहा था, इसलिए चालक दल को लैंडिंग से पहले ईंधन का वजन कम करना पड़ा। विमान ने सुरक्षित रूप से

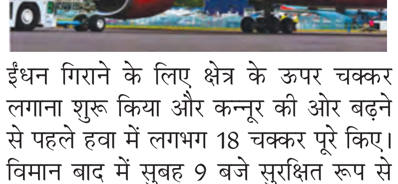

ईंधन गिराने के लिए क्षेत्र के ऊपर चक्कर लगाना शुरू किया और कन्नूर की ओर बढ़ने से पहले हवा में लगभग 18 चक्कर पूरे किए। विमान बाद में सुबह 9 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया, जिससे यात्रियों और हवाई अड्डे के अधिकारियों को राहत मिली, जो स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे थे। विमान में कुल 180 यात्री सवार थे। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, विमान ने हाल ही में अपने सहायक विद्युत इकाई (एपीयू) से संबंधित एक समस्या की सूचना दी थी। समस्या का समाधान कर लिया गया और विमान को परिचालन के लिए मंजूरी दे दी गई। हालांकि, अधिकारी अब यह निर्धारित करने के लिए विस्तृत जांच कर रहे हैं कि क्या पहले की समस्या का उड़ान के दौरान हुई तकनीकी समस्या से कोई संबंध था। विमान को दोबारा सेवा में शामिल करने से पहले हवाई अड्डे के अधिकारियों और तकनीकी टीमों द्वारा आगे की जांच किए जाने की उम्मीद है।

इस घटना से तकनीकी आपात स्थितियों के दौरान उड़ान दल द्वारा अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। कन्नूर लौटने और ईंधन निकालने का निर्णय एहतियाती उपाय के रूप में लिया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विमान सुरक्षित वजन सीमा के भीतर उतर सके। अधिकारियों ने बताया कि बाद में एयरलाइन अधिकारियों ने तनावग्रस्त यात्रियों की देखभाल की और आवश्यक जांच के बाद उनकी आगे की यात्रा की व्यवस्था की जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 17 जून- 2026 3

वि चा र
एक बार आपको कुछ न करने की आदत पड जाये तो आप पायेंगे कि व्यस्त होने के लिए समय ही नही बचता

जलभराव और बाढ़ प्रबंधन को लेकर मल्कम चेरुवु में समन्वय बैठक

> मानसून तैयारियों की डीजीपी सी.वी. आनंद ने की समीक्षा

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के दौरान जलभराव, शहरी बाढ़ और यातायात बाधाओं की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा हेतु मंगलवार को मल्कम चेरुवु क्षेत्र में एक आपात समन्वय बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देश पर आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता राज्य सरकार के सलाहकार सुदर्शन रेड्डी ने की।

बैठक एवं क्षेत्रीय निरीक्षण में डीजीपी सी.वी. आनंद, शेरलिंगमपल्ली विधायक अरिकापुडी गांधी, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, साइबराबाद नगर आयुक्त सृजना, हाइड्रा आयुक्त रंगनाथ, साइबराबाद पुलिस आयुक्त रमेश रेड्डी सहित सिंचाई, हाइड्रा, जीएचएमसी और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं अभियंता शामिल हुए। इस अवसर पर डीजीपी सी.वी. आनंद ने कहा कि बारिश के कारण लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलभराव वाले क्षेत्रों की पहले से पहचान कर यातायात बाधित होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था कर नागरिकों को समय-समय पर जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि शहर के निचले इलाकों, बाढ़ संभावित क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर पुलिस की निरंतर निगरानी बनी रहनी चाहिए। भारी वर्षा की स्थिति में किसी भी आपात परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिस तंत्र को हर समय तैयार रहने का निर्देश दिया गया। बैठक के बाद मल्कम चेरुवु, खाजागुड़ा झील, मंडीकुंटा, गुरुनाथ चेरुवु, मियापुर क्षेत्र, बायोडायवर्सिटी जंक्शन, कोंडापुर तथा अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण करने के लिए विशेष इंजीनियरिंग टीमों का गठन किया गया। इन टीमों ने जल निकासी मार्गों, अतिक्रमणों, ड्रेनेज कनेक्टिविटी और जलभराव के कारणों का विस्तृत अध्ययन किया।

अधिकारियों ने बताया कि तत्काल समाधान की आवश्यकता वाले मुद्दों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही भविष्य में ऐसी समस्याओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दीर्घकालिक एवं स्थायी समाधान संबंधी रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। डीजीपी ने कहा कि पुलिस, सिंचाई, जीएचएमसी, हाइड्रा तथा अन्य विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। सभी विभाग मिलकर संवेदनशील क्षेत्रों की पहले से पहचान करें और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दें।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा जन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। डीजीपी ने कहा कि मानसून समाप्त होने तक राज्यभर में पुलिस बल पूरी सतर्कता के साथ कार्य करेगा और लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने दोहराया कि जलभराव, शहरी बाढ़ और यातायात समस्याओं के समाधान के लिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करते हुए नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अवैध हुक्का केंद्रों पर एसओटी की कार्रवाई

चार मामले दर्ज, सात लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि स्पेशल ऑपरेशन टीम (एसओटी) ने अवैध हुक्का केंद्रों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। नियामक मानकों का उल्लंघन करने और आवश्यक अनुमतियों के बिना संचालन करने के आरोप में चार मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 14 जून को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कमिश्नरेट क्षेत्र के अंतर्गत संचालित 14 कैफे और हुक्का लाउंज का निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों में नियमों के उल्लंघन और आवश्यक अनुमति दस्तावेजों की कमी पाई गई। कार्रवाई के तहत संबंधित हुक्का केंद्रों के संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई और सात लोगों को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ऐसे प्रतिष्ठानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मलकाजगिरि एसओटी ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति संचालित होने वाले हुक्का केंद्रों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सरकारी शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानकों तक ले जाने की बड़ी पहल

बढ़ती मांग के कारण 'नो एडमिशन' बोर्ड लगाना पड़ा

सीएम आज तेलंगाना पब्लिक स्कूल का शिलान्यास पट्ट अनावरण करेंगे

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में सरकारी शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने के उद्देश्य से तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू किए जा रहे तेलंगाना पब्लिक स्कूल्स (टीपीएस) अभियान के तहत पहला स्कूल आर्टुला में स्थापित किया गया है। इस स्कूल का उद्घाटन मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी कल करेंगे।

मुख्यमंत्री बुधवार सुबह 9:30 बजे आर्टुला पहुंचकर तेलंगाना पब्लिक स्कूल का शिलान्यास पट्ट अनावरण करेंगे। इसके बाद वे स्कूल परिसर का निरीक्षण करेंगे, जिसमें डिजिटल कक्षाएं, लाइब्रेरी, विज्ञान प्रयोगशालाएं, डाइनिंग हॉल और खेल मैदान शामिल हैं। वे छात्रों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों से मुलाकात कर उनके विचार जानेंगे। मुख्यमंत्री विद्यार्थियों के साथ नाश्ता भी करेंगे और बाद में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। सरकारी शिक्षा को कॉरपोरेट स्कूलों के समकक्ष बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने शिक्षा आयोग का गठन किया था, जिसकी सिफारिशों के आधार पर इस मॉडल स्कूल को विकसित किया गया है। इस परियोजना में शिक्षा आयोग के अध्यक्ष डॉ. आकुनूरी मुरली, सदस्य पी.एल. विश्वेश्वर राव, डॉ. चारा कोंडा वेंकटेश और जोशना शिवारेड्डी की अहम भूमिका रही है।

आर्टुला टीपीएस में नर्सरी से लेकर इंटरमीडिएट तक की शिक्षा एक ही परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ दी जाएगी। यहां शिक्षा के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। छात्रों को मुफ्त बस सुविधा, सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन और शाम का नाश्ता उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य सरकार ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत चार तेलंगाना पब्लिक स्कूलों का चयन किया है, जिनमें रंगारेड्डी जिले के आर्टुला और मनचाल, तथा संयुक्त महबूबनगर जिले के वंगूर और पोल्कमपल्ली शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य चरणबद्ध तरीके से पूरे राज्य में 100 टीपीएस स्कूल स्थापित करना है। आर्टुला स्कूल में आधुनिक डिजिटल कक्षाएं, स्मार्ट लैब, विशाल खेल मैदान, लाइब्रेरी, जिम और डाइनिंग हॉल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो, कबड्डी और टेनिस जैसे खेलों के लिए विशेष प्रशिक्षक भी नियुक्त किए गए हैं। स्कूल में आसपास के गांवों से विद्यार्थियों के परिवहन के लिए पांच बसों की व्यवस्था की गई है।

वर्तमान में यहां कुल 1,814 छात्र अध्ययनरत हैं। बढ़ती मांग के कारण प्रशासन को "नो एडमिशन" बोर्ड लगाना पड़ा है। सरकारी शिक्षा को विश्व स्तरीय बनाने की दिशा में आर्टुला तेलंगाना पब्लिक स्कूल को राज्य के शिक्षा इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

ड्रग्स नेटवर्क पर ईगल फोर्स की बड़ी कार्रवाई

राज्यव्यापी अभियान में 14 नशा उपयोगकर्ता पकड़े गए

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मादक पदार्थों के सेवन और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए गए राज्यव्यापी अभियान के तहत तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी) की ईगल फोर्स ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 नशा उपयोगकर्ताओं को पकड़ा है। यह अभियान हैदराबाद, साइबराबाद, मलकाजगिरि, फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट तथा महबूबनगर और निजामाबाद जिलों के कुछ हिस्सों में चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार, ईगल फोर्स की टोल-फ्री व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर प्राप्त खुफिया सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना में चक्रपानी उर्फ चकरी और हर्षिद रेड्डी द्वारा संचालित एक कथित ड्रग सप्लाई नेटवर्क के बारे में जानकारी दी गई थी।

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी अपने सहयोगियों के साथ मिलकर विभिन्न राज्यों से कोकीन, एमडीएमए गोलियां, एलएसडी और हशीश ऑयल जैसे मादक पदार्थ मंगवाकर हैदराबाद समेत अन्य क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंचाते थे। तकनीकी निगरानी और डेटा विश्लेषण के आधार पर अधिकारियों ने नेटवर्क से जुड़े होने के संदेह में कई लोगों की पहचान की। इसके बाद विभिन्न स्थानों पर एक साथ छापेमारी के लिए 15 विशेष टीमों का गठन किया गया। अभियान के दौरान कुल 19 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया, जिनमें से 14 लोगों का परीक्षण गांजा सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया। वहीं एक व्यक्ति का परीक्षण मेथम्फेटामाइन के लिए भी पॉजिटिव आया। पकड़े गए लोगों में नागोले, वनस्थलीपुरम, चैतन्यपुरी, कर्मघाट, बोवेनपल्ली, संतोष नगर, निजामाबाद, मेडक और मणिकोंडा क्षेत्रों के निवासी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक पूछताछ में कई संदिग्धों ने चक्रपानी और हर्षिद रेड्डी से गांजा तथा अन्य मादक पदार्थ खरीदने की बात स्वीकार की है। वित्तीय जांच में यह भी सामने आया कि उपभोक्ताओं ने कथित सप्लायरों को नशीले पदार्थ खरीदने के लिए सामूहिक रूप से तीन लाख रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की थी।

आवारा कुत्तों के हमले में चौसिंगा की मौत

पानी की तलाश में जंगल से बाहर आया था दुर्लभ वन्यजीव

सिद्दिपेट, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दौलथाबाद मंडल मुख्यालय में मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमले में एक चौसिंगा (चार सींगों वाला हिरण) की मौत हो गई। घटना से वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार, चौसिंगा पानी की तलाश में जंगल से निकलकर आबादी वाले क्षेत्र की ओर आ गया था। इसी दौरान आवारा कुत्तों के एक झुंड ने उसका पीछा कर उस पर हमला कर दिया। कुत्तों के हमले से वन्यजीव गंभीर रूप से घायल हो गया।

धार्मिक वस्तुओं को लेकर दो परिवारों में विवाद

मिर्च पाउडर फेंकने का आरोप, दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के मणिकोंडा स्थित शिवाजीनगर कॉलोनी में अमावस्या के दिन घर के बाहर कथित रूप से रखी गई धार्मिक वस्तुओं को लेकर दो पड़ोसी परिवारों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी ने झड़प का रूप ले लिया, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

पुलिस के अनुसार, पड़ोसी प्रभाकर और नरसिम्हा के परिवारों के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब नरसिम्हा के परिवार को संदेह हुआ कि किसी धार्मिक अनुष्ठान के तहत उनके घर के सामने हल्दी, सिंदूर और नींबू रखे गए हैं। इस आरोप को प्रभाकर के परिवार ने सिरे से खारिज कर दिया। आरोप-प्रत्यारोप के बीच दोनों परिवारों के सदस्यों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो बाद में झड़प में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान प्रभाकर की बहन उमा रानी ने दूसरे पक्ष के लोगों की आंखों में लाल मिर्च पाउडर फेंक दिया। घटना में एक महिला की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ गई, जिसके बाद उसे चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। दोनों पक्षों द्वारा दी गई शिकायतों के आधार पर रायदुर्गम पुलिस ने क्रॉस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भूमि एवं सर्वेक्षण विभाग के उप निदेशक पर एसीबी का शिकंजा

छापेमारी में 150 करोड़ रुपये की कथित अनुपातहीन संपत्ति का खुलासा

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को भूमि एवं सर्वेक्षण विभाग के उप निदेशक सुनकारी नरहरि के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके आवास और उनसे जुड़ी संपत्तियों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

प्रारंभिक जांच में लगभग 150 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य की कथित अनुपातहीन संपत्ति का पता चला है। एसीबी के डीएसपी गंगासानी श्रीधर के नेतृत्व में अधिकारियों ने नारायणगुडा स्थित नरहरि के आवास सहित राज्यभर में 12 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। तलाशी अभियान के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, संपत्ति संबंधी रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन से जुड़े कागजात जब्त किए गए। जांच के दौरान अधिकारियों ने कथित तौर पर 1.2 करोड़ रुपये नकद बरामद किए, जिन्हें बोरियों में भरकर मकान की अटारी में छिपाकर रखा गया था। इसके अलावा बड़ी मात्रा में सोने के आभूषण तथा अन्य कीमती सामान भी बरामद किया गया है। एसीबी के अनुसार प्रारंभिक निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि अब तक सामने आई संपत्तियां अधिकारी की ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में काफी अधिक हैं। इसी आधार पर मामले को अनुपातहीन संपत्ति की जांच के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है।

एजेंसी ने बताया कि तलाशी अभियान अभी जारी है और अधिकारी से जुड़े कई बैंक लॉकरों की भी जांच की जाएगी। जब्त संपत्तियों, निवेशों और वित्तीय रिकॉर्ड का विस्तृत मूल्यांकन किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ इस मामले में और भी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। एसीबी की टीम बरामद दस्तावेजों, संपत्ति विवरणों और निवेश संबंधी अभिलेखों की गहन पड़ताल कर रही है।

सरकारी स्कूल बंद करने के प्रस्ताव के विरोध में एबीवीपी का प्रदर्शन

शिक्षा निदेशालय में नारेबाजी, नीति वापस लेने की मांग

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार द्वारा कथित रूप से 27,000 सरकारी स्कूलों में से 23,000 स्कूलों को बंद करने के प्रस्ताव का विरोध करते हुए मंगलवार को स्कूल शिक्षा निदेशालय के बाहर प्रदर्शन किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र और कार्यकर्ता एकत्र हुए, जिससे परिसर में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सरकारी विद्यालयों की स्थिति सुधारने में विफल रहने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि स्कूलों को सुदृढ़ बनाने के बजाय उन्हें बंद करने का प्रयास किया जा रहा है, जो शिक्षा के अधिकार और ग्रामीण तथा गरीब छात्रों के हितों के विपरीत है। एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद सदस्य जीवन ने कहा कि सरकारी विद्यालयों को बेहतर सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय स्कूलों को बंद करने की योजना दुर्भाग्यपूर्ण है और इसका व्यापक विरोध किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी ने निजी और कॉर्पोरेट स्कूलों में मनमानी फीस वसूली पर रोक लगाने की मांग भी उठाई। संगठन ने फीस नियंत्रण के लिए प्रभावी कानून बनाने तथा शिक्षा के अधिकार अधिनियम को सख्ती से लागू करने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने राज्यभर में रिक्त पड़े शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों को शीघ्र भरने, मंडल शिक्षा अधिकारियों (एमईओ) और जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) के रिक्त पदों पर नियुक्तियां करने की भी मांग की। इसके अलावा सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे के विकास और आवासीय विद्यालयों के लिए स्थायी भवनों के निर्माण पर जोर दिया गया।

निवेश पर ऊंचे मुनाफे का झांसा देकर 3.56 करोड़ की ठगी

सॉफ्टवेयर पेशेवर ने पूर्व सहकर्मियों को बनाया शिकार

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निवेश पर आकर्षक और सुनिश्चित रिटर्न का लालच देकर दो पूर्व सहकर्मियों से 3.56 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ितों की शिकायत पर साइबराबाद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, निजामपेट निवासी सी. वेंकट रेड्डी की वर्ष 2020 में एक आईटी कंपनी में कार्यरत रहने के दौरान देसु संदेश नामक व्यक्ति से मित्रता हुई थी। आरोप है कि संदेश ने स्वयं को एक ऐसी कंपनी का संचालक बताया, जो निवेशकों को सुनिश्चित मासिक आय और आकर्षक लाभ प्रदान करती है। बताया गया कि संदेश के दावों पर भरोसा करते हुए वेंकट रेड्डी ने बैंक ऋण से प्राप्त धनराशि समेत कुल 1.92 करोड़ रुपये का निवेश किया। बदले में उन्हें प्रति माह 3.5 लाख रुपये रिटर्न देने का आश्वासन दिया गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No.14670644L, Hav, Akhade Anant Dhondu, R/o, Dist : Ratnagiri, Maharashtra, changed my Father's name from Dhondu to Dhondu Nau Akhade, vide Affidavit No. 467216 dt. 15.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17010976W, Hav, Nandupilli Appanna, R/o. Dist : Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my Mother's name from N Bogamma to Nandupilli Bhogamma, vide Affidavit No. 467212 dt. 15.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 17010976W,Hav, Nandupilli Appanna, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my Father's name from N Paiditata to Nandupilli Paidithatha, vide Affidavit No. 467214 dt. 15.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 777378Y, Sub, Vijay Kumar, R/o, Vill & PO: Janauri, Dist: Hoshiarpur, Punjab, changed my Mother's name from Nirmla Rani to Sushila Rani, for all records purpose.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

कृष्णा जल विवाद के बीच केआरएमबी टीम ने किया आरडीएस परियोजना का निरीक्षण

> पानी के बंटवारे और मरम्मत कार्यों पर हुई समीक्षा बैठक

जोगुलम्बा गडवाल, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा नदी के जल बंटवारे को लेकर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच जारी विवाद के बीच कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) के इंजीनियरों की एक टीम ने मंगलवार को कर्नाटक स्थित राजोली बांदा डायवर्जन योजना (आरडीएस) का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के बाद तीनों राज्यों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। केआरएमबी टीम ने आरडीएस एनीकट का जायजा लेने के बाद तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के अधिकारियों के साथ परियोजना से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में कर्नाटक और तेलंगाना को पानी छोड़े जाने की व्यवस्था, एनीकट के लंबित मरम्मत कार्य, मुख्य नहर के रखरखाव, जल प्रवाह प्रबंधन और अन्य तकनीकी विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान कर्नाटक और आंध्र प्रदेश द्वारा कथित रूप से किए जा रहे अनधिकृत जल मोड़, एनीकट को बैराज में परिवर्तित करने के प्रस्ताव तथा परियोजना को तुंगभद्रा बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में लाने से संबंधित मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। पूर्व आरडीएस परियोजना अध्यक्ष तंगला सीताराम रेड्डी ने केआरएमबी अधिकारियों को परियोजना की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं और उपेक्षा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा नहर की मरम्मत के लिए कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद आवश्यक कार्य नहीं किए गए, जिसके कारण परियोजना को आवंटित 15.9 टीएमसी पानी का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि नहर में गाद जमाव, बाढ़ से हुए नुकसान और कई हिस्सों में लाइनिंग का अभाव जैसी समस्याओं ने जल प्रवाह को प्रभावित किया है। इसके परिणामस्वरूप परियोजना से सिंचित होने वाले लगभग 87,500 एकड़ क्षेत्र में किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। सीताराम रेड्डी ने यह भी आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश द्वारा केंद्रीय जल आयोग की मंजूरी के बिना चार टीएमसी पानी मोड़ने के उद्देश्य से बाईं नहर का निर्माण किए जाने की कोशिश की गई थी, जिसका विरोध किया गया।

बोंडाडा इंजीनियरिंग को 1,338 करोड़ रुपये की सौर ऊर्जा परियोजना मिली

उत्तर प्रदेश में एनटीपीसी आरईएल के लिए करेगी ईपीसी कार्य

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बोंडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड को उत्तर प्रदेश के सीतापुर में विकसित की जाने वाली 250 मेगावाट सौर पीवी परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण ठेका प्राप्त हुआ है।

यह परियोजना 50 मेगावाट/200 मेगावाट-घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) से भी सुसज्जित होगी। कंपनी को इस परियोजना के इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) पैकेज के लिए एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी आरईएल) से अधिसूचना (एनओए) प्राप्त हुई है। करीब 1,338 करोड़ रुपये (जीएसटी सहित) मूल्य की यह परियोजना बोंडाडा इंजीनियरिंग के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। कंपनी का मानना है कि यह अनुबंध उसकी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में उसकी स्थिति को और मजबूत करेगा। यह परियोजना एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत बड़े पैमाने पर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ आधुनिक ऊर्जा भंडारण प्रणालियों को भी ग्रिड से जोड़ा जा रहा है। इससे बिजली आपूर्ति की स्थिरता और विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी के अनुसार, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ सौर ऊर्जा संयंत्र का संयोजन भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और हरित ऊर्जा क्षेत्र को नई मजबूती प्रदान करेगा।

अपराधी बिहार छोड़ दें इसी में उनकी भलाई है

सीएम बोले– नहीं गए तो चैलेंज समझूंगा
सीवान में सम्राट की सभा छोड़कर गईं महिलाएं

कैमूर, 16 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को सासाराम, कैमूर और सीवान में कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। सीएम सबसे पहले कैमूर पहुंचे। यहां उन्होंने अपराधियों को बिहार छोड़ने की चेतावनी दी।

सीएम ने कहा, "कोई अपराधी हो उसे पहले दिन कहिए बिहार छोड़कर चले जाए इसी में तुम्हारी भलाई है। अगर वो नहीं गया तो इसे चैलेंज माना जाएगा। हमने अगर चैलेंज लिया तो 48 घंटे में एक्शन होगा।

हम उन्हें छोड़ नहीं सकते हैं। ये जनता के साथ अन्याय होगा। बहनों आपका भाई बिहार का मुख्यमंत्री जब तक है जो अपराधी अपराध करेगा आपका भाई सम्राट चौधरी जवाब देगा।"

इससे पहले मुख्यमंत्री ने कैमूर के मां मुंडेश्वरी धाम में पूजा-पाठ की। सीएम ने पहाड़िया पंचायत में मुंडेश्वरी धर्मशाला के पास 'सहयोग शिविर' में लोगों की समस्याएं सुनीं।

कैमूर के अलावा सीएम रोहतास और सीवान भी पहुंचे। सीवान में सीएम सम्राट के पहुंचते ही महिलाएं सभा छोड़कर जाने लगीं।

महिलाओं का कहना था कि भीषण गर्मी के बावजूद कार्यक्रम में पीने के पानी तक की व्यवस्था नहीं की गई थी।

कैमूर में सीएम ने कहा, "महिला शिक्षक अपने प्रखंड में या जहां चाहे पोस्टिंग ले लें, लेकिन मैं पढ़ाई से कोई समझौता नहीं करूंगा। मुंडेश्वरी धाम को भारत माला परियोजना के फोरलेन से जोड़ेंगे। रोपवे का शिलान्यास करने अगली बार फिर आऊंगा मां मुंडेश्वरी धाम।

मुंडेश्वरी मंदिर के विकास को लेकर रोहतास और कैमूर में एयरपोर्ट बनेंगे।" सभा से पहले बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खान ने सीएम को चांदी का मुकुट पहनाया।

सीएम ने कैमूर में 196.05 करोड़ रुपए की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें 162.69 करोड़ रुपए की लागत वाली 20 नई योजनाओं का शिलान्यास किया गया। 33.36 करोड़ रुपए की तैयार हो चुकी 40 योजनाओं का लोकार्पण हुआ।

कैमूर के बाद सीएम रोहतास पहुंचे और क्रिकेटर आकाशदीप और उनके परिवार से मुलाकात की। इस दौरान आकाशदीप को शादी की बधाई दी। रोहतास के बाद सीएम सीवान पहुंचे और कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

सूर्या चौहान की हत्या के बाद गाजियाबाद में अवैध मदरसों पर गरजा बुलडोजर

गाजियाबाद, 16 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे खोड़ा कॉलोनी में सूर्या चौहान की हत्या के बाद गाजियाबाद जिले में अवैध मदरसों और मजारों के खिलाफ प्रशासन का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को मसूरी थाना क्षेत्र के कुशलिया गांव में सरकारी जमीन पर बने करीब 25 से 30 वर्ष पुराने फैज-ए-आम मदरसा मिस्बाह उल उलूम को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया।

प्रशासन का दावा है कि मदरसा सरकारी भूमि पर अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात रही। एसडीएम सदर अरुण दीक्षित ने बताया कि राजस्व विभाग की जांच में गांव कुशलिया की खसरा संख्या 1061 और 1063, जो राजस्व अभिलेखों में खाद के गड्ढे और सार्वजनिक रास्ते के रूप में दर्ज है, लेकिन जांच के दौरान यहां करीब 880 वर्गमीटर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा पाया गया।

बिहार के 24 जिलों में बारिश का अलर्ट

50किमी की रफ्तार से चल सकती है हवा, अगले 3-4 दिनों में मौसम में बदलाव की संभावना नहीं

पटना, 16 जून (एजेंसियां)। बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून की एंट्री हो चुकी है, लेकिन प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में उमस भरी गर्मी और चिलचिलाती धूप से लोग परेशान हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र ने आज प्रदेश के 24 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें 14 जिलों में ऑरेंज और 10 में यलो अलर्ट हैं। इन जिलों में 50किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो सुपौल में बारिश हुई। शेखपुरा, पटना का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, अगले तीन से चार दिनों तक अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। मानसून बिहार में पहुंच चुका है, तो फिर इतनी गर्मी और तेज धूप क्यों निकल रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, मानसून की एंट्री का मतलब यह नहीं होता कि पूरे राज्य में एक साथ लगातार बारिश शुरू हो जाएगी। मानसूनी बादलों की सक्रियता अलग-अलग क्षेत्रों में अलग समय पर होती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि फिलहाल बिहार के कई हिस्सों में बादलों और धूप का मिश्रित असर देखने को मिल रहा है। जहां बारिश नहीं हो रही है, वहां सूर्य की तेज किरणें और हवा में नमी बढ़ने से उमस अधिक महसूस होती है। यही कारण है कि लोगों को सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है।

पटना में मंगलवार को हल्का बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हो सकती है. हालांकि दिन में लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहेंगे। अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में बिहार के उत्तरी और पूर्वी जिलों में बारिश की संभावना अधिक है। कई इलाकों में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। वहीं दक्षिणी और मध्य बिहार के कुछ हिस्सों में तापमान सामान्य से ऊपर बना रह सकता है। कुल मिलाकर अगले तीन से चार दिनों तक मौसम में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

फैजल खान के अंगरक्षकों को नहीं मिली जमानत

कोर्ट ने केस डायरी मांगी, रौशन आनंद ने सीबीआई जांच की मांग की

पटना, 16 जून (एजेंसियां)। चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर के दोनों अंगरक्षकों को आज भी कोर्ट से जमानत नहीं मिली है।

आज कोर्ट ने पटना पुलिस को इस केस का पूरा अपडेट देने के लिए कहा और केस डायरी की मांग की है। अब 20 जून को इस मामले में अगली सुनवाई होगी। उसी दिन फैजल खान की अग्रिम जमानत पर भी सुनवाई होगी। फिलहाल कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। इधर, शिक्षक रौशन आनंद के सहयोगी अभिषेक की जमानत याचिका की अपील आज की जाएगी।

इधर, एक दिन पहले फैजल खान ने रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत को लेकर भावुक पोस्ट किया था। इसके बाद रौशन आनंद के आरोपों का भी जवाब दिया। कहा कि किसी तीसरे ने साजिश रचकर यह सब करवाया है। हमदोनों की बीच की लड़ाई का कोई तीसरा फायदा उठाना चाहिए है। वहीं प्रिंस की मौत पर खान सर ने कहा कि इतनी भयानक स्थिति इतनी कठोर स्थिति से वह कैसे निकल पाएंगे? इस घटना के बाद पता नहीं कैसे परिवार इस मुश्किल को सहन करेगा? इस कठिन दौर में हमारी संवेदना परिवार के साथ है। जब कोई ऐसी खबर सुनता है तो दिल बैठ जाता है। किसी के परिवार के साथ ऐसा न हो। फैजल खान ने आगे कहा कि दुश्मन के परिवार के साथ भी ऐसा न हो।हमारी पूरी संवेदना परिवार के साथ है। उन्होंने कहा कि परिवार अभी किसी भी तरह की बात करने की स्थिति में नहीं होगी, हम इस चीज को समझ सकते हैं। किसी के साथ ऐसा न हो, लेकिन हमसे जो प्रयास होगा वेलोग हमको जो कहेंगे, हम हर संभव उनकी मदद करने के लिए तैयार हैं। एक दिन पहले यानी सोमवार को जेल से बाहर निकले रौशन आनंद ने कहा ने फैजल खान पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि साजिश के तहत उनके भाई की हत्या कराई गई।

गर्भवती पत्नी, बेटे और साली को बस ने रौंदा

मुरादाबाद, 16 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद में रोडवेज बस ने बाइक सवार 5 महीने की गर्भवती महिला, उसकी बहन और 3 साल के बेटे को रौंद दिया। हादसे में तीनों की मौत हो गई, जबकि महिला का पति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। मृतकों की पहचान संभल के हयातनगर थाना क्षेत्र स्थित सरायतरीन के रहने वाले जुनैद (35), सिमरन (30) और दानियाल (3) के रूप में हुई। जुनैद पत्नी सिमरन, साली मंतशा और बेटे दानियाल के साथ बाइक से निकला था। रास्ते में पीछे से आ रही रोडवेज बस ने ओवरटेक करने के प्रयास में बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। वहां डॉक्टरों ने सिमरन और दानियाल को मृत घोषित कर दिया।

स्कूल में ही मिट्टी की जांच करना सीखेंगे छात्र

विजय सिन्हा ने 629 सॉयल हेल्थ लैब लगाने का किया एलान

पटना, 16 जून (एजेंसियां)। बिहार के 629 सरकारी विद्यालयों में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना की जाएगी। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने यह घोषणा की है। सोमवार को कृषि भवन में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना तथा मुख्यमंत्री बागवानी मिशन अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने, छात्रों में अनुसंधान एवं प्रयोगात्मक क्षमता विकसित करने और किसानों को मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने संबंधी योजनाओं पर चर्चा हुआ।

कृषि मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना के अंतर्गत संचालित स्कूल सॉयल हेल्थ प्रोग्राम के तहत राज्य के कुल 160 पीएम श्री एवं राजकीय विद्यालयों में मिनी सॉयल टेस्टिंग प्रयोगशालाओं की स्थापना की जा चुकी है। इस पहल का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर छात्रों को मृदा परीक्षण की वैज्ञानिक प्रक्रिया से जोड़ना तथा कृषि एवं पर्यावरण के प्रति उनकी समझ को विकसित करना है। अब आगे वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस कार्यक्रम का व्यापक विस्तार करते हुए राज्य के कुल 629 पीएम श्री एवं राजकीय विद्यालयों में मिनी सॉयल टेस्टिंग प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी और इस योजना को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू किया जाएगा। इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से कक्षा 7, 8, 9 एवं 11 के छात्र-छात्राएं मृदा परीक्षण, नमूना संग्रहण तथा मृदा स्वास्थ्य संबंधी व्यावहारिक गतिविधियों में भाग लेंगे। इससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तकनीकी कौशल एवं अनुसंधान की प्रवृत्ति विकसित होगी।

कृषि मंत्री ने बताया कि प्रत्येक विद्यालय में मिनी सॉयल टेस्टिंग प्रयोगशाला की स्थापना के लिए एक लाख रुपये की लागत निर्धारित की गई है, जिसमें 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार तथा 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी। भारत सरकार द्वारा प्रत्येक विद्यालय को 50 मिट्टी नमूनों का संग्रहण, परीक्षण तथा किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहल छात्रों, विद्यालयों और किसानों के बीच एक प्रभावी समन्वय स्थापित करेगी तथा संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देगी।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों में मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना और ड्रैगन फ्रूट जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा देने की पहल कृषि क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता को नई दिशा प्रदान करेगी। समीक्षा बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने चतुर्थ कृषि रोड मैप के अंतर्गत तैयार डीपीआर के आधार पर संचालित ड्रैगन फ्रूट विकास योजना की भी समीक्षा की।

मुझे नहीं पता प्रिंस की मौत कैसे हुई

रौशन आनंद खान सर विवाद पर बोले चिराग पासवान

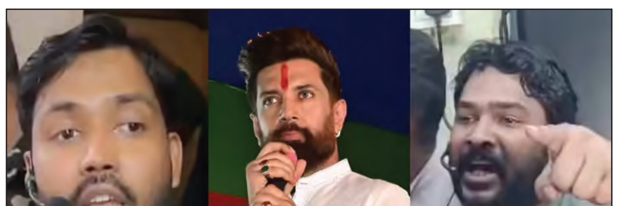

पटना, 16 जून (एजेंसियां)। खान सर और रौशन आनंद सर का विवाद गहरा चुका है। रौशन आनंद ने जमानत पर बाहर आते ही आरोप लगाया कि उनके भाई की हत्या फैजल खान उर्फ खान सर ने साजिश रच कर करवाई। वहीं इसको लेकर खान सर उर्फ फैजल खान का कोई भी बयान अभी सामने नहीं आया है, सिवाए इसके कि प्रिंस यादव की मौत पर उन्हें भी दुख है।

खान सर और रौशन आनंद सर विवाद पर बोले चिराग पासवान

इसी बीच मामले में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ा बयान दिया है। चिराग ने कहा है कि उन्हें ये नहीं पता कि प्रिंस यादव की नेपाल में मौत की वजह क्या है। चिराग पासवान ने कहा कि 'देखिए जांच तो हो ही रही है, जांच होनी भी चाहिए।

सबके सामने आना चाहिए। कहां कौन दोषी, किस वजह से ये घटनाचक्र घटा।'

चिराग पासवान ने रौशन आनंद और खान सर विवाद पर कहा

जांच हो रही है और जांच होनी भी चाहिए, सत्य सामने आना चाहिए कौन दोषी है और कैसे घटचक्र घटा ये पूरा सत्य सामने आना चाहिए।

कोचिंग माफिया जैसा शब्द मैं शिक्षा के साथ नहीं जोड़ना चाहूंगा कहीं ना कहीं कुछ गड़बड़ियां हुई हैं, जिससे स्थिति असहज हुई। ये बच्चों के भविष्य से जुड़ा हुआ विषय है।

मुझे नहीं पता प्रिंस यादव की मौत का कारण क्या है।

शिक्षा के साथ माफिया शब्द नहीं जोड़ें: चिराग

इसी दौरान कुछ पत्रकारों ने कोचिंग माफिया को लेकर साल पूछे तो चिराग पासवान ने उन्हें रोका। चिराग ने कहा कि 'मैं माफिया जैसा शब्द शिक्षा के साथ नहीं जोड़ना चाहूंगा। पर हां, कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ियां तो हुई हैं, जिसकी वजह से स्थित असहज हुई। मैं मानता हूं कि ये जांच का विषय है। बच्चों के भविष्य से जुड़ा हुआ विषय है। जरूर जांच होकर इसका समाधान निकलना चाहिए।'

प्रिंस की मौत की वजह मुझे नहीं पता: चिराग पासवान

रौशन आनंद के भाई प्रिंस आनंद की नेपाल में हुई मौत के मुद्दे पर भी चिराग पासवान ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 'मुझे नहीं पता कि क्या कारण रहा, जिस वजह से उनका (प्रिंस यादव) निधन हुआ।

जहां तक मैं पुनः जांच की बात करता हूं। मैं इन तमाम बिंदुओं को मद्देनजर रखते हुए, किसी के साथ कोई अन्याय न हो, इस बात का ध्यान जरूर हमारी सरकार रखेगी।'

युवक की मौत पर बवाल दरोगा की वर्दी फाड़ी

फतेहाबाद, 16 जून (एजेंसियां)। आगरा में सोमवार की शाम हादसे में एक युवक की मौत पर बवाल हो गया। गुस्साए लोगों ने फतेहाबाद-फिरोजाबाद हाईवे को जाम कर दिया। सूचना पर 5 थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा। पुलिस ने लोगों को शांत कराकर जाम हटवाने की कोशिश की। लेकिन, भीड़ भड़क गई और पुलिस पर पथराव कर दिया। इससे मोबाइल वैन का पिछला शीशा टूट गया। एक दरोगा पर हमला कर उसकी वर्दी भी फाड़ दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम करीब 4:30 बजे फतेहाबाद-फिरोजाबाद मार्ग पर तेज रफ्तार थार ने बाइक और स्कूटी सवार लोगों को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार युवक की मौत हो गई।

वह अपनी ससुराल से लौट रहा था। 4 महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। हादसे में स्कूटी सवार तीन लोग घायल हो गए।

परिवार के 3 लोगों की हत्या, इनमें 2 महिलाएं

प्रयागराज, 16 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज में एक ही परिवार के 3 लोगों की हत्या कर दी गई। मृतकों में 2 महिलाएं शामिल हैं। हमलावरों ने घर में घुसकर दौड़ा-दौड़ाकर वारदात को अंजाम दिया। खून से लथपथ शव घर के आहाते से लेकर बाहर तक पड़े मिले।

तीनों के सिर पर कुल्हाड़ी या लोहे की रॉड जैसी किसी भारी वस्तु से हमला किया गया था। वारदात के समय घर में 4 लोग मौजूद थे। एक 60 वर्षीय महिला भी घर में थी, लेकिन वह सुरक्षित है। बताया जा रहा है कि महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त है।

घटना जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर मेजा थाना क्षेत्र के कुकुरकटवा गांव में सोमवार रात हुई। मंगलवार सुबह पड़ोसियों को ट्रिपल मर्डर का पता चला। पुलिस के मुताबिक, श्यामलाल गुप्ता उर्फ कल्लू (65) और उनके दो भाइयों की पत्नियां अमरावती (58) व इंद्रावती (55) मृत मिलीं।

ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 5 बजे जब वे श्यामलाल के घर के बाहर से निकले तो देखा कि दो महिलाएं जमीन पर पड़ी हैं और उनके शरीर से खून बह रहा है। पास जाकर देखा तो वे अमरावती और इंद्रावती थीं। वहीं बगल में श्यामलाल भी मृत पड़े थे और उनके सिर से काफी खून बह रहा था। ग्रामीणों ने दरवाजा खटखटाया तो श्यामलाल की पत्नी सरस्वती घर के अंदर सोती मिलीं। सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वायड और एसओजी की टीम मौके पर पहुंच गई। ट्रैकर डॉग करीब 200 मीटर दूर एक संदिग्ध के घर तक पहुंचकर रुक गया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से फिंगर प्रिंट समेत अन्य साक्ष्य जुटाए हैं।

श्यामलाल पांच भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके दो भाइयों दूधनाथ और धनीराम की बीमारी के चलते मौत हो चुकी है। श्यामलाल घर में ही छोटी-सी किराने की दुकान चलाते थे। उनके भाई नींबू लाल और उनका बेटा बेंगलुरु में गोलगप्पे बेचते हैं, जबकि राम निरंजन राजस्थान में मजदूरी करते हैं। श्यामलाल की कोई संतान नहीं थी। वह अपनी पत्नी सरस्वती के साथ गांव में रहते थे। दूधनाथ की पत्नी इंद्रावती (55) और नींबू लाल की पत्नी अमरावती (58) भी यहीं रहती थीं। धनीराम की पत्नी अपनी दो बेटियों प्रिया उर्फ नेहा (19) और शिवानी (8) के साथ रहती थीं। नेहा का गांव के ही रहने वाले हिमांशु यादव से मिलना-जुलना था। नेहा के ताऊ श्यामलाल और उनकी दोनों चाचियां अमरावती व इंद्रावती इस रिश्ते का विरोध करती थीं। फरवरी में नेहा और हिमांशु घर छोड़कर चले गए थे। हालांकि, एक दिन बाद ही दोनों वापस लौट आए थे।

आरटीपीएस काउंटर क्लर्क रंगे हाथ पकड़ा गया

निगरानी ने 15 हजार रुपये घूस लेते दबोचा

बेतिया, 16 जून (एजेंसियां)। पश्चिमी चंपारण के बेतिया अंचल के आरटीपीएस काउंटर के एक क्लर्क को निगरानी विभाग ने घूस लेते रंगे हाथ दबोच लिया है। आरोपी क्लर्क राजकुमार मिश्र जमीन से जुड़े एक मामले में 15 हजार रुपयों की घूस ले रहा था।

घूस लेते पकड़ा गया क्लर्क

निगरानी विभाग ने ये कार्रवाई बेतिया अंचल कार्यालय के आरटीपीएस काउंटर पर की। यहां के क्लर्क राज कुमार मिश्रा को निगरानी की टीम ने 15000 (पंद्रह हजार) रुपये रिश्वत लेते हुये रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार क्लर्क बेतिया जिले के चनपटिया थाना क्षेत्र का पकड़िहार गांव निवासी राज कुमार मिश्रा है। इस संबध मे पीड़ित बालेश्वर कुमार ने बताया की पिछले पांच साल राज कुमार मिश्रा एक ही जगह पर तैनात है। बेतिया में पीड़ित बालेश्वर कुमार ने बताया कि 'मेरी जमीन की जमाबंदी जो लॉक है, उसे अनलॉक करने के लिये 15 हजार रुपया मांगा जा रहा था और दबाव बनाया जा रहा था। हमने इससे तंग आकर निगरानी विभाग को जानकारी दी। इसके बाद मंगलवार को 15000 रुपए रिश्वत लेते निगरानी की टीम ने राज कुमार मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया।'

वहीं निगरानी के डीएसपी श्यामबाबू प्रसाद ने बताया कि बालेश्वर कुमार ने निगरानी विभाग को इसकी सूचना दी थी। क्लर्क राज कुमार मिश्रा के केस में सत्यापन के बाद बेतिया में कार्रवाई की गई।

बेतिया में निगरानी विभाग के टीम ने कार्रवाई करते हुए राज कुमार मिश्रा को 15 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी क्लर्क को निगरानी की टीम अपने साथ ले गई।

सिपाही भर्ती परीक्षा में हाईटेक सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 16 जून (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान ब्लूटूथ इयरबड, माइक्रोफोन और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए नकल कराने वाले एक हाईटेक सॉल्वर गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो अभ्यर्थी और दो सॉल्वर शामिल हैं। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह अभ्यर्थियों को परीक्षा में पास कराने के नाम पर 10 लाख रुपये तक का सौदा करता था और इसके लिए पूरी तरह तकनीक आधारित नेटवर्क तैयार किया गया था। पूरे मामले का खुलासा सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने सोमवार को प्रेस वार्ता के दौरान किया।

नीतीश के करीबी नेता ने तेजस्वी यादव को कायदे से समझाया

आरजेडी नेता की चिट्ठी पर जेडीयू का आया जवाब

संजय झा और तेजस्वी यादव

पटना, 16 जून (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक पत्र मुख्यमंत्री को लिखा। उस पत्र में उन्होंने कोचिंग विवाद में फंसे रोशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत के मामले को लेकर सरकार से कुछ मांग की। उसके बाद तेजस्वी यादव के पत्र पर अभी मुख्यमंत्री की ओर से क्या प्रतिक्रिया आई, इसके बारे में तो नहीं कहा जा सकता। लेकिन जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने जवाब दिया है। जेडीयू ने आरजेडी नेता को जवाब देते हुए कहा है कि घटना बेहद दुखद है। संजय झा ने कहा कि मामले का दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। कोई भी दोषी पाया जाएगा। उसे किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

निष्पक्ष जांच की मांग- तेजस्वी यादव की ओर से मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच की मांग किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय झा ने कहा कि नेपाल में दिवंगत हुए प्रिंस यादव के परिवार के प्रति उनकी गहरी संवेदना है। उन्होंने साफ कहा कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले चुकी है। उसकी जांच कराई जा रही है। सच्चाई सामने आने के बाद एक्शन भी लिया जाएगा। बिहार सरकार के सहयोग शिवर पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए संजय झा ने कहा कि ये आम लोगों की समस्याओं के समाधान की दिशा में एक बेहतरीन पहला है। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से लोगों की ओर से मिलने वाली शिकायतों का निपटारा किया जाएगा। इससे आम जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने पूर्व सीएम नीतीश कुमार के पुराने जनता दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम का जिक्र किया। संजय झा ने साफ कहा कि नीतीश कुमार हमेशा लोगों की समस्या को सीधे सुनते रहे हैं। उनके समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। संजय झा ने पीएम मोदी को स्लोवाकिया में पीएम मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने पर संजय झा ने कहा कि ये पूरे देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है और दुनिया में भारतीय पासपोर्ट की साख मजबूत हुई है।

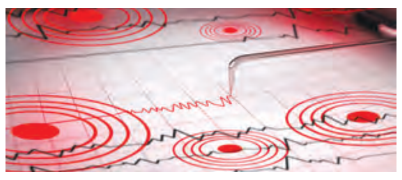

इंडोनेशिया में 6.7 तीव्रता के भूकंप से कांपी धरती, दहशत में घरों से निकलकर भागे लोग

जकार्ता, 16 जून (एजेंसियां)। मंगलवार को इंडोनेशिया के कुछ हिस्सों में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद कई तेज झटके महसूस किए गए। पहले झटके से एक मिनट से अधिक समय तक तेज कंपन हुआ। नुकसान या हताहतों के बारे में तत्काल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। भूकंप आने के साथ ही लोग घरों से निकलकर बाहर भागने लगे। जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र मध्य सुलावेसी प्रांत की राजधानी पालू से 46 किलोमीटर (29 मील) पूर्व-दक्षिण-पूर्व में था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर (6 मील) थी। इंडोनेशिया कई भूकंपीय फॉल्ट से घिरा हुआ है, और यहां भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधि आम बात है।

उद्धव ठाकरे ने 22 जून को बैठक बुलाई

पार्टी में असंतोष की अटकलों पर किस नेता ने क्या कहा?

मुंबई, 16 जून (एजेंसियां)। पार्टी में असंतोष की अटकलों के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सांसदों के बाद अब अपने विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। यह बैठक 22 जून को शाम चार बजे मुंबई में होगी। मंत्रालय के सामने स्थित पार्टी कार्यालय 'शिवालय' में सभी विधायकों को जुटने के लिए कहा गया है। मुख्य सचेतक सुनील प्रभु और एमएलसी अनिल परब ने पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है। पत्र के अनुसार, विधानसभा और विधान परिषद के सभी सदस्यों को इस बैठक में शामिल होना जरूरी है।

उद्धव ठाकरे खुद इस बैठक में मौजूद रहेंगे और विधायकों का मार्गदर्शन करेंगे। सभी नेताओं से समय पर पहुंचने का अनुरोध किया गया है। इससे पहले, रविवार को उद्धव ठाकरे ने सांसदों की बैठक बुलाई थी। नौ लोकसभा सदस्यों में से अरविंद सावंत, अनिल देसाई,

राजभाऊ वाजे और संजय पाटिल व्यक्तिगत रूप से बैठक में शामिल हुए थे। संजय राउत ने बताया था कि ओमप्रकाश राजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे, नागेश बापुराव पाटिल अष्टिकर और संजय देशमुख ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया, जबकि संजय जाधव ने फोन पर ठाकरे से बात की। बता दें कि शिवसेना यूबीटी के वर्तमान में नौ सांसद हैं और 19 विधायक हैं। मामले को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी बयानबाजी तेज हो गई है और कई नेताओं ने इस पर अपनी टिप्पणी की है। घटना के बाद महाराष्ट्र के मंत्री आशीष जायसवाल, शिवसेना नेता संजय निरुपम, शिवसेना नेता कृपाल तुमाने और शिवसेना (यूटीबी) के सांसद संजय राउत ने इस पूरे मामले पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। 'ऑपरेशन टाइगर' पर शिवसेना नेता संजय निरुपम ने कहा कि उद्धव ठाकरे की पार्टी धीरे-धीरे खत्म हो रही है।

उनके विधायकों और सांसदों का अब उनके नेतृत्व पर भरोसा नहीं रहा। 2029 तक यह पार्टी पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। लोग हर दिन साथ छोड़ रहे हैं। सांसदों का जाना उनका आंतरिक मामला है, लेकिन यह तय है कि यह पार्टी अब नहीं बचेगी। शिवसेना एमएलसी कृपाल तुमाने ने बड़ा दावा किया कि 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत 7 सांसद और 16 विधायक उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि बातचीत आखिरी दौर में है। उन्होंने इसकी तुलना अस्पताल के ऑपरेशन से की और कहा कि जांच हो चुकी है, बस तारीख तय होना बाकी है। यह सब मानसून सत्र से पहले होगा। हमारे लिए सारी जानकारी बताना सही नहीं है। लेकिन यह लगभग तय है कि वे हमारे साथ जुड़ेंगे। ये बातचीत एक महीने से चल रही है, लेकिन आज यह आखिरी चरण में है।

महाराष्ट्र के मंत्री आशीष जायसवाल ने कहा कि यूबीटी के अंदरूनी मामलों पर बोलना ठीक नहीं है। अगर उन नेताओं को लगता है कि बालासाहेब की विरासत एकनाथ शिंदे के पास है और वे अपने भविष्य के लिए कोई फैसला लेते हैं, तो उसके बाद ही इस पर बात करना सही होगा। दलबदल विरोधी कानून के इतिहास और नियमों को ध्यान में रखते हुए वे क्या करते हैं और उनकी संख्या कितनी है, यह उनका फैसला है।

बीजापुर जनपद पंचायतों में नियमों का उल्लंघन, सीईओ के बजाय डिप्टी कलेक्टरों को प्रभार

बीजापुर, 16 जून (एजेंसियां)। राज्य शासन के प्रमुख सचिव के निर्देशों के बावजूद जिले की तीनों प्रमुख जनपद पंचायतों में विभागीय व्यवस्था सवालों के घेरे में है। निर्देशों में अनुसूचित क्षेत्रों में जनपद पंचायतों के सीईओ का प्रभार विभागीय अधिकारियों को ही देने को कहा गया था। लेकिन अब भी डिप्टी कलेक्टर और डीडी पंचायत जैसे अन्य विभागों के अधिकारी इन पदों पर काबिज हैं। भैरमगढ़ जनपद पंचायत में डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तंबोली को प्रभार सौंपा गया है। भोपालपटनम जनपद पंचायत में डिप्टी कलेक्टर आदित्य कुंजाम को जिम्मेदारी दी गई है। बीजापुर जनपद पंचायत में डीडी पंचायत हिमांशु साहू को यह पदभार मिला है। प्रमुख सचिव ने अपने आदेश में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास के पद को प्रथम श्रेणी का बताया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि अनुसूचित क्षेत्रों की 85 जनपद पंचायतों में सीईओ पद विभागीय रूप से स्वीकृत हैं। इन अधिकारियों का चयन छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से होता है।

सीक्रेट शादी, जहर पीने का समझौता और फिर हत्या

बेंगलुरु में 22 साल की भवानी की दर्दनाक मौत, प्रेमी ने रचा सुसाइड का ढोंग

बेंगलुरु, 16 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु में हुई 22 साल की भवानी की संदिग्ध मौत के मामले में उसके प्रेमी चंद्रशेखर को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों ने एक साल पहले गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी और 13 जून को ये राज भवानी की इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए खुल गया। बेंगलुरु के ब्यादाराहल्ली पुलिस स्टेशन इलाके के तुलसी नगर में 22 साल की भवानी एस। की लाश उसके कमरे से मिली थी। बीएससी की पढ़ाई पूरी कर चुकी भवानी, टिगलारापाल्या में एक मोबाइल फोन शोरूम में काम करती थी और तुलसी नगर में ऑर्किड्स स्कूल के पास किराए के घर में रहती थी।

पुलिस और परिवार के सदस्यों के अनुसार, भवानी पिछले कई सालों से चंदन उर्फ चंद्रशेखर के साथ रिलेशनशिप में थी। शुरुआती जांच से पता चलता है कि दोनों ने लगभग एक साल पहले अपने परिवारों को बताए बिना गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी। बताया जाता है कि चंद्रशेखर पहले से शादीशुदा था और उसकी पहली शादी से एक 6 साल का बच्चा भी है। यह घटना 13 जून

की सुबह सामने आई, जब भवानी के रिश्तेदारों ने उसकी इंस्टाग्राम स्टोरी पर चंद्रशेखर के साथ उसकी एक तस्वीर देखी। बताया जाता है कि चंद्रशेखर ने उनकी शादी की पहली सालगिरह के मौके पर यह तस्वीर पोस्ट की थी, जिससे परिवार के सदस्यों को चिंता हुई। भवानी की मौसी शारदा ने इसका स्क्रीनशॉट लिया और भवानी की मां के साथ शेयर किया। भवानी के पिता श्रीनिवास ने तुरंत उससे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसने बार-बार किए गए कॉल का कोई जवाब नहीं दिया। कुछ गड़बड़ होने की आशंका में, उन्होंने मकान मालिक को सूचित किया और उनसे भवानी का हाल-चाल देखने का अनुरोध किया। जब मकान मालिक और पड़ोसी घर पहुंचे, तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। किसी तरह दरवाजा तोड़कर वे लोग घर के अंदर दाखिल हुए जहां भवानी कमरे में मृत पड़ी थी, जबकि चंद्रशेखर जहर खाने के बाद बेहोशी की हालत में मिला। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

श्रीनिवास की शिकायत के अनुसार, परिवार ने हाल ही में भवानी की शादी की तैयारी शुरू कर दी थी और अगले हफ्ते उसकी सगाई की योजना थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि भवानी ने चंद्रशेखर को प्रस्तावित शादी के बारे में बताया था, जिसके कारण दोनों के बीच झगड़ा हुआ। पूछताछ और शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस को शक है कि चंद्रशेखर ने पहले भवानी को उसके साथ आत्महत्या करने के लिए राजी किया था। दोनों ने कथित तौर पर जहर खाया था। हालांकि, जब भवानी ने उल्टी की और बच गई, तो शक है कि चंद्रशेखर ने खुद जहर खाने से पहले उसका गला घोंटकर हत्या कर दी।

क्यों चर्चा में आई 'जिगाना' पिस्टल और क्या है कीमत? सिद्धू मूसेवाला, अतीक अहमद और चंडीगढ़ कैशियर हत्याकांड से कनेक्शन

चंडीगढ़, 16 जून (एजेंसियां)। सेक्टर-11 में श्री कुमार मेडिकल स्टोर के कैशियर जानकी दास की दिनदहाड़े हुई हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले तीनों शूटरों की पहचान कर ली है, जो जम्मू के राजौरी क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही तीनों आरोपी अपने घरों से फरार हो चुके हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि एक शूटर की गर्लफ्रेंड चंडीगढ़ में ही रहती है। पुलिस के लिए सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि चंडीगढ़ में किसी जघन्य अपराध के पीछे पहली बार कोई 'जम्मू कनेक्शन' सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, इस सनसनीखेज हत्याकांड में 'जिगाना पिस्टल' का इस्तेमाल किए जाने की आशंका है। यह वही घातक हथियार है, जिससे पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की गई थी। वहीं, उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और महाराष्ट्र के एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्याओं भी इसी जिगाना पिस्टल का इस्तेमाल किया गया था।

दादा और पिता के बाद अब बेटी पहनेगी वर्दी

शनन ढाका बनीं इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट

गुरुग्राम, 16 जून (एजेंसियां)। हरियाणा की बेटी शनन ढाका ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट का पद हासिल कर लिया है। देहरादून के इंडियन मिलिट्री अकादमी में हुई आईएमए पासिंग आउट परेड के दौरान उन्हें सेना में कमीशन मिला। शनन की यह कामयाबी इसलिए बहुत खास है क्योंकि वह उन पहली महिला कैडेट्स में शामिल हैं जिन्होंने एनडीए से लेकर आईएमए तक का पूरा सैन्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। आइए जानते हैं देश की लाखों बेटियों के लिए प्रेरणा बनने वाली लेफ्टिनेंट शनन ढाका के इस शानदार सफर की कहानी। रोहतक जिले के सुंदराना गांव की रहने वाली शनन ढाका का परिवार पीढ़ियों से देश की सेवा में लगा हुआ है। उनके दादा चंदरभान ढाका सूबेदार रहे हैं और उनके पिता विजय कुमार ढाका भी नायब सूबेदार के पद से देश की सेवा कर चुके हैं। फौजी माहौल में पली-बढ़ीं शनन का बचपन रुड़की, दिल्ली और चंडीगढ़ जैसी सैन्य छावनियों में बीता। शनन न सिर्फ खेल और ट्रेनिंग बल्कि पढ़ाई में भी हमेशा आगे रहीं।

उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा आर्मी पब्लिक स्कूल से पूरी की, जहां उन्होंने 10वीं में 97.4% और 12वीं में 98.2% अंक हासिल किए। इसके बाद उन्होंने दिल्ली के नामी लेडी श्रीराम कॉलेज में एडमिशन लिया। साल 2021 में जब सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को एनडीए परीक्षा में बैठने की इजाजत दी, तो शनन ने इस सुनहरे मौके को हाथ से नहीं जाने दिया। उन्होंने नवंबर 2021 की एनडीए परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 10 हासिल की और महिलाओं की श्रेणी में पूरे देश में पहला स्थान पाकर इतिहास रच दिया।

ट्रंप ने शिया देश से सुलह की

इजराइल में फंस गए नेतन्याहू, बोले- ईरान को कभी भी परमाणु बम नहीं बनाने देंगे

यरुशलम, 16 जून (एजेंसियां)। इजराइल में अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर बढ़ती नाराजगी के बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने कदमों का बचाव करते हुए कहा कि 'ईरान को समझौते के साथ या उसके बिना भी परमाणु हथियार नहीं मिलेंगे।' नेतन्याहू ने सोमवार शाम आयोजित एक संक्षिप्त संवाददाता सम्मेलन में हिब्रू भाषा में कहा, 'ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे, न आज और न कल।' उन्होंने कहा, 'लोग मुझसे पूछते हैं कि हमने क्या हासिल किया है? मेरा जवाब है कि हमने अपने ऊपर मंडरा रहे विनाश के तत्काल खतरे को टाल दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने इजराइल राष्ट्र को पूर्ण विनाश के खतरे से बचाया है।'

प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्हें विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगियों की भी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार नफ्ताली बेनेट ने इससे पहले संवाददाताओं से कहा कि नेतन्याहू सरकार का कार्यकाल 'गृहयुद्ध जैसी स्थिति' से शुरू हुआ, सात अक्टूबर के नरसंहार की घटनाओं के बीच आगे बढ़ा और अब ईरान के मुद्दे पर 'ऐतिहासिक विफलता' के साथ समाप्त हो रहा है।

बेनेट ने इजराइल की सुरक्षा बहाल करने का वादा करते हुए कहा कि यदि वह सत्ता में होते तो वे कूटनीतिक स्तर सहित हर मामले में अलग तरीके से काम करते। उन्होंने कहा कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल केवल इजराइल के राष्ट्रीय हितों के लिए करते। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन गवीर ने भी कहा कि प्रस्तावित समझौता इजराइल के लिए बाध्यकारी नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ मतभेद की अटकलों पर नेतन्याहू ने कहा, 'ऐसे मौके आते हैं जब राष्ट्रपति ट्रंप और मेरे विचार पूरी तरह एक जैसे नहीं होते। इजराइल के सुरक्षा हितों की समझदारी से रक्षा की जानी चाहिए।'

पाकिस्तान ने रक्षा बजट में की 18% की बढ़ोतरी , भारत से कितना गुना है कम?

इस्लामाबाद, 16 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपना रक्षा बजट बढ़ाकर 3 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए कर दिया है। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 17 से 18 प्रतिशत ज्यादा है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने संसद में बजट पेश करते हुए कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों और भारत के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए रक्षा खर्च बढ़ाना जरूरी है। हालांकि बजट में बड़ी बढ़ोतरी के बावजूद पाकिस्तान का रक्षा बजट भारत की तुलना में अभी भी करीब 8 गुना छोटा है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान ने रक्षा सेवाओं के लिए 3 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए आवंटित किए हैं। इसके अलावा प्रशासनिक खर्च के लिए अलग से 10.9 अरब रुपए रखे गए हैं। यह बजट पिछले साल के 2.55 ट्रिलियन रुपए से काफी ज्यादा है।यह पाकिस्तान के कुल फेडरल बजट का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा है। इस बजट को देश की जीडीपी का करीब 2.08 प्रतिशत माना जा रहा है। पाकिस्तानी सरकार का कहना है कि सेना को मजबूत बनाना मौजूदा सुरक्षा हालात में जरूरी है। जबकि आर्थिक संकट और आईएमएफ के दबाव के बीच इतना बड़ा रक्षा खर्च विकास योजनाओं पर असर डाल सकता है। जिससे देश को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। पाकिस्तान पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है। भारत ने 2026-27 के लिए रक्षा मंत्रालय को करीब 7.85 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। डॉलर में देखें तो यह लगभग 85 से 86 अरब डॉलर बैठता है। यानी भारत का रक्षा बजट पाकिस्तान से करीब 8 गुना बड़ा है। भारत ने खास तौर पर आधुनिक हथियारों की खरीद, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम, नौसेना विस्तार और चीन एवं पाकिस्तान दोनों मोर्चों की तैयारी पर ज्यादा फोकस किया है। भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था उसे रक्षा क्षेत्र में ज्यादा लचीलापन देती है।

पाकिस्तान की शान में कसीदे गढ़ रहीं जॉर्जिया मेलोनी, क्यों कहा थैंक्यू, बयान हो गया वायरल

इटली, 16 जून (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान डील में पाकिस्तान और कतर ने मध्यस्थता की है। इस्लामाबाद शुरू से ही इसमें बिचौलिए की भूमिका निभाता आया है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इस पीस डील को लेकर पाकिस्तान को शुक्रिया कहा है। उन्होंने कहा कि वह सभी मध्यस्थों का शुक्रिया अदा करती हैं। बता दें कि मेलोनी के अलावा फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के नेताओं ने भी पाकिस्तान और कतर को धन्यवाद दिया है। जॉर्जिया मेलोनी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हमने फ्रांस, जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम के साथ मिलकर हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत किया है। उन्होंने आगे कहा कि हम उन सभी मध्यस्थों का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं, खासकर कतर और पाकिस्तान का, जिनके चलते ये समझौता मुमकिन हो पाया है। मेलोनी ने आगे कहा कि ये शांति का एक ऐसा मौका है, जिसे हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। इटली हमेशा की तरह व्यापक समझौते की दिशा में कूटनीतिक प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ये बिल्कुल साफ हैं कि ईरान परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता और समुद्री परिवहन की आजादी की गारंटी होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हम दूसरे सहयोगियों संग मिलकर और जरूरी संसदीय मंजूरी मिलने पर होर्मुज को पूरी तरह से फिर से खोलने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नौसैनिक मौजूदगी में योगदान देने को तैयार हैं।

इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा कि लेबनान में भी लड़ाई-झगड़ा रुकना जरूरी है, जहां इटली लेबनान की संप्रभुता का समर्थन करने के लिए काम करता रहेगा। यूरोपीय नेताओं ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि हम अमेरिका और ईरान के बीच एमओयू की घोषणा का दिल से स्वागत करते हैं और हम इस डिप्लोमेटिक कामयाबी पर अमेरिकी ईरानी सरकार और इसमें शामिल सभी लोगों को बधाई देते हैं,

शातिर पत्नी : 2 करोड़ के बीमा के लिए पति को मार डाला

एफएसएल रिपोर्ट में भी करवाया हेरफेर

बेलगाम, 16 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगाम 2 करोड़ रुपये के बीमा के पैसे हड़पने के लिए एक पत्नी ने अपने ही पति की जान ले ली। इस खौफनाक साजिश में सिर्फ पत्नी और उसका प्रेमी ही नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र के वो रक्षक भी शामिल थे, जिन पर निष्पक्ष जांच की जिम्मेदारी थी। अधिकारियों ने खुद फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट में हेरफेर करके इस मर्डर मिस्ट्री को दबाने की पूरी कोशिश की थी। यह पूरी कहानी हुक्केरी तालुक के घोडागेरी गांव की है। 35 वर्षीय सुमा की शादी 20 साल पहले संदीप मंजरगी से हुई थी। संदीप ने भारतीय सेना में 17 साल तक देश की सेवा की और तीन साल पहले ही वे रिटायर होकर घर लौटे थे।

इसी बीच संदीप की मुलाकात अंडा-चावल की दुकान चलाने वाले पुंडलिक डोंगर से हुई। धीरे-धीरे पुंडलिक का संदीप के घर आना-जाना शुरू हुआ और इसी दौरान सुमा और पुंडलिक के बीच अवैध संबंध बन गए। दोनों इस रिश्ते में रोड़ा बन रहे संदीप को रास्ते से हटाना चाहते थे। जब उन्हें पता चला कि संदीप की मौत पर 2 करोड़ रुपये का बीमा मिलेगा, तो उन्होंने हत्या की साजिश रच डाली। 13 मार्च को संदीप का एक छोटा सा

रोड एक्सीडेंट हुआ। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, सुमा ने बेहतर इलाज के बहाने उन्हें एक निजी अस्पताल के स्पेशल वार्ड में शिफ्ट करवा दिया। यहां पुंडलिक के एक रिश्तेदार राहुल जोगी की मदद से संदीप को ठिकाने लगाने का प्लान बना। 14 मार्च को सलाइन की बोतल में खटमल मारने की दवा और चूहे का जहर मिलाया गया, लेकिन संदीप बच गए।

अगले दिन, आरोपियों ने बाहर से सलाइन की बोतल मंगवाई और उसमें भारी मात्रा में कीटनाशक मिलाकर संदीप को दे दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। आरोपियों ने पुलिस और रिश्तेदारों से झूठ बोला कि संदीप की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। केस बंद होने के बाद, 2 करोड़ रुपये के बीमा के पैसों के बंटवारे को लेकर सुमा और पुंडलिक में विवाद हो गया।

इसी बीच, आरोपियों के आपसी झगड़े और हत्या से जुड़े एक सोशल मीडिया स्टेटस ने पुलिस का ध्यान खींच लिया। संदेह होने पर पुलिस ने जब दोबारा सख्ती से पूछताछ की, तो परतें खुलती चली गईं। इसके बाद पुलिस ने एफएसएल की मूल रिपोर्ट को री-वेरीफाई कराने के लिए बेंगलुरु की लैब में भेजा, जहां जहर दिए जाने की पुष्टि हुई। इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी पत्नी सुमा, प्रेमी पुंडलिक और एफएसएल के वैज्ञानिक अधिकारी नागराज सहित कुल 80 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बड़े नेटवर्क के खुलासे के बाद पुलिस आगे की तफ्तीश में जुटी है।

'डॉक्टरों को तलब करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूरी', मेडिकल नेग्लिजेंस मामले में हाई कोर्ट की टिप्पणी

चंडीगढ़, 16 जून (एजेंसियां)। चिकित्सकीय लापरवाही (मेडिकल नेग्लिजेंस) के मामलों में डॉक्टरों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई को लेकर हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि स्वतंत्र और सक्षम चिकित्सा विशेषज्ञ की राय के बिना किसी डॉक्टर को आपराधिक मुकदमे में तलब करना कानून की दृष्टि में टिकाऊ नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल मरीज की मृत्यु हो जाने या उपचार असफल रहने भर से डॉक्टर के खिलाफ आपराधिक लापरवाही का मामला नहीं बनता है। न्यायमूर्ति मनीषा बत्रा की पीठ ने निचली अदालत द्वारा जारी समन आदेश को रद करते कहा कि मजिस्ट्रेट ने चिकित्सा साक्ष्यों का सही मूल्यांकन नहीं किया और विशेषज्ञ चिकित्सकीय राय का इंतजार किए बिना डाक्टरों को मुकदमे का सामना करने के लिए बुला लिया।

अदालत ने इसे गंभीर त्रुटि माना। मामला तरनतारन में एक महिला की प्रसव के बाद हुई मृत्यु से जुड़ा था। पति का आरोप था कि पत्नी को प्रसव पीड़ा होने पर एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। शुरू में सामान्य प्रसव का आश्वासन दिया गया, बाद में ऑपरेशन में महिला ने जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया। आरोप था कि इसके बाद महिला की हालत बिगड़ गई, अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और उसे दूसरे अस्पताल रेफर करना पड़ा, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

'राहुल गांधी एक बड़ा मजाक'

डीएमके का कांग्रेस पर तीखा हमला; गठबंधन तोड़ने का लगाया आरोप

चेन्नई, 16 जून (एजेंसियां)। देशभर में जारी सियासी गर्माहट के बीच विपक्षी गठबंधन (इंडी गठबंधन) के भीतर दरारें अब खुलकर सामने आ गई हैं। तमिलनाडु में सत्ता से बाहर हुई द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने अपने पूर्व सहयोगी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है। डीएमके ने राहुल गांधी को एक बड़ा मजाक बताते हुए आरोप लगाया है कि उन्होंने ही विपक्षी एकता को कमजोर किया है। डीएमके ने यह दोतरफा हमला अपनी आईटी विंग और अपने आधिकारिक अखबार 'मुरासोली' के जरिए किया है। डीएमके की आईटी विंग ने सोशल मीडिया पर बेहद कड़े शब्दों में लिखा कि जब कांग्रेस अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए लड़ रही थी, तब हमने उन्हें अपने कंधों पर उठाया।

लेकिन जैसे ही उन्हें एक नया और चमकदार खिलौना (नया साथी) दिखा, उन्होंने तुरंत पाला बदल लिया। राहुल गांधी एक बहुत बड़ा मजाक हैं। इसके अलावा सोमवार को डीएमके के मुखपत्र 'मुरासोली' में छपे एक संपादकीय में राहुल गांधी की राजनीतिक समझ पर गंभीर सवाल उठाए गए। अखबार ने लिखा कि राहुल गांधी दूसरों को तो विपक्षी एकता का पाठ पढ़ाते हैं, लेकिन अलग-अलग राज्यों में इस

एकता को कमजोर करने वाले वह खुद हैं। संपादकीय में केरल का उदाहरण देते हुए कहा गया कि चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को गिरफ्तार करने की मांग की थी। इस वजह से वामपंथी नेता आज भी उनसे नाराज हैं और पूछ रहे हैं कि कांग्रेस का मुकाबला बीजेपी से है या अपने ही सहयोगियों से? गौरतलब है कि इस पूरी लड़ाई की जड़ में हाल ही में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद समीकरणों का बदलना है। कारण है कि कांग्रेस ने चुनाव तो डीएमके के गठबंधन में रहकर लड़ा और 5 सीटें जीतीं। लेकिन चुनाव के बाद कांग्रेस ने डीएमके का साथ छोड़ दिया और अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी 'टीकेवी' की सरकार में शामिल हो गई। ऐसे में डीएमके ने इसे एक बड़ा धोखा करार दिया। साथ ही इस धोखे से नाराज पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस द्वारा बुलाई गई 'इंडिया' गठबंधन की बैठक का बहिष्कार कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 17 जून - 2026

ऊर्जा बाजार को मिलेगी राहत

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव ने पिछले कुछ वर्षों में न केवल पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित किया, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को भी झकझोर डाला है। ऐसे में दोनों देशों के बीच संघर्ष समाप्त करने तथा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलमार्ग को फिर से सुचारु रूप से खोलने की दिशा में बनी सहमति राहत की बड़ी उम्मीद लेकर आई है। प्रस्ताव है कि 19 जून को स्विट्जरलैंड में एक द्विपक्षीय शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएं। यदि यह समझौता लागू होता है तो वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लौट सकती है और तेल की कीमतों पर दबाव कम हो सकता है। हालांकि इस समझौते को अंतिम सफलता मान लेना अभी जल्दबाजी होगी। पश्चिम एशिया में हाल के संघर्षों ने दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई को और गहरा किया है। इसलिए जब तक समझौते की शर्तें और उसका आधिकारिक स्वरूप सार्वजनिक नहीं हो जाता, तब तक इसके प्रभावों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता। फिर भी बातचीत और सहमति की दिशा में बढ़ा यह कदम सकारात्मक माना जा सकता है। बता दें कि इस वर्ष 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त रूप से ईरान पर हमला किया था, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। अप्रैल में अमेरिका की ओर से सात दिन के युद्धविराम की घोषणा की गई, जिसे बाद में अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच छिटपुट हमले जारी रहे, लेकिन सबसे बड़ा असर होर्मुज जलमार्ग पर पड़ा। इस मार्ग में बाधा आने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ गई। होर्मुज जलमार्ग का महत्व इसलिए भी अत्यधिक है क्योंकि वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों के लिए यह मुख्य निर्यात मार्ग है। भारत भी अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इन देशों पर काफी हद तक निर्भर है। ऐसे में यदि यह मार्ग पूरी तरह सामान्य हो जाता है तो कच्चे तेल के आयातक देशों को बड़ी राहत मिलेगी। परिवहन लागत कम होगी, तेल की उपलब्धता बेहतर होगी और महंगाई पर भी नियंत्रण में मदद मिलेगी। इस सकारात्मक संकेत का असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। तेल की कीमतों में नरमी आई है, जबकि भारतीय शेयर बाजार में उत्साह और रुपये की मजबूती देखने को मिली है। विशेषज्ञों का मानना है कि समझौता सफल होने पर भारत की अर्थव्यवस्था को विशेष लाभ होगा। ऊर्जा लागत घटने से उद्योगों को राहत मिलेगी, विनिर्माण गतिविधियां तेज होंगी, निर्यात को गति मिलेगी और आर्थिक विकास को मजबूती प्राप्त होगी। फिर भी स्थायी शांति का रास्ता आसान नहीं है। ईरान द्वारा होर्मुज जलमार्ग को अवरुद्ध करने की पूर्व चेतावनियां और क्षेत्र की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए सावधानी आवश्यक है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह संकेत दिया है कि समझौते के साथ जलमार्ग से जुड़े अवरोध भी हटाए जाएंगे। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों देश परिपक्वता और दूरदृष्टि का परिचय देते हुए इस पहल को अंतिम मंजिल तक पहुंचाएंगे या नहीं। यदि पहुंचा देते हैं तो पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि का नया अध्याय शुरू हो सकता है, जिसका लाभ भारत सहित पूरी दुनिया को मिलेगा।

सबकी नजर स्वीटजरलैंड के जिनेवा समझौते पर

अशोक भाटिया

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने और तनाव कम करने के लिए हुए प्रारंभिक समझौते पर शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के जिनेवा में औपचारिक हस्ताक्षर होने वाले हैं। इस समझौते का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और दोनों देशों के बीच शत्रुता को समाप्त करना है। इसके साथ ही 100 दिनों से अधिक समय तक चले युद्ध का अंत हो जाएगा । ईरान की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, परमाणु शांति समझौते के उद्देश्य से तेहरान और वाशिंगटन के बीच हुए इस समझौते का दोनों पक्षों ने स्वागत किया है। सकारात्मक घटनाक्रम के बावजूद, बेरूत में ईरान समर्थित हिज़्बुल्लाह के साथ इज़राइल की चल रही सैन्य शत्रुता के कारण अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे समझौते के खतरे में पड़ने की आशंका है। रविवार (14 जून, 2026) को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इज़राइल से आग्रह किया कि वह समझौते को न बिगाड़े, जब इज़राइल की सेना ने हिज़्बुल्लाह पर हमले किए। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जवाब देते हुए कहा, इज़राइल अपनी धरती पर गोलीबारी बर्दाश्त नहीं करेगा । इस घोषणा के बाद, युद्ध और तेल आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता कम होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट आई और यह 83 डालर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई विश्व नेताओं ने समझौते का स्वागत किया। मोदी ने कहा कि इस समझ के क्रियान्वयन से क्षेत्र में शांति, स्थिरता और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। ब्रेंट वायदा बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 83.33 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हो गईं, जो पिछले सप्ताह तक 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास थीं, और होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी, जिसके कारण वृद्धि हुई, तुरंत हटा ली जाएगी। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ने वाला संकरा जलमार्ग वैश्विक तेल का एक प्रमुख स्रोत है क्योंकि यह दुनिया के कच्चे तेल के प्रवाह का लगभग 20 प्रतिशत है। अमेरिका ने गारंटी दी है कि कोई नौसैनिक नाकाबंदी नहीं होगी। इसलिए ट्रंप की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही यह घोषणा की गई कि ईरान ने भी समझौते के मसौदे पर सहमति जताई है। इसलिए पिछले कई दिनों से दोनों देश 'वे एक बात कहते हैं और वे उसे अस्वीकार करते हैं' के चक्र से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। अनिश्चितता से कुछ निश्चित का स्वागत है। ये भी स्वाभाविक है कि ईंधन की कमी से चल रहे देशों ने राहत की सांस ली है।इजरायल की जिद ने दुनिया को एक नई स्थिति में डाल दिया जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने फरवरी में ईरान पर बड़े पैमाने पर हमला किया, ईरान के धार्मिक नेता अयातुल्ला खामेनेई को खत्म कर दिया और सैन्य नेतृत्व के शीर्ष अधिकारियों को काट दिया।वह विनाशकारी भी साबित हुआ। मध्य पूर्व में अमेरिका के सहयोगी अरब देश संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में इस प्रतिरोध से अधिक प्रभावित थे। यह आज भी बैठा है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कुवैत के तेल समृद्ध देश संयुक्त राज्य अमेरिका की अन्य पहचान थे, और ईरान ने उन्हें इस बात से अवगत कराया कि यहां से उनसे निपटना कितना मुश्किल होगा, जिनमें से प्रत्येक ईरान की विनाशकारी मिसाइलों की सीमा के भीतर आता है, और वर्तमान अमेरिकी नेतृत्व में ईरान के निर्णय लेने पर उन्हें रोकने की क्षमता या इच्छाशक्ति का अभाव है। इस मामले में भी यही सच है। इनमें से किसी भी देश के पास होर्मुज जैसे जलमार्गों की नाकाबंदी हटाने की शक्ति नहीं है। इसलिए, इन अरबों के लिए ईरान के साथ तनावपूर्ण संबंधों को शांत करना सबसे महत्वपूर्ण था। अरबों को पता है कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान की बागडोर संभालने का फैसला करता है, तो उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान होगा। इसलिए कभी 'ईरान को न्याय के कटघरे में लाने' पर अड़े रहने वाले सऊदी शासक मोहम्मद बिन सलमान ने भी इजरायल के नरसंहार करने वाले प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू की तरह अब अपनी भाषा बदल ली है। ऐसे में सभी अरब शेख ट्रंप की अब्राहम समझौते की नई 'तुरही' से सावधान हैं। उन्हें लगता है कि अगर बिना किसी बातचीत के शांति कायम हो जाती है तो यह बहुत अच्छा है। न तो शांति समझौते और न ही इसके मसौदा समझौते में दो प्रमुख समस्याएं शामिल हैंः ईरान का परमाणु विकास कार्यक्रम और जमी हुई ईरानी संपत्ति की रिहाई। नए 60-दिवसीय युद्धविराम में इन दो मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। पिछले युद्धविराम की घोषणा अप्रैल और मई की शुरुआत में की गई थी। जैसा कि ट्रम्प अपने 80 वें जन्मदिन के भव्य अवसर पर सौदे की घोषणा करने की तैयारी कर रहे थे, उनकी सजी हुई प्लेट लेबनान पर इजरायल के हमलों से बिखर गई थी। इसलिए नाराज ट्रम्प ने अपने सहयोगी, नरसंहार नेतन्याहू को एक लाख गालियां दीं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि वह चुप रहेंगे। इज़राइल अभी भी ईरान-अमेरिका समझौते के लिए प्रतिबद्ध नहीं है। ऐसी भूमिका ली गई है। कम से कम दो पिछले मौकों पर जब शांति वार्ता अंतिम चरण में थी, नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई के बहाने लेबनान पर आग लगा दी है। इसलिए, ईरान ने तुरंत बातचीत रोक दी। इज़राइल ईरान के केंद्र में होने के साथ पश्चिम एशिया में स्थायी शांति को स्वीकार नहीं करता है और न ही करेगा। इस बात की संभावना नहीं है कि नेतन्याहू अगले 60 दिनों में चुप रहेंगे। ट्रम्प हाल ही में नेतन्याहू के साथ अक्सर सार्वजनिक रूप से निराश रहे हैं; लेकिन नेतन्याहू को घेरने की उनकी क्षमता की कमी इस प्रक्रिया में अगला संभावित खतरा है। नेतन्याहू का राजनीतिक अस्तित्व दांव पर है, भले ही अगली राजनीतिक लड़ाई ट्रम्प के लिए महत्वपूर्ण हो, लेकिन उनके सिंहासन को तुरंत खतरा नहीं है। यह झूलता रहा। यदि यह लड़ाई अब कम हो रही है, तो यह नरसंहार नेतन्याहू के लिए एक अस्तित्वगत मुद्दा बन जाता है। इसलिए, स्थायी शांति या संभावित विनाश की दिशा इस बात पर आधारित होगी कि जानलेवा और भयावह नरसंहार करने वाले आगे क्या करते हैं, न कि पागल ईरानी नेतृत्व और इससे भी अधिक भोले अमेरिकी नेतृत्व पर। भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसने युद्ध या शांति प्रक्रिया में भाग लिए बिना इस अवधि में महत्वपूर्ण हताहतों का सामना किया है। ईरान के साथ हमारी कोई घनिष्ठ मित्रता नहीं है, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कोई दुश्मनी नहीं है, और खाड़ी देशों के साथ कोई दुश्मनी नहीं है, जिन्होंने वर्षों से आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध विकसित किए हैं, जिनमें से किसी ने भी भारतीय जीवन की गारंटी नहीं दी है या जीवन के नुकसान के लिए माफी नहीं मांगी है। आपने किस राजनयिक को 'बुलाया' और विरोध किया? चीन या यूरोपीय देशों ने इसे इस तरह व्यक्त किया होगा? ईरान, इज़राइल, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हमारी दोस्ती और नवीनतम युद्ध की तीव्रता के बावजूद, हम विश्व मंच पर क्यों बने रहते हैं, यदि लीच नहीं है?

खेतों से भविष्य तक मरुस्थलीकरण की मार

योगेश कुमार गोयल

मरूस्थलीकरण और सूखे की बढ़ती चुनौतियों के मद्देनजर इससे मुकाबला करने हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 17 जून को 'विश्व मरूस्थलीकरण रोकथाम और सूखा दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1994 में मरूस्थलीकरण रोकथाम का प्रस्ताव रखा था और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से वैश्विक स्तर पर मरूस्थलीकरण का मुकाबला करने के लिए जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 1995 से यह दिवस निरंतर मनाया जा रहा है। इस दिवस के जरिये लोगों को जल तथा खाद्यान्न सुरक्षा के साथ पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति जागरूक करने, सूखे के प्रभाव को प्रत्येक स्तर पर कम करने के लिए कार्य करने और नीति निर्धारकों पर मरूस्थलीकरण संबंधी नीतियों के निर्माण के साथ उससे निपटने के लिए कार्ययोजना बनाने का दबाव बनाने का प्रयास किया जाता है।

इस वर्ष यह दिवस 'चारागाहः पहचानें। सम्मान करें। पुनर्स्थापित करें।' विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष का आयोजन विश्व के विशाल लेकिन अक्सर अनदेखे चारागाहों पर ध्यान केंद्रित करता है, जो पृथ्वी की भूमि सतह के आधे से अधिक भाग को कवर करते हैं और लगभग दो अरब लोगों की आजीविका का आधार हैं। विश्व का 95 प्रतिशत भोजन कृषि भूमि पर उत्पादित होता है, यही भूमि हमारी खाद्य प्रणालियों का आधार है लेकिन चिंता का विषय है कि इसमें से एक तिहाई भूमि वर्तमान में क्षरित हो चुकी है, जो दुनियाभर में 3.2 बिलियन लोगों को प्रभावित करती है, विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों और छोटे किसानों को, जो अपनी आजीविका के लिए भूमि पर निर्भर हैं, जिससे भूख, गरीबी, बेरोजगारी और जबरन पलायन में वृद्धि होती है। जलवायु परिवर्तन इन मुद्दों को और गंभीर बना देता है, जिससे टिकाऊ भूमि प्रबंधन और कृषि के लिए गंभीर चुनौतियां उत्पन्न होती हैं तथा पारिस्थितिकी तंत्र का लचीलापन कमजोर हो जाता है। जलवायु संकट सूखा, बाढ़, जंगलों में आग लगने की घटनाओं के जरिये मरुस्थलीकरण को बढ़ा रहा है। एक ओर जहां जलवायु का गहराता संकट मरुस्थलीकरण की समस्या को बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी ओर मरुस्थलीकरण जलवायु संकट को और गंभीर बना रहा है अर्थात मरुस्थलीकरण और जलवायु संकट एक-दूसरे से परस्पर जुड़े हुए हैं। जलवायु संकट में भू-क्षरण का भी बहुत बड़ा योगदान है। पर्यावरणविदों के मुताबिक मिट्टी में वातावरण में मौजूद कार्बन से तीन गुना ज्यादा कार्बन है और पृथ्वी पर मौजूद कार्बन का सबसे बड़ा भंडार मिट्टी में ही है। कार्बन का उत्सर्जन मिट्टी से निकलकर वातावरण में पहुंचकर वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी कर रहा है और मरुस्थलीकरण के कारण यह समस्या और ज्यादा बढ़ रही है। पृथ्वी का निरन्तर बढ़ता तापमान, सौर ऊर्जा और हवा की प्रकृति में भी बदलाव ला रहा है। सूखा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को तेज कर देता है और भारत की आबादी का एक बहुत बड़ा भाग तो शुष्क इलाकों में ही रहता है।

देश का लगभग 70 प्रतिशत भूभाग (करीब 22.83 करोड़ हेक्टेयर) शुष्क माना गया है और इस शुष्क भूभाग की उत्पादकता काफी कम है। देश का करीब 7.36 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्रफल मरुस्थलीकरण से प्रभावित है और भारत के कई इलाके तो प्रायः सूखे की चपेट में रहते हैं। शुष्क इलाकों का प्राकृतिक तंत्र मनुष्यों द्वारा डाले जाने वाले अनावश्यक दबाव के कारण चरमराने लगता है और इस विघटनकारी प्रक्रिया को नहीं रोके जाने की स्थिति में समूचा तंत्र रेगिस्तान की भेंट चढ़ जाता है। लकड़ी के लिए पेड़ों की अंधाधुंध छंटाई अथवा अत्यधिक चराई के कारण उस तंत्र में प्राकृतिक उपयोगी पौधों की संख्या काफी घट जाती है, जिनका स्थान अनुपयोगी और अखाद्य पेड़-पौधे ले लेते हैं, जिसका दुष्परिणाम यही होता है कि वह प्राकृतिक तंत्र पहले से भी बहुत कम संख्या में मनुष्यों और मवेशियों को पोषित कर पाता है और यही दुष्चक्र मरुस्थलीकरण को गति प्रदान करता है। रेगिस्तानी इलाकों में चूंकि बारिश बहुत ही अनियमित ढ़ंग से होती है, ऐसे में ऐसे इलाकों में उपलब्ध पानी की बेहद सीमित मात्रा से कृषि उत्पादकता पर काफी असर पड़ता है। वैसे तो शुष्क इलाकों में वर्षा कम होती है लेकिन जो वर्षा होती है, वह काफी तेज और तूफानी किस्म की होती है, जिससे प्रायः ऐसे इलाकों में बारिश बाढ़ का रूप लेकर उपजाऊ मिट्टी को ही बहा ले जाती है और वहां बड़े-बड़े गड्ढ़े तथा नाले बन जाते हैं, जो प्रायः खेती के लिए बेकार हो जाते हैं। कई क्षेत्रों में इसी के चलते रेत के बड़े-बड़े टीले बन जाते हैं। एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष बंजर इलाकों में प्रति हेक्टेयर क्षेत्र से पानी के कटाव के कारण 16.35 टन मिट्टी बह जाती है। बार-बार आने वाला सूखा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को तेज कर देता है। मिट्टी का कटाव होने का एक दुष्परिणाम यह भी है कि पानी के साथ बहकर आने वाली मिट्टी जलाशयों में भर जाती है, जिससे उनकी जलधारण क्षमता घट रही है और इस कारण बाढ़ की स्थिति काफी गंभीर हो जाती है। बीते कुछ वर्षों से देश के कई इलाकों में लाखों लोगों को बारिश के कारण बाढ़ का कहर झेलने को विवश होना पड़ रहा है, उसका सबसे बड़ा कारण यही है। यही नहीं, बड़ी-बड़ी पनबिजली परियोजनाओं के सरोवरों में मिट्टी भर जाने से उनसे निर्मित होने वाली बिजली की मात्रा भी घट जाती है।

जहां तक वातावरण में कार्बन कम करने का सवाल है तो तापमान में डेढ़ डिग्री सेल्सियस कमी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वातावरण से कार्बन को तेजी से सोखने की जरूरत है और पर्यावरणविदों के मुताबिक यह प्राकृतिक कार्बन सिंक की क्षमता में वृद्धि करके ही हो सकता है और जंगलों तथा कृषि की समस्या को कम करने वाले सिंक मैकेनिज्म से एक तिहाई से भी ज्यादा जलवायु आपदा कम की जा सकती है। इसका सबसे बेहतर तरीका यही माना जा रहा है कि कार्बन को वनों, चारागाह और मिट्टी में समेट दिया जाए, जो मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए भी बेहद जरूरी है। वनीकरण, वनस्पति कवर में सुधार, जल का दक्षतापूर्ण उपयोग, मिट्टी के कटाव को बेहतर कृषि पद्धति के जरिये कम करना इत्यादि उपायों के जरिये मिट्टी में बायोमास उत्पादन और जैविक कार्बन कंटेंट में सुधार संभव है। पर्यावरणविदों का मानना है कि जंगलों का नुकसान रोककर और दोबारा लगाकर 2050 तक 150 बिलियन टन से भी ज्यादा कार्बन कम किया जा सकता है और इस अवधि में शुष्क क्षेत्रों में कृषि भूमि के अलावा 30-60 बिलियन टन कार्बन का संचय किया जा सकता है।

हर दिन सड़क हादसों में पांच सौ जिंदगी खलास

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में सड़क हादसों के कारण हर साल औसतन 1.80 लाख लोगों की मौत होती है। सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एक साल में देशभर में 4.80 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें हर घंटे औसतन 20 लोगों की जान चली जाती है।

भारत में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में 1,77,175 लोगों की मौत हुई है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में औसतन हर दिन लगभग 485 लोग और हर घंटे 20 से अधिक लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं

भारत में पिछले कुछ वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों का ग्राफ लगातार बढ़ा हैः

देशभर में 4,87,707 सड़क हादसे दर्ज किए गए। इन हादसों में 1,77,175 लोगों ने जान गंवाई, जो 2023 (1,72,890 मौतें) के मुकाबले 2.5% अधिक है। साल 2024 में इन दुर्घटनाओं के कारण 4,71,441 लोग घायल हुए हैं

विश्व में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में विशेष रूप से गरीब और विकासशील देशों के लोगों की संख्या में अविश्वसनीय वृद्धि हुई है और इनमें से भी प्रत्येक 5 में से 1 मौत भारत में होती है।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में हर घंटे होने वाली लगभग 56 सड़क दुर्घटनाओं में 20 लोगों की जान जाती है। इसी कारण 'भारत को सड़क दुर्घटनाओं की राजधानी' भी कहा जाने लगा है। स्थिति की गंभीरता पिछले मात्र दो तीन दिन की अखबारों में प्रकाशित हादसों की खबरों से अन्दाज़ा लगाया जा सकता है :5 जून को 'वैष्णो देवी' से श्रद्धालुओं को लेकर आ रही एक पिक-अप गाड़ी और ट्रक की टक्कर में 2 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।6 जून को 'फिरोजपुर-फाजिल्का' रोड पर गांव 'जंगाला' मोड़ के निकट एक पिकअप गाड़ी तथा 'घोड़ा ट्राले' में टक्कर के परिणामस्वरूप 10 लोगों की मौत तथा अनेक घायल हो गए। 7 जून को 'रोपड़' (पंजाब) जिले में 'भारतगढ़' के निकट एक कार सड़क के किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। 7 जून को ही 'शाहाबाद-पिपली' जी.टी. रोड पर एक बेकाबू ट्राले ने एक मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया जिससे उस पर सवार मोहाली नगर निगम के 2 कर्मचारियों की मृत्यु हो गई। 8 जून को 'औरंगाबाद' (बिहार) में 4 सड़क दुर्घटनाओं में 9 लोगों की जान चली गई तथा अनेक घायल हो गए। 8 जून को ही 'फगवाड़ा' में एक मोटरसाइकिल, 2 कारों और एक ट्रक की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार और उसकी 7 वर्षीय बेटी की घटनास्थल पर ही मौत तथा उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। 9 जून को 'शंभू' (राजपुरा, पंजाब) में एक ट्रक ड्राइवर ने 2 लोगों को रौंद डाला जिनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। 9 जून को ही 'चहेड़ (फगवाड़ा, पंजाब) में एक्टिवा पर सवार 2 युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौत हो गई।

9 जून को ही 'लुधियाना' (पंजाब) में एक कंटेनर के चालक ने तेज रफ्तार से उसे बैंक करने की कोशिश में एक मजदूर को रौंद दिया। 10 जून को 'देहरादून' (उत्तराखंड) में 'झाड़पानी' क्षेत्र में एक कार के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गई। 10 जून को ही 'बेगोवाल' (पंजाब) में सड़क दुर्घटना में एक कार बेकाबू हो कर पेड़ से टकरा गई जिससे एक दम्पति की मृत्यु हो गई।

10 जून को ही 'भीखी' (पंजाब) में एक ट्राले की टक्कर ट से बाइक रेहड़े पर सवार 2 दोस्तों की जान चली गई।

11 जून को 'पुणे' (महाराष्ट्र) में 'नवाले पुल' से नीचे उतरते समय एक सीमेंट मिक्सर ट्रक बेकाबू होकर मोटरसाइकिल पर जा रहे एक डिलीवरी ब्वाय से टकरा गया जिससे उसकी मौत हो गई। 11 जून को ही 'गाँडा' (उत्तर प्रदेश) में 2 मोटरसाइकिलों की टक्कर में घायलों की मदद करने पहुंचे लोगों को तेज रफ्तार एस.यू. वी. ने रौंद दिया जिससे 4 लोगों की मौत व 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।11 जून को ही 'फिरोजपुर' (पंजाब) में मोटरसाइकिल पर जा रहे 3 युवकों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। 11 जून को ही 'पोत्थरैड्डीपालम' (आंध्र प्रदेश) में एक कार बेकाबू होकर एक मकान से जा टकराई जिससे कार में सवार 5 मैडिकल के छात्रों सहित 6 लोगों की जान चली गई।11 जून को ही 'बुलढाणा' (महाराष्ट्र) में ईंटों से लदे एक ट्रक तथा बस में आमने-सामने टक्कर में 4 लोगों की मौत हो गई।11 जून को ही 'फरीदकोट' (पंजाब) में एक कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति व उसकी 2 बेटियों की मौत हो गई।अब 11 जून को ही 'चमोली' में एक कार खाई में गिर जाने से उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गई।हमारे देश में वाहनों की रफ्तार में वृद्धि के साथ दुर्घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है।

अतः यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि यह सिलसिला आखिर कब थमेगा।सड़क हादसे का एक बड़ा कारण सड़कों में गड्डे, हैड लाइटों का आधा काला नहीं होना, शहरी, ग्रामीण सड़कों या प्रादेशिक व राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए गति सीमा निर्धारित न होना, वाहन चालकों द्वारा शराब पीकर, मोबाइल पर बात करते हुए और बिना आराम किए लम्बे समय तक वाहन चलाना आदि प्रमुख हैं। इसके लिए प्रशासन भी जिम्मेदार है।

विदेशों में है बिहार योग पद्धति की धूम

कुमार कृष्णन

अपनी अंतरात्मा में स्वयं को महसूस करने से बेहतर कोई अनुभव नहीं है। सदियों से योग अंतर्मन की शांति जागृत करने के लिए जाना जाता है। हम अकसर मन की शांति की तलाश भौतिक वस्तुओं में करते हैं। स्वामी शिवानंद सरस्वती के शिष्य और विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने योगिक अभ्यासों के प्रसार के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने में अग्रणी भूमिका निभाई। बिहार योग विद्यालय,मुंगेर के संस्थापक परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती द्वारा विकसित सत्यानंद योग जो बिहार योग के रूप में विदेशों में अत्यधिक लोकप्रिय है। यह पारंपरिक योग पद्धतियों, वैज्ञानिक शोधों और आधुनिक जीवनशैली का एक अनूठा मिश्रण है। इस कारण परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती को आधुनिक युग का पतंजलि माना जाता है, क्योंकि उन्होंने प्राचीन और जटिल योग विज्ञान को सरल, वैज्ञानिक और व्यावहारिक बनाकर आम जनमानस तक पहुँचाया। परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार -स्वामी सत्यानंद ने योग को नया जीवन, नया जन्म दिया। उन्होंने योग का पुनरुद्धार किया – अन्यथा यह लुप्त हो गया होता। इसलिए, स्वामी सत्यानंद आज के पतंजलि हैं। 1963 में उनके द्वारा स्थापित बिहार योग विद्यालय वैश्विक योग पुनर्जागरण का केंद्र बन गया, जिसने मस्तिष्क, हृदय और हाथों की इंद्रियों को विकसित करने के लिए यौगिक अभ्यासों और सिद्धांतों के मिश्रण का प्रचार किया। इस प्रणाली को बिहार योग या सत्यानंद योग परंपरा कहा जाता है। उन्होंने स्वामी शिवानंद द्वारा परिकल्पित 'संश्लेषण योग' प्रणाली को अपनाया और वेदांत, योग और तंत्र के व्यावहारिक और अनुप्रयुक्त पहलुओं को मिलाकर बिहार योग/सत्यानंद योग प्रणाली की रचना की। बिहार योग/सत्यानंद योग की प्रमुख विशेषताओं में से एक है योग के सभी पहलुओं का एकीकरण। योग की विभिन्न शाखाओं को एक व्यवस्थित दृष्टिकोण में समाहित किया गया है ताकि संतुलित विकास और पूर्णता प्राप्त की जा सके। समग्र योग साधना की नींव मूलभूत योगों द्वारा रखी जाती है जो मस्तिष्क, हृदय और हाथों की इंद्रियों को विकसित करते हैंः हठ योग, राज योग, ज्ञान योग, भक्ति योग और कर्म योग। योग की अन्य शाखाएँ भी बिहार योग/सत्यानंद योग प्रणाली का हिस्सा हैं, जिनमें मंत्र योग, नाद योग, क्रिया योग, कुंडलिनी योग, लय योग आदि शामिल हैं।

बिहार योग/सत्यानंद योग प्रणाली विकसित करते हुए, स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने प्राचीन योग और तांत्रिक प्रणालियों से अज्ञात और गुप्त अभ्यासों को प्रकाश में लाया। उन्होंने अभ्यासों के प्रगतिशील चरणों, अवस्थाओं और क्रमों की पहचान की और उन्हें सरल और व्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत किया, जिससे सभी लोग इस मूल्यवान विज्ञान में गहराई से उतर सकें और इसके लाभ प्राप्त कर सकें। पहली बार ये अभ्यास आम लोगों के लिए व्यावहारिक, सुरक्षित और प्रभावी रूप में सुलभ हुए। श्री स्वामी सत्यानंद ने देखा कि सरल अभ्यास समकालीन लोगों के लिए उपयुक्त हैं, और नियमित अभ्यास से गहन और परिवर्तनकारी अनुभव प्राप्त होते हैं। श्री स्वामी सत्यानंद ने योग की पद्धतियों को अद्वितीय ढंग से व्यवस्थित किया और प्राचीन ग्रंथों और ज्ञान से प्रेरणा लेकर अनेक ऐसी तकनीकें विकसित कीं जिनका अभ्यास आज विश्व भर में किया जाता है। उन्होंने ऋषि पतंजलि के योग-सूत्रों का आधुनिक विश्लेषण कर मानवता को एक सुगम योग पद्धति प्रदान की। स्वामी सत्यानंद ने योगिक तकनीकों के प्रभावों पर वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों की अपार संभावनाओं और लाभों को पहचाना और 1970 के दशक के उत्तरार्ध में उन्होंने कई योगिक अनुसंधान परियोजनाओं की शुरुआत की और उन्हें प्रेरित किया।

दफनाने और जलाने के बीच

सुरेश कुमार मिश्रा

मोहल्ले की उस नुक्कड़ वाली दुकान पर आज भी वही फीकी चाय मिल रही थी, जिसे पीकर हम अक्सर अमर प्रेम की कसमें खाया करते थे। फर्क बस इतना था कि आज चाय की प्याली मेरे हाथ में नहीं थी और मैं खुद उस मिट्टी के नीचे था जिसे लोग सुकून की नींद कहते हैं। वैसे, मरना भी एक तरह का स्टार्टअप ही है, बस इसमें रेवेन्यू के नाम पर सिर्फ सिसकियां मिलती हैं।

शाम का धुंधलका गहरा रहा था। तभी मुझे अपनी कब्र की छाती पर भारी कदमों की आहट सुनाई दी। मिट्टी की परतों के पार से आती वह महक जानी-पहचानी थी।

वही मोगरे वाला इत्र, जो कभी मेरी कमीजों पर अपनी वसीयत लिख दिया करता था। मेरा दिल, जो अब सिर्फ एक खामोश गोश्त का लोथड़ा था, एक पल के लिए धड़कने का नाटक करने लगा। वह आई थी। लेकिन अकेली नहीं।

उसके साथ 'वो' था। वही 'वो', जिसकी सैलरी मेरी कविताओं के छंदों से ज्यादा लंबी थी और जिसकी गाड़ियों के हॉर्न मेरी आवाज़ से ज्यादा बुलंद थे। उसे देखकर लगा जैसे नियति ने मेरी मौत पर एक करारा तमाचा जड़ा हो।

वह मेरे सिरहाने आकर खड़ी हुई। उसकी आंखों में काजल वैसा ही गहरा था, जैसा उस दिन था जब उसने कहा था, तुम्हारे बिना जी नहीं पाऊंगी।

मुझे हंसी आई, पर कफ़न में हंसी के लिए चेहरा नहीं होता।

उसने अपने रेशमी हाथों से मेरी कब्र पर जमी धूल झाड़ी। वह ऐसे सफाई कर रही थी जैसे किसी पुराने अलमारी से फालतू कबाड़ हटाया जा रहा हो। फिर उसने चमेली के फूल चढ़ाए। वही फूल, जिनसे मुझे एलर्जी थी। जीते जी कभी मेरी छींकों की परवाह नहीं की, मरने के बाद भी अपनी पसंद थोप दी।

तभी उसके शौहर ने, जो किसी मल्टीनेशनल कंपनी के सीईओ की तरह मैनेज्ड लग रहा था, अपनी कलाई घड़ी देखी। सोने की घड़ी में समय भी शायद महंगा ही बीत रहा होगा। उसने बड़े संभ्रांत लहजे में कहा, चलो जानू, डिनर का रिजर्वेशन आठ बजे का है। लेट हो जाएंगे।

उसने एक लंबी सांस ली। एक ऐसी आह, जिसमें दुख कम और 'चलो ये रस्म भी पूरी हुई' वाला संतोष ज्यादा था। उसने धीमे से कहा, बस एक मिनट। आखिर हमारा पास्ट था ये।

पास्ट। कितना छोटा शब्द है न? बरसों की तड़प, रातों का जागना और वो तमाम कसमें-वादे, सब एक चार अक्षर के शब्द में सिमट गए।

जाते-जाते उसने अपनी सैंडल की नोक से मेरी कब्र की मिट्टी को थोड़ा और बराबर किया। वह छुअन ऐसी थी, जैसे कोई जलती हुई तीली सूखे घास के ढेर पर फेंक दी गई हो। लोग कहते हैं कि हिंदू जलाते हैं और मुसलमान दफनाते हैं। पर सच तो यह है कि दुनिया की रीत ही यही है पहले दफनाती है, फिर आकर ऐसी आग लगाती है कि राख भी शर्मिंदा हो जाए। जब उनकी गाड़ी का शोर दूर निकल गया, तब मुझे अहसास हुआ कि कब्र के अंदर गर्मी बढ़ गई है। वो जो कहते हैं कि मरने के बाद दर्द खत्म हो जाता है, वो दरअसल सबसे बड़ा झूठ है।

अंधेरा और गहरा हो गया था। सन्नाटे में बस एक ही आवाज़ गूंज रही थी- उनका खिलखिलाकर हंसना, जो शायद उस महंगे डिनर टेबल पर बैठकर मेरी 'नाकाम आशिकी' का मजाक उड़ा रहे होंगे। मेरी रूह छटपटा रही थी। दफन तो दोपहर में ही हो गया था, पर जलाया अब गया था।

वाकई, श्मशान जाने की जरूरत किसे है? अगर महबूब अपने नए हमसफर के साथ आपकी कब्र पर हाथ थामकर आ जाए, तो मिट्टी के छह फुट नीचे भी तंदूर सा अहसास होने लगता है। कयामत का इंतजार किसे है, मेरी कयामत तो आज शाम आठ बजे के 'डिनर रिजर्वेशन' के साथ ही मुकम्मल हो गई।

रंभा तीज आज: सुखी वैवाहिक जीवन और सौभाग्य की कामना के लिए किया जाता है रंभा तीज व्रत

बुधवार, 17 जून को ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया यानी रंभा तीज है। यह व्रत महिलाओं के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, सौभाग्य, सुखी वैवाहिक जीवन और घर-परिवार में सुख-समृद्धि, शांति बनाए रखने की कामना से यह व्रत करती हैं। तीज तिथि पर माता पार्वती की विशेष पूजा करने की परंपरा है, इसलिए इस तिथि पर शिव-पार्वती की विधिवत पूजा की जाती है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, जो लड़किया अविवाहित हैं, वे मनचाहा वर पाने की कामना से यह व्रत करती हैं। इस व्रत में कन्याएं भगवान शिव और माता पार्वती का अभिषेक करती हैं और दिनभर निराहार रहकर भक्ति करती हैं। शाम को भी विधिवत पूजा की जाती है।

रंभा तीज का धार्मिक महत्व

तीज पर्वों का विशेष महत्व बताया गया है। हरियाली तीज, कजरी तीज और हरतालिका तीज की तरह ही रंभा तीज भी महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण व्रत है। मान्यता है कि इस दिन किए गए व्रत और पूजा से वैवाहिक जीवन में प्रेम, विश्वास और स्थिरता बनी रहती है।

ऐसा माना जाता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। उसी तप का ध्यान करते हुए महिलाएं ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया पर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं।

इस तिथि को क्यों कहते हैं रंभा तीज

रंभा तीज के संबंध में मान्यता है कि प्राचीन समय में स्वर्ग की अप्सरा एक थी रंभा। रंभा को अत्यंत सुंदर, गुणवान और आकर्षक अप्सरा बताया गया है। कहा जाता है कि रंभा ने भी मनोवांछित सुख पाने की कामना से इस तिथि पर व्रत-पूजा की थी। इसी कारण इस तृतीया तिथि को रंभा तृतीया या रंभा तीज नाम मिला।

ऐसे कर सकते हैं व्रत-पूजा

सुबह ब्रह्म मुहूर्त में जल्दी उठना चाहिए। इसके बाद घर के मंदिर में भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। व्रत और पूजा करने का संकल्प लें। सबसे पहले गणपति पूजन करें।

गणेश पूजा के बाद शिवलिंग और देवी पार्वती की प्रतिमा पर जल, दूध, पंचामृत, चावल, चंदन, हार-फूल, आंकड़े के फूल, दूर्वा और बिल्वपत्र चढ़ाएं।

माता पार्वती को सुहाग की चीजें जैसे चुनरी, सिंदूर, बिंदी, चूड़ियां और श्रृंगार सामग्री अर्पित करें।

धूप-दीप जलाकर ऊँ नमः शिवाय, ऊँ गौर्ये नमः मंत्र का जप करें। रंभा तीज व्रत कथा का पाठ करें।

कर्पूर जलाकर आरती करें। भगवान से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करें। प्रसाद बांटें और पूजा के बाद अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-पुण्य करें।

पूजा के बाद दिनभर व्रत करें। भूखे रहना संभव न हो, तो फलाहार कर सकते हैं। दूध, फलों का रस पी सकते हैं।

बुद्ध की सीख: सिर्फ किताबें पढ़ना या उपदेश सुनना काफी नहीं है

असली बदलाव अच्छी बातों को जीवन में उतारने के बाद आता है

सत्संग और संगत का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ये बात गौतम बुद्ध की इस कहानी से समझ सकते हैं- गौतम बुद्ध अपने उपदेशों के कारण बहुत प्रसिद्ध हो चुके थे। वे रोज प्रवचन देते थे और दूर-दूर से लोग उन्हें सुनने आते थे। उन्हीं में एक युवा लड़का भी नियमित रूप से आता था। वह बहुत ध्यान से बुद्ध की बातें सुनता, लेकिन उसके जीवन में कोई विशेष बदलाव नहीं आ रहा था।

कुछ समय बाद उस लड़के को लगा कि वह कई दिनों से सत्संग सुन रहा है, लेकिन उसका जीवन पहले जैसा ही है। उसने सोचा कि केवल सुनने से कोई लाभ नहीं हो रहा है, इसलिए बुद्ध से इस विषय में बात करनी चाहिए।

अगले दिन वह प्रवचन के दौरान खड़ा हुआ और बोला कि मैं कई दिनों से आपके उपदेश सुन रहा हूं, लेकिन मेरे जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आया है। मैं जानना चाहता हूं कि इसका कारण क्या है?

गौतम बुद्ध ने उसकी बात शांतिपूर्वक सुनी और उससे पूछा- तुम कहां से आते हो? लड़के ने बताया कि वह श्रावस्ती से आता है। बुद्ध ने फिर पूछा कि वहां से यहां आने में कितना समय लगता है और तुम किस तरह आते हो? लड़के ने उत्तर दिया कि कभी पैदल, कभी कोई साधन मिल जाता है, तो उससे आता हूं। फिर बुद्ध ने पूछा- क्या तुम यहां बैठे-बैठे अपने घर पहुंच सकते हो? लड़का मुस्कुराया और बोला कि यह संभव नहीं है, घर पहुंचने के लिए चलना ही पड़ेगा।

बुद्ध ने कहा कि यही उत्तर तुम्हारे प्रश्न में छिपा है। केवल रास्ता जान लेने से कोई लक्ष्य पर नहीं पहुंचता, उसी तरह केवल उपदेश सुन लेने से जीवन नहीं बदलता। जब तक तुम उन बातों को अपने जीवन में लागू नहीं करोगे, तब तक परिवर्तन संभव नहीं है।

बुद्ध ने समझाया कि गुस्से पर नियंत्रण, गलत आदतों का त्याग और अच्छे कर्मों को अपनाना, ये सब केवल सुनने से नहीं, बल्कि अभ्यास करने से आते हैं। सत्संग और अच्छी संगत का उद्देश्य ज्ञान देना है, लेकिन उस ज्ञान को कर्म में बदलना ही असली साधना है।

उस लड़के को समझ आ गया कि समस्या सत्संग में नहीं, बल्कि उसे जीवन में न उतारने में थी।

कथा की सीख

ज्ञान को व्यवहार में बदलें

सिर्फ किताबें पढ़ना या उपदेश सुनना काफी नहीं है। असली बदलाव तब आता है जब हम पढ़ी-सुनी हुई बातों को अपने व्यवहार में लागू करते हैं। हर दिन एक अच्छी आदत को अपनाने का प्रयास करें। संगत और सत्संग का जीवन में बहुत महत्व है, लेकिन केवल अच्छी बातें सुनना पर्याप्त नहीं होता, उन्हें अपनाना भी जरूरी है।

सही संगत चुनें

हम जिन लोगों के साथ समय बिताते हैं, उनका असर हमारे विचारों और आदतों पर होता है। इसलिए सकारात्मक, प्रेरणादायक और ईमानदार लोगों की संगत में रहें।

आत्म-निरीक्षण करें

हर दिन अपने व्यवहार का विश्लेषण करें कि आपने क्या अच्छा किया और क्या गलत किया। आत्म-निरीक्षण से सुधार की दिशा मिलती है।

धैर्य रखें

परिवर्तन तुरंत नहीं आता। जैसे किसी मंजिल तक पहुंचने के लिए चलना पड़ता है, वैसे ही जीवन सुधारने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है।

नकारात्मकता से दूरी बनाएं

नकारात्मक सोच, गुस्सा और ईर्ष्या जीवन की प्रगति को रोकते हैं। इन्हें पहचानकर धीरे-धीरे दूर करना चाहिए।

सत्संग करें और अच्छी किताबें पढ़ें

अच्छी किताबें और प्रेरणादायक विचार मन को शुद्ध करते हैं। यह हमें सही दिशा में सोचने और निर्णय लेने में मदद करते हैं।

छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं

बड़े बदलाव एक साथ नहीं होते। छोटे लक्ष्य बनाकर उन्हें पूरा करें, इससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

कर्म पर ध्यान दें, केवल विचार पर नहीं

सोचना आसान है, लेकिन करना कठिन। जीवन में वही सफल होता है जो अपने विचारों को कर्म में बदलता है। सही संगत और सत्संग जीवन को दिशा देते हैं, लेकिन वास्तविक परिवर्तन तब आता है- जब हम ज्ञान को अपने जीवन में उतारते हैं। निरंतर अभ्यास, सही सोच और अच्छे कर्म ही सुख-शांति और सफलता का आधार हैं।

इंटरव्यू के दिन चमकानी है किस्मत तो कपड़ों के लिए चुनें ये लकी कलर्स

इंटरव्यू के बारे में कहा जाता है कि फर्स्ट इंप्रेशन इज लास्ट इंप्रेशन यानी सामने वाली की नजर में पहली छाप बहुत मायने रखती है। अगर आप इसमें ज्योतिष का सहारा लेते हैं तो यह आपकी स्थिति को मजबूत कर सकता है। ज्योतिष शास्त्र में इंटरव्यू देने जाने से पहले अगर आप कुछ स्पेशल रंग के कपड़ों पर पहनते हैं तो आपकी सफलता के चांसेज बढ़ जाते हैं। ज्योतिष के अनुसार रंग आपके आत्मविश्वास, संवाद, अधिकार और दूसरों की नजर में आपकी छवि पर सूक्ष्म प्रभाव डाल सकते हैं। अलग-अलग ग्रह अलग-अलग रंगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। सही रंग आपकी ऊर्जा को आपके कैरियर लक्ष्यों की ओर केंद्रित करने में मदद कर सकता है।

सफेद रंग

सफेद रंग चंद्रमा का है, यह मन की शांति, सच्चाई और भावनाओं के संतुलन का प्रतीक है। इसमें भरोसेमंद और विश्वसनीयता की भावना होती है।

सबसे अच्छाः कॉर्पोरेट, टीचिंग, हेल्थ, एडमिन, कस्टमर-फेसिंग रोल्स के लिए यह रंग बेहतर माना जाता है।

हल्का नीला

हल्का नीला रंग बुध ग्रह का है और यह संवाद, बुद्धिमत्ता और मानसिक उपस्थिति के लिए अच्छा माना जाता है। इससे उम्मीदवार दोस्ताना और सक्षम नजर आते हैं।

नेवी ब्लू

नेवी ब्लू आत्मविश्वास और प्रोफेशनलिज्म का बेहतरीन मिश्रण है। यह स्थिरता, अनुशासन और अच्छे नेतृत्व की गुणवत्ता का एहसास देता है।

प्रोफेशन के लिए अच्छाः मैनेजमेंट, बैंकिंग, फाइनेंस, सरकारी और हाई प्रोफाइल जॉब्स।

ग्रे

ग्रे रंग शनि ग्रह का है। शनि अनुशासन, धैर्य और जिम्मेदारी का ग्रह है। यह गंभीरता दिखाता है, लेकिन दबंगई नहीं।

प्रोफेशन के लिए अच्छाः इंजीनियरिंग, लीगल, रिसर्च, ऑडिट और टेक्निकल करियर के लिए यह रंग बेहद उत्तम है।

हल्का हरा

बुध ग्रह हरे रंग का भी स्वामी हैं, जो सीखने, विकास और नए अवसरों का रंग है। यह खासकर तब मददगार है जब आप किसी नए करियर पथ के लिए आवेदन कर रहे हैं।

सबसे अच्छाः क्रिएटिव इंडस्ट्रीज, एजुकेशन और टेक्नोलॉजी, स्टार्ट-अप के लिए आपको इस रंग का इस्तेमाल करना चाहिए।

बेज या क्रीम

ये न्यूट्रल रंग स्टाइलिश और एकजुट लुक देते हैं, बिना ज्यादा दिखावे के।

सबसे अच्छाः हॉस्पिटैलिटी, काउंसलिंग, ह्यूमन रिसोर्सेज और सर्विस जॉब्स के लिए आप इस रंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इंटरव्यू के दौरान किन रंगों से बचें

चमकीला लालः आक्रामक या दबंग लग सकता है।

नीऑन शेड्सः ध्यान भटकाने वाले, गैर-प्रोफेशनल।

सिर्फ कालाः काला रंग क्लासी है, लेकिन इंटरव्यू में ज्यादा काला ठंडा या डरावना लग सकता है।

भड़कीले प्रिंट्सः ये आपकी स्किल्स और पर्सनैलिटी से ध्यान हटा सकते हैं।

ज्योतिष के अनुसार दिन के हिसाब से रंग चुनना

सोमवारः सफेद, क्रीम, सिल्वर

मंगलवारः अर्थ टोन (मरून ज्यादा ना पहनें)

बुधवारः मिंट, पेस्टल, हल्का हरा

गुरुवारः सरसों पीला, गोल्ड, टैन, आइवरी, सफेद, हल्का गुलाबी, ग्रे, चारकोल, नेवी

शुक्रवारः सफेद, गुलाबी, हल्के रंग (जैसे लैवेंडर)

शनिवारः काला या नीला रंग

रविवारः गोल्ड टच, हल्का ऑरेंज, बेज

सिर्फ बाहरी उपलब्धियों पर ध्यान देने के बजाय अपने व्यक्तित्व और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए

सफलता केवल धन या आर्थिक उन्नति तक सीमित नहीं है। अगर व्यक्ति आर्थिक रूप से समृद्ध हो जाए, लेकिन उसका चरित्र सही न हो, वह मानसिक रूप से कमजोर हो, तो वह सच्ची सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। जीवन में सही निर्णय लेने और कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए मनोबल का मजबूत होना जरूरी है। इसलिए केवल बाहरी उपलब्धियों पर ध्यान देने के बजाय अपने व्यक्तित्व, चरित्र और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। सच्ची सफलता वही है, जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ-साथ मानसिक, नैतिक और आत्मिक उन्नति भी शामिल हो।

संत की घमंडी राजा को सीख

हर इच्छा जरूरी नहीं होती, कई बार हम दूसरों को देखकर इच्छाएं पैदा कर लेते हैं, व्यर्थ इच्छाओं से बचें

इच्छाएं समुद्र की लहरों की तरह होती हैं, एक पूरी होती है, तो दूसरी जन्म ले लेती है। यही कारण है कि सुविधाओं और संसाधनों से भरपूर जीवन जीने के बावजूद अधिकतर लोग भीतर से संतुष्ट नहीं हो पाते हैं। ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं...

बहुत समय पहले एक राजा को अपने ऐश्वर्य पर बहुत घमंड था। अपने जन्मदिन के अवसर पर उसने घोषणा की कि वह किसी एक व्यक्ति की सारी इच्छाएं पूरी करेगा। वह स्वयं को भगवान जैसा महसूस करना चाहता था।

राजमहल में भव्य समारोह आयोजित हुआ। दूर-दूर से लोग राजा को शुभकामनाएं देने पहुंचे। उसी भीड़ में एक साधु भी आए। उनके चेहरे पर अद्भुत शांति और संतोष झलक रहा था।

राजा ने साधु का सम्मान करते हुए कहा, "महाराज, आज मैं आपकी हर इच्छा पूरी करना चाहता हूं। जो चाहें मांग लीजिए।"

साधु मुस्कराए और बोले, "राजन, मुझे किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं है। मैं पूर्ण हूं और अपने जीवन में संतुष्ट हूं।"

राजा को यह उत्तर पसंद नहीं आया। उसने बार-बार आग्रह किया। अंततः साधु ने कहा, "यदि आप इतना ही चाहते हैं तो मेरे इस छोटे से पात्र को सोने के सिक्कों से भर दीजिए।"

राजा हंस पड़ा। उसे लगा यह तो बहुत छोटा काम है। उसने संत के पात्र में सोने के सिक्के डलवाने शुरू किए, लेकिन जैसे ही सिक्के पात्र में गिरते, वे गायब हो जाते। पात्र खाली का खाली रह जाता।

राजा ने और सिक्के डलवाए। फिर और। धीरे-धीरे उसने अपना पूरा खजाना उस पात्र में उड़ेल दिया, लेकिन पात्र फिर भी नहीं भरा।

हैरान राजा साधु के चरणों में गिर पड़ा और बोला, "महाराज, यह कैसा पात्र है जो भरता ही नहीं?"

साधु मुस्कराए और बोले, "राजन, यह पात्र मनुष्य के मन का प्रतीक है। मन की इच्छाएं कभी समाप्त नहीं होतीं। धन, पद, प्रतिष्ठा और सत्ता पाने के बाद भी मन और अधिक चाहता है। जब तक मन में संतोष नहीं होगा, तब तक यह पात्र कभी नहीं भरेगा।"

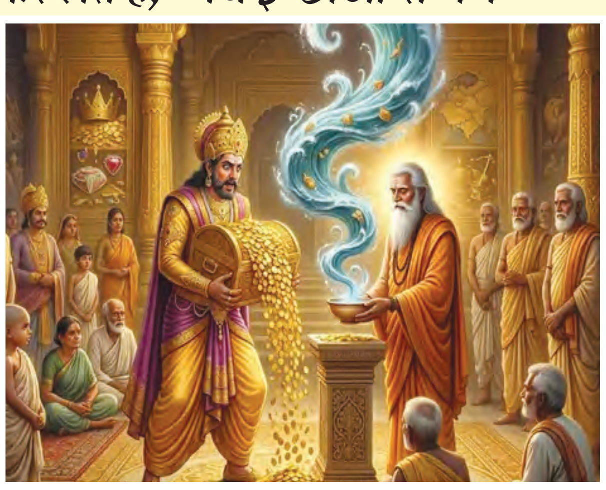

उस दिन राजा का अहंकार टूट गया और उसे समझ आ गया कि सच्ची समृद्धि बाहरी धन में नहीं, बल्कि आंतरिक संतोष में है।

कथा की सीख

अपनी चीजों से संतुष्ट रहें

संतोष का अर्थ महत्वाकांक्षा छोड़ देना नहीं है, बल्कि जो उपलब्ध है उसके लिए आभार व्यक्त करना है। प्रतिदिन अपनी चीजों, उपलब्धियों और खुशियों से संतुष्ट रहने की आदत बनाएं।

इच्छाओं और आवश्यकताओं में अंतर समझें

हर इच्छा जरूरी नहीं होती। कई बार हम दूसरों को देखकर इच्छाएं पैदा कर लेते हैं। निर्णय लेते समय स्वयं से पूछें, क्या यह वास्तव में मेरी आवश्यकता है?

तुलना से बचें

दूसरों की सफलता से प्रेरणा लें, लेकिन अपनी खुशी की तुलना किसी और की उपलब्धियों से न करें। तुलना असंतोष और तनाव को जन्म देती है।

वर्तमान में जीना सीखें

अक्सर हम भविष्य की चिंताओं या अतीत की घटनाओं में उलझे रहते हैं। वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करने से मानसिक शांति और उत्पादकता दोनों बढ़ती हैं।

अहंकार को नियंत्रित रखें

राजा की सबसे बड़ी कमजोरी उसका घमंड था। जीवन में सफलता मिलने पर विनम्र बने रहना व्यक्ति को और अधिक सम्मान दिलाता है।

आत्मचिंतन के लिए समय निकालें

प्रतिदिन कुछ मिनट स्वयं के साथ बिताएं। अपने विचारों, भावनाओं और लक्ष्यों का मूल्यांकन करें। आत्मचिंतन व्यक्ति को सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है।

आध्यात्मिकता को जीवन का हिस्सा बनाएं

भक्ति, ध्यान, प्रार्थना या सकारात्मक चिंतन मन को स्थिर बनाते हैं। आंतरिक शांति मिलने पर बाहरी उपलब्धियों की लालसा नियंत्रित होने लगती है।

संबंधों को प्राथमिकता दें

धन और सफलता महत्वपूर्ण हैं, लेकिन परिवार, मित्र और अच्छे संबंध जीवन को वास्तविक खुशी प्रदान करते हैं। सफलता का अर्थ केवल अधिक पाना नहीं, बल्कि जो मिला है उसमें आनंद अनुभव करना भी है। जब मन संतोष, कृतज्ञता से भर जाता है, तब जीवन की दौड़ संघर्ष नहीं बल्कि एक सुंदर यात्रा बन जाती है।

क्या आपकी नाक भी ऐसी है?

अपनी नाक की बनावट से अपने व्यक्तित्व की ये 3 अनसुनी बातें

क्या आपकी नाक की बनावट आपके व्यक्तित्व के राज खोल सकती है? सामुद्रिक शास्त्र और फेस रीडिंग से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि चेहरे के विभिन्न अंगों की तरह नाक भी व्यक्ति के स्वभाव, सोच और जीवन दृष्टिकोण के बारे में कई संकेत देती है। कहा जाता है कि लंबी और सीधी नाक वाले लोग आत्मविश्वासी और नेतृत्व क्षमता से भरपूर होते हैं, जबकि छोटी नाक वाले व्यक्ति संवेदनशील और व्यावहारिक स्वभाव के माने जाते हैं। वहीं चौड़ी नाक को दृढ़ निश्चय और मजबूत इच्छाशक्ति का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आपकी नाक भी आपके स्वभाव के बारे में कुछ खास बताती है?

रोमन नाकः रोमन नाक वाले लोगों की नाक के बीच में हल्का सा घुमाव होता है। इन्हें आमतौर पर बहादुर, आत्मविश्वासी और चुनौतियों का सामना करने वाला माना जाता है। इन्हें नई चीजें सीखने में रुचि होती है। ये किसी भी कार्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। सोच-समझकर निर्णय लेना इनकी विशेषता है। यह भी माना जाता है कि इनमें उच्च नेतृत्व क्षमता होती है।

नुबियन नाकः समुद्र विज्ञान के अनुसार, नुबियन नाक वाले लोग खुले विचारों वाले होते हैं। वे नए विचारों का स्वागत करते हैं। समस्याओं के नवीन समाधान खोजने में वे अग्रणी भूमिका निभाते हैं। उनकी विशेषता दूसरों के साथ विनम्रता से पेश आना और सभी का सम्मान करना है। वे अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। सामाजिक रूप से उन्हें अच्छी पहचान मिलने की भी संभावना रहती है।

सीधी नाकः सीधी नाक वाले लोग ईमानदारी, अनुशासन और विश्वसनीयता के प्रतीक माने जाते हैं। वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाते हैं। वे अपने परिवार और दोस्तों के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। हालांकि, उनका विश्वास जीतने में थोड़ा समय लगता है। कहा जाता है कि एक बार उनका विश्वास जीत लेने के बाद, यह रिश्ता जीवन भर कायम रहता है।

टेढ़ी नाक वाले लोगः आमतौर पर टेढ़ी नाक वाले लोग विनम्र और शालीन माने जाते हैं। वे झगड़ों से दूर रहना पसंद करते हैं। कहा जाता है कि दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना और उनकी मदद करना उनके स्वभाव का हिस्सा होता है। वे शांतिपूर्ण जीवन को अधिक महत्व देते हैं।

गोल नाकः गोल नाक वाले लोग स्नेह और प्यार का प्रदर्शन करने वाले माने जाते हैं। वे संवेदनशील और रचनात्मक होते हैं। परिवार और दोस्तों के साथ उनका गहरा लगाव होता है। अपने प्रेमपूर्ण व्यवहार के कारण वे सबके चहेते बन जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी वे जिद्दी भी हो सकते हैं।

मांसल नाक वाले लोगः माना जाता है कि मांसल या मोटी नाक वाले लोग बुद्धिमान, सक्रिय और व्यावहारिक होते हैं। वे आर्थिक मामलों में बहुत सावधान रहते हैं। पैसा खर्च करने से पहले वे अच्छी तरह सोचते हैं। वे बचत करने में भी तत्पर रहते हैं। यहां तक कि भावनाओं से अभिभूत होने पर भी, वे निर्णय लेते समय वास्तविकता का ध्यान रखते हैं।

ईगल नोजः ईगल नोज वाले लोग मजबूत व्यक्तित्व वाले माने जाते हैं। उनमें उच्च आत्मविश्वास होता है। वे स्वतंत्र रूप से सोचना और नेतृत्व की जिम्मेदारियां निभाना पसंद करते हैं। वे दूसरों का सम्मान अर्जित करने की इच्छा रखते हैं। कभी-कभी उनका साहस अहंकारपूर्ण लग सकता है। हालांकि, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनके सफल होने की संभावना अधिक होती है।

काला हिरण' के प्रोड्यूसर ने गोविंद नामदेव को भेजा नोटिस

7 दिन में माफी और 50 लाख मांगे; कहा था- सलमान के खिलाफ धोखे से फिल्म बनाई

सलमान खान के 1998 के काला हिरण मामले पर बन रही फिल्म 'काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी' को लेकर विवाद बढ़ गया है। फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने दिग्गज एक्टर गोविंद नामदेव को एक लीगल नोटिस भेजा है। अमित जानी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि नोटिस में एक्टर से सात दिनों में सार्वजनिक माफी मांगने और प्रोडक्शन हाउस को 50 लाख रुपए हर्जाना देने की मांग की गई है। यह कदम गोविंद नामदेव के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने मेकर्स पर धोखे से फिल्म साइन कराने का आरोप लगाया था।

मेकर्स पर लगाया था गुमराह करने का आरोप

इससे पहले गोविंद नामदेव ने एक इंटरव्यू में फिल्म के मेकर्स पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि टीजर देखने के बाद उन्हें गहरा झटका लगा क्योंकि फिल्म वैसी नहीं बनी जैसी उन्हें बताई गई थी। एक्टर के मुताबिक, मेकर्स ने शुरुआत में उन्हें बताया था कि यह एक धार्मिक विषय वाली फिल्म है जिसका नाम 'संभल' है।

बाद में मेकर्स ने इसका नाम बदलकर 'काला हिरण' कर दिया और कहा कि इसमें सिर्फ सलमान खान के केस से जुड़े कोर्ट रूम के सीन दिखाए जाएंगे। नामदेव का कहना है कि उन्हें अंधेरे में रखकर इस्तेमाल किया गया।

गोविंद नामदेव ने बताया कि उनका सलमान खान के साथ पुराना और अच्छा रिश्ता है। उन्होंने सलमान के साथ 'वांटेड' जैसी कई फिल्मों में काम किया है। उन्होंने साफ किया कि वे कभी भी ऐसी किसी फिल्म का हिस्सा नहीं बनेंगे जो सलमान खान को गलत तरीके से पेश करती हो या उन्हें नुकसान पहुंचाती हो। नामदेव ने कहा कि अगर उन्हें फिल्म की असली कहानी का पहले पता होता, तो वे इसके लिए तुरंत मना कर देते। उन्होंने यह भी कहा कि वे किसी लॉरेंस गैंग को अपना आदर्श नहीं मान सकते।

एक्टर के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए प्रोड्यूसर अमित जानी ने कहा कि गोविंद नामदेव के सारे दावे झूठे हैं। अमित जानी के मुताबिक, एक्टर ने फिल्म साइन करने से पहले पूरी स्क्रिप्ट पढ़ी थी और वे फिल्म के कोर्ट रूम ड्रामा वाले सीन की शूटिंग भी कर चुके हैं। मेकर ने आरोप लगाया कि गोविंद नामदेव ने उनके साथ धोखा किया है क्योंकि वे कॉन्ट्रैक्ट के मुताबिक फिल्म की छवि खराब नहीं कर सकते।

अमित ने यह भी दावा किया कि एक्टर को इस फिल्म के सीक्वल के लिए भी साइन किया गया था, लेकिन अब वे सलमान खान की नजरों में अच्छा बनने के लिए फिल्म से दूरी बना रहे हैं।

सलमान खान ने भी मेकर्स को भेजा है नोटिस

इस फिल्म को लेकर विवाद सिर्फ एक्टर्स तक सीमित नहीं है। बॉलीवुड स्टार सलमान खान की लीगल टीम ने भी फिल्म 'काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी' के मेकर्स को कानूनी नोटिस भेजा है। सलमान खान की टीम ने फिल्म के विकास और प्रमोशन गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। उनका तर्क है कि यह फिल्म सलमान के पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन करती है। सलमान खान ने इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है, जहां 19 जून को सुनवाई होनी है।

फिल्म में दिखाया गया है सलमान जैसा किरदार

यह फिल्म जानी फायरफॉक्स फिल्म्स के बैनर तले बन रही है और इसका निर्देशन भारत एस श्रीनेत कर रहे हैं। फिल्म के मेकर्स ने भले ही इसमें सीधे तौर पर सलमान खान का नाम इस्तेमाल नहीं किया है, लेकिन फिल्म के टीजर में 'अयान खान' नाम का एक किरदार दिखाया गया है। इस किरदार का लुक और अंदाज बिल्कुल सलमान खान से मिलता-जुलता है। इसके अलावा फिल्म में बिश्नोई समाज और वन्यजीवों के प्रति उनके जुड़ाव की कहानी को भी प्रमुखता से दिखाया जाना तय हुआ है।

नीले ब्रेसलेट को पहचान का चिन्ह बताया

सलमान की अर्जी में कहा गया है कि फिल्म और उससे जुड़े प्रमोशनल कंटेंट 1998 के काला हिरण शिकार मामले से प्रेरित या उस पर आधारित प्रतीत होते हैं। याचिका के अनुसार, भले ही एक्टर का नाम सीधे तौर पर इस्तेमाल नहीं किया गया हो, लेकिन पोस्टर, प्रमोशनल कंटेंट और प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों के पब्लिक बयानों से दर्शक उन्हें आसानी से पहचान सकते हैं।

याचिका में 29 मई 2026 को जारी एक पोस्टर का भी उल्लेख किया गया। दावा किया गया कि उसमें दिखाया गया किरदार सलमान से मिलता-जुलता है और उसने एक्टर के पहचान चिन्ह माने जाने वाले नीले रंग के ब्रेसलेट जैसा ब्रेसलेट पहना हुआ है।

सलमान ने फिल्म की रिलीज रोकने की मांग की

सलमान ने कोर्ट से मांग की कि विवाद के अंतिम निपटारे तक फिल्म से जुड़े किसी भी टीजर, ट्रेलर, पोस्टर या अन्य प्रमोशनल मटीरियल के पब्लिकेशन, ब्रॉडकास्ट और प्रदर्शन पर रोक लगाई जाए और फिल्म की रिलीज भी रोक दी जाए।

'किसी के साथ सोओगे नहीं तो रिप्लेस कर देंगे': संचिता उगले सुसाइड केस के बाद एक्ट्रेस आंचल खुराना ने टीवी इंडस्ट्री पर उठाए सवाल

22 साल की टीवी एक्ट्रेस संचिता उगले के कथित सुसाइड मामले के बाद एक्ट्रेस आंचल खुराना ने टीवी इंडस्ट्री पर सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, ₹एक एक्टर ने सुसाइड कर लिया। चैनल को टीआरपी चाहिए, प्रोड्यूसर को बजट बचाना है और दर्शकों को मनोरंजन चाहिए। लेकिन इसके पीछे क्या आपने कभी सोचा है कि एक एक्टर किन हालातों से गुजरता है?

एक्ट्रेस ने आगे कहा, एक छोटी सी बात पर रिप्लेसमेंट, किसी के साथ सोओगे नहीं तो रिप्लेसमेंट, किसी से बहस कर लोगे तो रिप्लेसमेंट, सेल्फ-रिस्पेक्ट बचाओगे तो रिप्लेसमेंट।

आंचल खुराना ने यह भी कहा कि जहां तक चैनल और प्रोड्यूसर्स की बात है, वे सबसे स्वार्थी लोग हैं। उन्हें अपने मुनाफे और फायदे से ऊपर कुछ दिखाई नहीं देता।

यकीन मानिए, मेरे साथ भी ऐसा हुआ है। अगर आपका ऑडिशन अच्छा है, आप एक अच्छे परफॉर्मर हैं, तब भी वे आपको सिर्फ 1000 रुपए के लिए

रिजेक्ट कर देंगे। 1000 रुपए के लिए।

या फिर आप किसी को लाइन नहीं दे रहे हैं। आप किसी के साथ कुछ भी करने के लिए तैयार नहीं हैं। वे आपको रिप्लेस कर देंगे। उनके लिए यह बहुत आसान है।

मुश्किल समय में परिवार का सहारा लेने को कहा

वीडियो में आंचल ने कलाकारों से कहा कि जब परिस्थितियां बेहद कठिन लगें तो अपने परिवार और घर का सहारा लेना चाहिए। आंचल के अनुसार, वह खुद भी डिप्रेशन और स्ट्रेस के दौर से गुजर चुकी हैं और ऐसे समय में काम से ज्यादा अपनों का साथ अहम होता है।

टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य से मशहूर हुईं एक्ट्रेस संचिता उगले ने रविवार रात को सुसाइड कर लिया। वे 22 साल की थीं। पुलिस ने बताया कि एक्ट्रेस का शव घर में सीलिंग फैन से लटका मिला। उन्होंने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई।

मुंबई पुलिस मीडिया को बताया, 'हमारी टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। घटना के समय वे घर में अकेली थीं। उनके पिता ने बेटी की मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया।'

संचिता अपने माता-पिता के साथ महाराष्ट्र के पालघर में रहती थीं। रविवार शाम करीब 5:30 बजे उनकी बहन अंजली घर से बाहर गई थी। इसी दौरान संचिता ने अपने बेडरूम के सीलिंग फैन से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। परिवार संचिता को महानगरपालिका के तुलिंज अस्पताल लेकर गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वे टीवी सीरियल 'कुमकुम भाग्य' के अलावा 'वागले की दुनिया' में भी नजर आई थीं।

कई टीवी शोज और फिल्मों का हिस्सा रहीं

संचिता उगले ने कई टीवी शो और फिल्मों में काम किया। वे लोकप्रिय टीवी शो 'कुमकुम भाग्य', 'वागले की दुनिया' जैसे कई शो का हिस्सा रह चुकी थीं। आखिरी बार वे दंगल टीवी चैनल के शो 'साजन घर में' नजर आई थीं। वे पॉपुलर शो 'दिलवाली दूल्हा ले जाएगी' में सौरभ बेदी के साथ लीड रोल में नजर आ चुकी हैं।संचिता ने फिल्म 'छावा' में भी काम किया था।

इसमें वे ताराबाई के किरदार में नजर आई थीं। फिल्म मुख्य भूमिकाओं में विक्की कौशल और अक्षय खन्ना नजर आए थे। इसके अलावा संचिता ने मनोज बाजपेई के साथ 'साइलेंस 2ः द नाइट आउल बार शूटआउट' में भी काम किया था।

'इसको कुछ खिलाओ', माधुरी दीक्षित को करना पड़ा था बॉडी शेमिंग का सामना, पुराने दिनों को याद कर किया बड़ा खुलासा

'मां बहन' फिल्म में उनका किरदार समाज की सोच और जजमेंट का सामना करता है, खासकर उनके स्लीवलेस ब्लाउज पहनने को लेकर। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में माधुरी ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्हें भी बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा था।

जब माधुरी को कहा गया 'बहुत दुबली'

माधुरी ने बताया कि एक पब्लिक फिगर होने के नाते लोगों की राय और कमेंट्स से बचना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, 'जब मैंने करियर शुरू किया था, तब लोग कहते थे कि मैं बहुत पतली हूं। लोग कहते थे- इसको कुछ खिलाओ। लोग बहुत जल्दी जज कर लेते हैं। अगर आपका वजन बढ़ जाए तो भी बोलेंगे, कम हो जाए तो भी बोलेंगे।

सोशल मीडिया के दौर पर क्या बोलीं माधुरी

माधुरी ने यह भी कहा कि पहले के समय में ऐसी बातों से निपटना थोड़ा आसान था क्योंकि तब सोशल मीडिया नहीं था। उन्होंने कहा, 'आज के समय में सोशल मीडिया और उसकी

अनाम पहचान की वजह से लोग कुछ भी कह देते हैं। लेकिन जरूरी है कि आप अपने काम पर ध्यान दें, जो आपको पसंद है वही करें और खुद से प्यार करना सीखें।'

करियर की शुरुआत और सफलता

माधुरी दीक्षित ने 1980 के दशक में फिल्म 'अबोध' (1984) से अपने करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत में उनकी कई फिल्में नहीं चलीं और उन्हें इंडस्ट्री में जगह बनाने में समय लगा।

उनकी किस्मत बदली फिल्म 'तेजाब' (1988) से, जिसमें उनके साथ अनिल कपूर नजर आए। इस फिल्म का गाना 'एक दो तीन' बेहद हिट हुआ और माधुरी रातों-रात स्टार बन गईं। इसके बाद उन्होंने 'राम लखन', 'दिल' और 'साजन' जैसी कई हिट फिल्मों से खुद को बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस के रूप में स्थापित किया।

'मां बहन' की कहानी

सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी फिल्म 'मां बहन' में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा और रवि किशन भी अहम भूमिकाओं में हैं।फिल्म की कहानी रेखा (माधुरी) नाम की एक सिंगल मदर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक रात अपनी दोनों बेटियों जया और सुषमा को अचानक बुलाती है और बताती है कि उनके घर में पड़ोसी गुप्ता (रवि किशन) की लाश पड़ी है। इसके बाद तीनों मिलकर इस मुश्किल हालात से निकलने की कोशिश करती हैं। यह फिल्म समाज की सोच, जजमेंट और महिलाओं पर होने वाले दबाव को दिखाती है।

फिल्म गदर के 25 साल पूरे: अमीषा पटेल बोलीं- सनी देओल अभी भी जवान हैं

फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' की रिलीज के 25 साल पूरे होने पर इसकी सिल्वर जुबली सेलिब्रेट की गई। इस मौके पर सनी देओल, अमीषा पटेल, डायरेक्टर अनिल शर्मा और फिल्म की अन्य कास्ट एक साथ नजर आईं। कार्यक्रम में सनी देओल ने केक काटा और अमीषा पटेल के साथ फोटो खिंचवाईं। सनी ने अमीषा और अनिल शर्मा को केक खिलाकर फिल्म के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाया। अमीषा पटेल का लुक भी चर्चा में रहा। वह इस मौके पर लहंगा-चोली और दुपट्टे के साथ भारतीय पहनावे में नजर आईं। वहीं इवेंट के दौरान पैपराजी ने कहा कि एआई का जमाना है और इससे इन्हें भी जवान किया जा सकता है। जिस पर अमीषा ने सनी देओल की ओर हाथ पॉइंट करते हुए कहा, ये अभी भी जवान हैं।

2001 में रिलीज हुई थी गदर

सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर फिल्म गदर 15 जून 2001 को रिलीज हुई थी। फिल्म का क्रेज इतना ज्यादा था कि सिनेमाघरों के बाहर सुबह से लंबी कतारें लग जाती थीं। उसी दिन आमिर खान की फिल्म 'लगान' भी रिलीज हुई थी, हालांकि क्लैश के बावजूद दोनों फिल्मों ने शानदार प्रदर्शन किया।

18 करोड़ रुपए के बजट में गदर बनी थी

करीब 18 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 133 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की थी। वहीं, इसके दूसरे पार्ट 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 691 करोड़ रुपए से अधिक का शानदार वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था। जिसका बजट 60 करोड़ रुपए था। फिल्म में सनी देओल का तारा सिंह और अमीषा पटेल का सकीना का किरदार दर्शकों के बीच आज भी फेमस है। फिल्म का निर्देशन अनिल शर्मा ने किया था। इसमें अमरीश पुरी ने सकीना के पिता की भूमिका निभाई थी।

सिल्वर जुबली पर अमरीश पुरी को याद किया गया

फिल्म की सिल्वर जुबली सेलिब्रेशन के दौरान सनी देओल ने अमरीश पुरी को याद करते हुए कहा, अमरीश जी आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वह हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।

डायरेक्टर अनिल शर्मा ने कहा, जब तक 'गदर' का नाम रहेगा, तब तक अमरीश पुरी जी भी इससे जुड़े रहेंगे। उनकी यादें हमेशा इस फिल्म का हिस्सा रहेंगी। वहीं अमीषा पटेल ने कहा, "हम अमरीश पुरी जी को बहुत मिस करते हैं।"

तमन्ना, विजय और फातिमा को साथ देखकर चौंके फैंस; इस बात पर हुई तमन्ना की तारीफ

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया ने लगभग दो साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर मार्च 2025 में अलग होने का फैसला किया। अब ब्रेकअप के काफी समय बाद उनका, तमन्ना और फातिमा सना शेख का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

तीनों का वीडियो हुआ वायरल

एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें विजय वर्मा, तमन्ना और फातिमा साथ में नजर आ रहे हैं। वीडियो में तमन्ना सूट पहने नजर आ रही हैं और काफी शांत स्वभाव के साथ दोनों एक्टर्स के साथ फोटो खिंचवाती नजर आईं। वहीं दूसरे सीन में तीनों एक्टर पैप्स के सामने पोज देते नजर आए।

वीडियो सामने आने के बाद फैंस तमन्ना के शांत स्वभाव की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया- 'ब्रेकअप के बाद भी तमन्ना विजय का सम्मान करती हैं। ये देखकर काफी अच्छा लगा।' वहीं दूसरे ने कमेंट किया- 'रसपेक्ट फॉर तमन्ना, प्यार से बड़ा सम्मान होता है।' वहीं कुछ यूजर ने एक्टर्स के प्रोफेशल रहने की तारीफ की है।

एक्टर विजय वर्मा से क्या है दोनों का कनेक्शन?

दरअसल, पहले विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया एक-दूसरे को डेट कर रहे थे लेकिन पिछले साल इनका ब्रेकअप हो गया। इस ब्रेकअप के बाद विजय वर्मा, फातिमा सना शेख के साथ कई जगहों पर नजर आए। ऐसे में इनकी लिंकअप की अटकलें लगने लगीं। लेकिन फातिमा और विजय वर्मा ने इन बातों को लेकर कुछ नहीं कहा, न ही अपना रिश्ता कंफर्म किया।

विजय और तमन्ना के रिलेशनशिप के बारे में

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया ने लगभग दो साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर मार्च 2025 में अलग होने का फैसला किया। हालांकि, दोनों के अलग होने का कारण सामने नहीं आया।

मलयालम सिनेमा में करण जौहर का पहला कदम पृथ्वीराज सुकुमारन की 'ओडियन' का एलान

फिल्म 'ओडियन- द एज ऑफ इल्यूजन' का आधिकारिक एलान हो चुका है। इस फिल्म का पोस्टर जारी हुआ है, जिसे करण जौहर ने शेयर किया है। यह फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनेगी। इस तरह निर्माता का यह मलयालम सिनेमा

जगत में पहला कदम है। बता दें कि 'ओडियन' में पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। उनके साथ लीड एक्ट्रेस कौन हैं? जानिए बाकी डिटेल

फिल्म 'ओडियन' के निर्देशन की कमान राहुल सदाशिवन के कंधों पर हैं। वहीं, फिल्म में पृथ्वीराज के साथ मंजू वारियर अहम भूमिका में नजर आएंगी। करण जौहर ने फिल्म का पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने इसे लेकर उत्साह जाहिर किया है। करण जौहर ने लिखा है, 'धर्मा मूवीज में हम मलयालम सिनेमा की दुनिया में अपना पहला कदम रख रहे हैं और मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमारे साथ इसके लिए सबसे अच्छे पार्टनर हैं'।

करण जौहर ने आगे लिखा है, 'पृथ्वीराज, हमने साथ मिलकर कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है और उम्मीद है कि आगे भी ऐसे कई प्रोजेक्ट्स पर साथ काम करेंगे। हमें अपनी फिल्म 'ओडियन' का एलान करते हुए गर्व हो रहा है, जिसे बेहद प्रतिभाशाली राहुल सदाशिवन डायरेक्ट कर रहे हैं। लोककथाओं पर आधारित डरावनी कहानियां कहने का उनका हुनर आज के सिनेमा के दौर में एक कमाल की बात है। इसे स्क्रीन पर साकार कर रही हैं शानदार मंजू वारियर और बेशक, हमारे पसंदीदा पृथ्वीराज'।

फिल्म 'ओडियन' का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता और सुप्रिया मेनन द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म केरल की लोक-कथाओं के एक डरावने 'शेप-शिफ्टर' (रूप बदलने वाले जीव) के बारे में है। उसका गुस्सा एक ताकतवर और महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवार पर टूट पड़ता है, जिससे सच और भ्रम के बीच एक ऐसी लड़ाई शुरू होती है जिसमें पौराणिक कथाओं, खतरे और मनोवैज्ञानिक गहराई का का संगम देखने को मिलता है। यह राहुल सदाशिवन का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बताया जा रहा है।

'हमारा कोई मुकाबला नहीं', अमाल मलिक के साथ तुलना पर क्या बोलीं तान्या मित्तल?

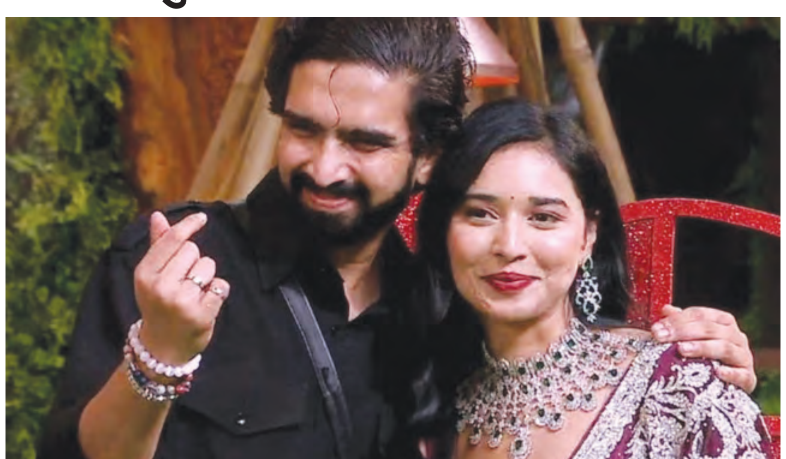

तान्या मित्तल अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अक्सर बातचीत करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अमाल मलिक से उनकी तुलना करने पर रिएक्शन दिया है।

सोशल मीडिया पर दिया बयान

बता दें कि 'बिग बॉस 19' शो के दौरान तान्या और अमाल मलिक के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिली थी, लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। अब शो खत्म हो चुका है और दोनों अपने-अपने काम में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके फैंस के बीच अक्सर बहस देखने को मिलती है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान तान्या ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की। जब एक फैन ने उनसे पूछा कि अब उनकी अमाल से क्या बातचीत होती है, तो तान्या ने कहा, 'मेरी अमाल से कोई बात नहीं होती।

मैं नहीं चाहती कि आप लोग मेरी और अमाल की तुलना करें। प्लीज। मुझे समझ आता है कि उनका मैनेजर या उनका फैनडम मेरे खिलाफ इतना क्यों बोलता है। क्योंकि मैं जानती हूं कि ये इंडस्ट्री कैसी है।'

हमारा कोई मुकाबला नहीं है उन्होंने आगे कहा, 'वो पिछले 10 साल से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने 'कबीर सिंह' से लेकर कई बड़े प्रोजेक्ट्स में काम किया है। और मैं कौन हूं? मैं तो बस 6 महीने पहले आई हूं। तो लोगों को लगेगा ही कि मुझे इतनी अहमियत क्यों दी जा रही है। लेकिन अमाल ऐसे नहीं हैं।

मैं उनके साथ 100 दिन रही हूं, वो बहुत अच्छे इंसान हैं। हमारा कोई मुकाबला नहीं है। अमाल सुपरस्टार हैं। मेरे लिए वो बहुत बड़े स्टार हैं, पहले इसलिए क्योंकि वो मेरे दोस्त थे और दूसरा इसलिए क्योंकि वो अमाल मलिक हैं।' तान्या ने इस दौरान भाग्यश्री और गुल्लू के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों को भी खारिज कर दिया और कहा कि उनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है। इन दिनों तान्या कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आ रही हैं, जिसे शिल्पा शेट्टी होस्ट कर रही हैं। इस शो में सुनीता आहूजा अपनी बेटी टीना आहूजा के साथ, उर्वशी ढोलकिया अपने बेटे क्षितिज ढोलकिया के साथ, गुल्लू अपनी मां मुनेश तनवर के साथ और भाग्यश्री शर्मा अपनी मां रिंजू शर्मा के साथ नजर आ रही हैं।

लिव-इन में रहने के बाद कपल्स को समझ आती हैं रिश्ते की ये बड़ी सच्चाई

आज के समय में रिलेशनशिप केवल डेटिंग, घूमने-फिरने या सोशल मीडिया पर रोमांटिक पोस्ट तक सीमित नहीं रह गया है। बहुत से मॉडर्न कपल्स अब एक-दूसरे को बेहतर समझने के लिए साथ रहने का विकल्प चुनते हैं। यह अनुभव जितना रोमांटिक दिखता है, उतना ही वास्तविक और सीख देने वाला भी होता है।

जब दो लोग एक ही घर में रहते हैं, तो उन्हें सिर्फ प्यार ही नहीं बल्कि जिम्मेदारियों, आदतों और रोजमर्रा की जिंदगी की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। यहां रिश्ते की असली परीक्षा शुरू होती है, कि बर्तन कौन धोएगा, खर्च कैसे मैनेज होगा, कौन कितना समझौता करेगा और पर्सनल स्पेस कैसे मिलेगा।

इसी दौरान कपल्स को एहसास होता है कि प्यार सिर्फ बड़े गिफ्ट या रोमांटिक डेट्स से नहीं चलता, बल्कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की चीजों से मजबूत होता है। कम्युनिकेशन, समझदारी और इमोशनल सपोर्ट रिश्ते को टिकाऊ बनाते हैं।

अगर आप भी किसी रिलेशनशिप में हैं या साथ रहने का सोच रहे हैं, तो ये 9 बातें आपको रियल लाइफ में रिश्ते को बेहतर समझने में मदद करेंगी।

बिल्स और बजट भी प्यार का हिस्सा हैं

सिर्फ रोमांस नहीं, बल्कि पैसे की प्लानिंग भी रिश्ते का अहम हिस्सा बन जाती है।

यह तब समझ आता है जब कपल एक साथ रहते हैं।

लिव-इन में रहने के बाद खर्चों, बजट, कौन वित्तीय स्थिति संभालेगा और कैसे उनके बजट की प्लानिंग होगी, जैसे विषय कपल के सामने आते हैं।

हर किसी की आदतें अलग होती हैं

एक की साफ-सफाई की परिभाषा दूसरे से बिल्कुल अलग हो सकती है।

साथ रहने के बाद कपल जान पाते हैं कि उनके पार्टनर की लाइफस्टाइल कैसी है।

पार्टनर सुबह कब उठता है, कब ब्रेकफास्ट और लंच करता है।

साफ सफाई और रोजमर्रा के कार्यों को लेकर कौन कितना सक्रिय है।

बातचीत ही सबसे बड़ा समाधान है

बात किए बिना गलतफहमियां बढ़ती हैं, इसलिए खुलकर बातचीत जरूरी है।

दूर रहने पर कपल फोन पर एक दूसरे को वक्त देते हैं

लेकिन साथ रहने पर पता चलता है कि उनके बीच संवाद किस स्तर का है।

कपल एक दूसरे से कितनी बात करते हैं, किस तरह का संवाद उनके बीच होता है, ये सच साथ रहने पर पता चलता है।

घर के काम की जिम्मेदारी

घर के दैनिक काम सिर्फ काम नहीं होते हैं।

ये पार्टनर को सपोर्ट करने और रिश्ते को समझने का तरीका भी होते हैं।

पार्टनर अगर घर के कामों को कर रहा है तो दूसरा उसके कितना सपोर्ट करता है?

या वो एक दूसरे के काम की कितना सम्मान करते हैं, इसका पता सिर्फ साथ रहने पर ही हो सकता है।

पर्सनल स्पेस बहुत जरूरी है

हर समय साथ रहना जरूरी नहीं।

थोड़ी दूरी भी रिश्ते को मजबूत बनाती है।

साथ रहने पर कपल जान पाते हैं कि उनका पार्टनर उन्हें कितना स्पेस देता है।

छोटे काम बड़े प्यार दिखाते हैं

कॉफी बनाना, मदद करना या ध्यान रखना, ये छोटी चीजें बड़ा असर डालती हैं।

साथ रहने पर ही पता चलता है कि आपका पार्टनर इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखता है या नहीं।

ग्रोसरी शॉपिंग एक टेस्ट जैसा होता है

जब कपल साथ रहते हैं तो उन्हें एक दूसरे की पसंद नापसंद को समझने का बेहतर मौका मिलता है।

घर के लिए खरीदारी करते हुए कपल को एक दूसरे के बारे में काफी आइडिया हो जाता है।

यहां एक-दूसरे की पसंद और समझ सामने आती है।

झगड़ा रिश्ता खत्म नहीं करता

साथ रहने पर झगड़े के बाद भी एक दूसरे के साथ वक्त बिताना होता है।

अलग रहने वाले कपल गुस्सा शांत होने तक एक दूसरे का सामना नहीं करते तो भी समस्या नहीं होती

लेकिन साथ रहने वाले कपल को झगड़े के बाद उसे सही तरीके से सुलझाना होता है।

यहां उनका असली टेस्ट होता है।

लिव-इन में सही तरीके से झगड़े सुलझाने पर रिश्ता और मजबूत होता है।

क्या आपको भी गुस्से पर नहीं रहता काबू? '90 सेकंड रूल' बदल सकता है आपकी जिंदगी

कविवर रहीम ने कहा था- 'बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय। रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय।'

यानी जैसे फटे हुए दूध से मक्खन नहीं निकाला जा सकता, वैसे ही एक बार बिगड़े रिश्ते या बात को लाख कोशिशों के बाद भी पूरी तरह सुधारा नहीं जा सकता। असल में, रिश्तों की डोर बहुत नाजुक होती है, जो कई बार गुस्से में कही गई बातों से टूट जाती है।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, ऐसी स्थिति में '90 सेकंड रूल' अपनाना मददगार साबित हो सकता है।

क्या है यह नियम?

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की न्यूरोएनाटॉमिस्ट, डॉ. जिल बोल्ट टेलर के अनुसार, जब हमें गुस्सा आता है, दुख होता है या कोई बात दिल को ठेस पहुंचाती है, तब हमारे मस्तिष्क में एक रासायनिक प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है।

इससे दिल की धड़कन तेज हो जाती है और भावनाएं अधिक तीव्र महसूस होने लगती हैं।

डॉ. टेलर के मुताबिक यह रासायनिक प्रतिक्रिया केवल 90 सेकंड तक रहती है।

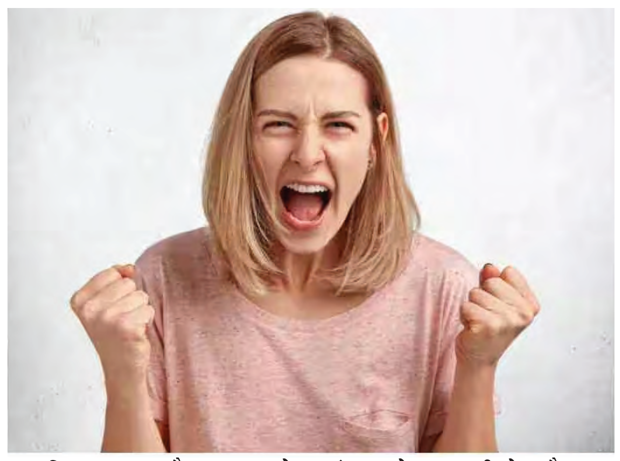

यदि आप इस दौरान खुद को शांत रखें और तुरंत प्रतिक्रिया न दें, तो गुस्से की तीव्रता धीरे-धीरे कम होने लगती है।

लेकिन यदि इसके बाद भी वही भावना बनी रहती है, तो उसका कारण उस बात को बार-बार मन में दोहराना हो सकता है।

भावनात्मक संतुलन का रखें खास ध्यान

अक्सर रिश्ते किसी बड़ी वजह से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी बातों पर दिए गए तीखे जवाबों के कारण टूटते हैं।

पति-पत्नी, दोस्ती या प्रेम संबंध, हर रिश्ते में भावनात्मक संतुलन बेहद जरूरी होता है। मान लीजिए, किसी करीबी ने आपसे ऐसी बात कह दी जिससे आपको ठेस पहुंची। यदि आप उसी समय गुस्से में प्रतिक्रिया देती हैं, तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

लेकिन यदि आप 90 सेकंड तक शांत रहकर गहरी सांस लें, पानी पीएं या कुछ देर चुप रहें, तो आपका दिमाग धीरे-धीरे सामान्य होने लगता है। इससे आप अधिक समझदारी और संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रख पाती हैं।

गुस्सा आए तो क्या करें?

जब भी किसी बात पर गुस्सा आए, खुद को याद दिलाएं कि यह भावना स्थायी नहीं है। आप धीरे-धीरे गहरी सांस लें और शरीर और दिमाग दोनों शांत करें। यह तनाव को कम करने में मदद करेगा।

चाहें तो उस समय मोबाइल, संगीत या थोड़ी वॉक का सहारा लें। इससे दिमाग नकारात्मक विचारों से बाहर आता है।

इसके बाद अपनी बात समझाने के लिए शब्दों का सही चयन करें।

इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि धीरे-धीरे यह आदत आपको अधिक धैर्यवान और समझदार बना देती है।

क्या है विशेषज्ञ की सलाह?

रिलेशनशिप काउंसलर स्नेहा मिश्रा कहती हैं, गुस्सा आना स्वाभाविक है, लेकिन उसे कैसे संभालना है, यही आपकी समझदारी और रिश्तों की परीक्षा होती है। हर रिश्ता प्यार, धैर्य और समझ से चलता है। ऐसे में केवल 90 सेकंड यानी डेढ़ मिनट का धैर्य कई साल पुराने रिश्ते को टूटने से बचा सकता है। इसलिए अगली बार जब भावनाएं हावी हों, तो बस 90 सेकंड रुकिए, संभव है आपका रिश्ता और भी मजबूत हो जाए।

व्यस्त रहने के फायदे ही नहीं बल्कि कई नुकसान भी, निकालेंगे खुद के लिए थोड़ा वक्त

कुछ लोग बहुत परिश्रमी होते हैं और अपने समय का सदुपयोग करने के लिए पूरे दिन व्यस्त रहते हैं। लेकिन कहीं यह व्यस्तता आपकी आदत तो नहीं बन गई है? हम लोग आज एक ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां व्यस्तता को आदर्श माना जाता है। यदि आप व्यस्त नहीं हैं तो आलसी और रचनात्मक नहीं हैं। यह आपकी नकारात्मकता को दर्शाता है। दिल्ली की रहने वाली शालिनी को भी ऐसा ही लगता है। जब भी कोई उससे पूछता है कि वह कैसी है तो उसका हमेशा एक ही जवाब होता है- "व्यस्त हूं! बाद में बात करती हूं।" क्या शालिनी की तरह आपका जवाब भी यही होता है? दरअसल, यह एक संकेत है कि आप व्यस्तता की आदी हो गई हैं?

24 घंटे भी कम

यदि आप हमेशा एक काम से दूसरे काम में भागती रहती हैं और ऐसा महसूस करती हैं कि आपके पास कभी पर्याप्त समय नहीं होता तो यह इस बात का संकेत है कि व्यस्तता ने आपके जीवन पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है। यह भावना आपको व्यस्त न होने पर अपराधबोध महसूस कराती है और आत्मविश्वास को कमजोर करती है।

अपनी देखभाल की उपेक्षा

अगर आप लगातार अपनी देखभाल का त्याग या जरूरतों की उपेक्षा कर रही हैं तो समय आ गया है कि आप खुद को समय दें।

असल में, व्यस्त शेड्यूल की वजह से महिलाएं अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसे में भोजन करना भूल जाना या पानी न पीना आपको बीमार कर सकता है।

हमेशा अतिरिक्त कार्य

क्या आपके जीवन में काम करने की कोई सीमा नहीं है? क्या आप काम पर या अपने निजी जीवन में अतिरिक्त कार्य करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं? आपको न कहना असंभव लगता है? इन सारी वजहों से आप खुद को प्रतिबद्धताओं से घिरा पाती हैं और व्यस्तता के जाल में फंसी रहती हैं, जो कि आपकी निजी और पेशेवर, दोनों ही जिंदगियों के लिए खतरा है।

कुशलता बनाम व्यस्तता

कई लोग छूट जाने या प्रॉडक्टिव न होने के डर से अपना शेड्यूल चरम सीमा तक पैक कर लेते हैं। उन्हें लगता है कि अगर ज्यादा काम नहीं किया तो सफलता नहीं मिलेगी। वहीं अगर आप लगातार अपनी प्रोडक्टिविटी को बाहरी मान्यता या अनुमोदन से जोड़कर देख रही हैं तो यह आप पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

खाली समय में तनाव

जब आपको छुट्टी या कुछ खाली समय मिलता है तो क्या आप इस खालीपन में बेचैनी महसूस करती हैं? इस दौरान आपको आराम करने और इस समय का आनंद लेने में परेशानी होती है, क्योंकि आपको लगता है कि कुछ महत्वपूर्ण काम छूट जाएगा? अगर ऐसा है तो यह आपके लिए बड़ी परेशानी है, जिस पर आपको ध्यान देना होगा।

भावनाओं को छुपाना

कई लोगों के लिए खुद को पूरे समय कार्यों में व्यस्त रखना, अपने जीवन की समस्याओं से बचने का एक तरीका होता है। असल में, जब हमारा दिमाग किसी कार्य में व्यस्त नहीं होता है तो उल्टे-सीधे विचार आने लगते हैं। लोग इसी तनाव से बचने के लिए व्यस्त रहने की कोशिश करते हैं।

आप मशीन तो नहीं

व्यस्त रहने की आदत आपके रिश्तों के साथ-साथ व्यक्तित्व पर भी नकारात्मक असर डालती है। इसलिए सबसे पहले आप इसकी वजह जानने का प्रयास करें कि क्या कारण है, जो आप इतनी व्यस्त हैं? असल में कई लोग व्यस्तता को आत्मरक्षा के रूप में इस्तेमाल करते हैं और खुद को उन लोगों से मिलने तथा समारोह में जाने से बचाते हैं, जिन्हें वे पसंद नहीं करते। वहीं इसका दूसरा पक्ष है खुद को कामगार दिखाकर दूसरों को आलसी दिखाना। लेकिन आपको इन सबसे ऊपर उठकर यह समझना होगा कि आप एक इन्सान हैं, कोई मशीन नहीं, जो दिन-रात किसी न किसी काम में व्यस्त रहें और अपने दिमाग को कूड़ेदान बना लें। इसलिए समय को व्यवस्थित करें।

क्या आपके घर के बड़े-बुजुर्ग भी हैं चिड़चिढ़े हो सकती है ये पांच वजह

परिवार का आशीर्वाद होते हैं बड़े-बुजुर्ग, लेकिन कई बार उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। आपको इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। परिवार में बड़े-बुजुर्गों का होना आशीर्वाद की तरह होता है, मगर कई परिवारों में बड़े-बुजुर्गों का स्वभाव चिड़चिड़ा

हो जाता है, जिस वजह से न सिर्फ वे खुद परेशान होते हैं, बल्कि परिवार का माहौल भी खराब होने लगता है। असल में, उम्र के साथ शरीर में कई हार्मोनल बदलाव होते हैं, जो मानसिक स्थिति पर भी असर डालते हैं और अवसाद एवं चिड़चिड़ेपन को जन्म देते हैं। लेकिन आप इसे उम्र का एक पड़ाव समझकर नजरअंदाज न करें, बल्कि इस पर ध्यान देकर उनके स्वभाव में नरमी ला सकती हैं।

बात कर परेशानी समझें

कोई भी कदम उठाने से पहले आप उनसे खुलकर बात करें और जानने की कोशिश करें कि वे किस कारण चिड़चिड़ा महसूस कर रहे हैं। हो सकता है कि वे किसी परेशानी से जूझ रहे हों। इसलिए आप उनकी भावनाओं को समझें। आप उन्हें अपने अनुभवों और चिंताओं को साझा करने का मौका दें, ताकि वे अकेला महसूस न करें और चिड़चिड़ापन उनके स्वभाव में न आए।

समय की कमी

स्वभाव में चिड़चिड़ापन आने की सबसे मुख्य वजह होती है उनकी बातों को न सुना जाना या नजरअंदाज कर देना। परिवार के बड़े-बुजुर्ग इस उम्र में अपनी जिम्मेदारियों से आजाद हो जाते हैं और अपनों के साथ कुछ वक्त बिताने की ख्वाहिश रखते हैं। वे चाहते हैं कि बस आप उनके साथ बैठें, उनके जीवन से जुड़े किस्सों और अनुभवों को जानें, मगर आपका और परिवार के अन्य सदस्यों का अपने कामों में व्यस्त रहना उन्हें परेशान करता है। इसलिए आप उनसे बात करें और नरमी भरे शब्दों में उन्हें अपनी स्थिति समझाएं। यकीनन, वे आपकी बात समझेंगे।

धैर्य से काम लें

जब आपको लगे कि उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो रहा है तो आपके लिए सबसे जरूरी है धैर्य से काम लेना। आपकी पीढ़ी और उनकी पीढ़ी अलग है, लेकिन आप उनकी सलाह को नजरअंदाज न करें, बल्कि उनके विचारों को महत्व दें और भावनाओं का सम्मान करें। आप उन्हें अहसास दिलाएं कि उनका इस घर में होना कितना महत्वपूर्ण है।

संवेदनशीलता और सहानुभूति

उम्र बढ़ने के साथ ही बुजुर्गों में कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याएं देखी जाती हैं, जिनसे जूझते हुए उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। इसलिए उनकी बातों को ध्यान से सुनें, उनके साथ संवेदनशीलता से पेश आएं और सहानुभूति दिखाएं। यह उन्हें खुशी का अहसास कराएगा और उनके स्वभाव को नरम भी बनाएगा।

अपने साथ शामिल करें

आप घर के बुजुर्गों को अपने साथ शामिल करें। उन्हें घरेलू गतिविधियों, बातचीत या उनके मनपसंद कार्यों में शामिल करें। यह उन्हें व्यस्त रखेगा, जिससे उनके स्वभाव में नरमी बनी रहेगी। इसके साथ ही हल्की-फुल्की सैर, योग या प्राणायाम जैसी गतिविधियां उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से अच्छा महसूस कराती हैं और मूड को भी स्थिर रखती हैं।

खुशियों के पल

रिलेशनशिप काउंसलर रुकैया जीरापुर बताती हैं, शारीरिक परेशानियों के अलावा बुजुर्गों पर कई ऐसी जिम्मेदारियां भी होती हैं, जिनको अब वे नहीं निभा सकते। खुद को ऐसे बंधा हुआ पाना उनके स्वभाव को चिड़चिड़ा बना देता है। इससे डील करने का यही तरीका है कि आप उनकी जिम्मेदारियों को समझें, समय का ध्यान रखें और उन्हें बखूबी निभाने का प्रयास करें, ताकि वे खुद को असहाय महसूस न करें। अक्सर माता-पिता को बस अपनी बात कहने की जरूरत होती है, इसलिए आप तसल्ली से उनकी बात सुनें और उनके विचारों को महत्व दें। साथ ही उनकी आर्थिक जरूरतों को पूरा करें, ताकि वे अपने भविष्य के बारे में चिंतित न हों। आप उन्हें सुरक्षित महसूस कराएं और उनकी पसंदीदा गतिविधियों में शामिल होकर उन्हें हंसाएं भी।

नौकरी की वजह से दूर हैं पति-पत्नी? भूलकर भी न करें ये गलतियां

आज के समय में नौकरी, पढ़ाई, बिजनेस या अन्य पारिवारिक कारणों से कई पति-पत्नी को अलग-अलग शहरों या देशों में रहना पड़ता है। इसे लॉन्ग डिस्टेंस मैरिज या लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप कहा जाता है। हालांकि तकनीक ने दूरियों को कम करने का काम किया है, लेकिन इसके बावजूद ऐसे रिश्तों में कई तरह की चुनौतियां सामने आती हैं।

जब पति-पत्नी लंबे समय तक एक-दूसरे से दूर रहते हैं तो गलतफहमियां, कम्युनिकेशन गैप, असुरक्षा की भावना और भावनात्मक दूरी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। कई बार छोटी-छोटी गलतियां रिश्ते में तनाव बढ़ा देती हैं और प्यार में दरार आने लगती है।

कम बातचीत

हर रिश्ते में संवाद जरूरी होता है। खासकर अगर कपल एक दूसरे से दूर हैं तो मीलों की दूरी उनके बीच कभी नहीं आए, इसलिए नियमित संवाद बेहद जरूरी है।

आप अपने पति या पत्नी से दूर कहीं भी रहें, लेकिन दिनभर की छोटी-बड़ी बातें शेयर करें।

समय-समय पर वीडियो कॉल और मैसेज के जरिए जुड़े रहें।

कई दिनों तक बिना बातचीत के न रहें।

संवाद की कमी गलतफहमियां बढ़ा सकती है।

भरोसे बनाना न भूलें

रिश्ते की सबसे मजबूत नींव विश्वास है। जब कपल एक दूसरे से दूर रहते हैं तो कई बार उनके मन में शक आ सकता है। ये गलती न करें, खासकर अगर आप लॉन्ग डिस्टेंस में हैं, वरना रिश्ते को संभालना मुश्किल हो जाता है।

हर समय पार्टनर पर शक न करें।

उनकी निजी जिंदगी और स्पेस का सम्मान करें।

बिना वजह निगरानी करने की आदत से बचें।

विश्वास रिश्ते को लंबे समय तक मजबूत बनाए रखता है।

व्यस्तता का बहाना न बनाएं

अगर आप अपने पार्टनर को समय न दे पाने, या उनसे बात न कर पाने पर व्यस्तता का बहाना बनाते हैं तो ये आपके रिश्ते के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद समय निकालें।

एक तय समय पर बातचीत करने की आदत बनाएं।

छोटे-छोटे सरप्राइज रिश्ते में गर्मजोशी बनाए रखते हैं।

समय की कमी भावनात्मक दूरी बढ़ा सकती है।

बहस न करें

जब आप दूर होते हैं, तो छोटी-छोटी बातों पर बहस से मुद्दे बड़े बन जात हैं। बहस करने से बचें।

छोटी बातों को बड़ा मुद्दा न बनाएं

हर असहमति को झगड़े में न बदलें।

गुस्से में फैसले लेने से बचें।

धैर्य और समझदारी से बात करें।

स्वस्थ संवाद रिश्ते को मजबूत बनाता है।

भविष्य की योजनाओं पर चर्चा न करना

एक साझा लक्ष्य रिश्ते को दिशा देता है।

कब और कैसे साथ रहेंगे, इस पर बात करें।

आर्थिक और पारिवारिक योजनाएं साझा करें।

भविष्य को लेकर स्पष्टता रिश्ते में सुरक्षा का भाव पैदा करती है।

साझा सपने रिश्ते को मजबूत बनाए रखते हैं।

बालों में ढेर सारा तेल लगाने के नुकसान हर किसी के लिए जानना है जरूरी

आपने अक्सर दादी-नानी को कहते सुना होगा कि बालों में जितना ज्यादा तेल लगाएंगे, उतना ही ज्यादा आपके बाल मजबूत बनेंगे। कई मायनों में ये सच भी है। पर, आज के समय में लोग बालों में तेल लगाने से बचते हैं। उनका मानना है कि बालों में ज्यादा तेल लगाने से कई नुकसान झेलने पड़ सकते है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक तो आजकल बिना केमकल वाला हेयर ऑयल आपको मिलेगा नहीं, दूसरी वजह है लगातार बढ़ता प्रदूषण।

लगातार बढ़ते प्रदूषण के बीच अगर आप रोजाना अपने बालों में ढेर सारा तेल लगाएंगे तो ये आपके बालों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है, जिनके बारे में आपको भी जरूर पता होना चाहिए। यहां आज हम आपको इसी बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। इस लेख में हम आपको ज्यादा तेल लगाने से होने वाले 5 बड़े नुकसानों के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्कैल्प पर जमेगा तेल

अक्सर लोग बालों में हर रोज तेल लगाते हैं। ज्यादा तेल लगाने से स्कैल्प की त्वचा अत्यधिक तैलीय हो सकती है, जिससे बाल चिपचिपे और भारी महसूस होते हैं। इससे बाल कमजोर होने लगते हैं।

पोर्स का बंद होना

अगर आप बालों पर अत्यधिक तेल का इस्तेमाल करते हैं तो ये आपकी स्कैल्प के पोर्स को बंद कर सकता है, जिससे बालों के विकास में बाधा आ सकती है और डैंड्रफ की समस्या हो सकती है।

बालों में गंदगी होगी जमा

बहुत ज्यादा तेल लगाने से बालों में धूल और गंदगी जल्दी चिपकती है, जिससे बालों में संक्रमण और खुजली हो सकती है। खुजली की समस्या से आपको काफी परेशानी का सामना करना पड़ा सकता है।

बालों का झड़ना

अत्यधिक तेल लगाने से बालों की जड़ों में वजन बढ़ सकता है, जिससे बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं। कई बार ऐसा होता है कि ज्यादा तेल बालों में जमने लगता है तो उससे बाल कमजोर हो जाते हैं, जिस कारण बाल झड़ने लगते हैं।

क्या ईरान को फिर से बसाने के लिए अमेरिका देगा 300 अरब डॉलर? डोनाल्ड ट्रंप ने खुद बताई सच्चाई

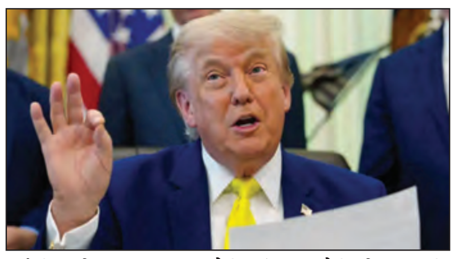

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन तमाम खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि वाशिंगटन प्रशासन ईरान को पुनर्निर्माण के लिए एक मोटी रकम देने की योजना बना रहा है. ट्रंप ने इन दावों को पूरी तरह 'फेक न्यूज' करार दिया है और इसका ठीकरा विपक्षी 'डेमोक्रेट्स' पार्टी पर फोड़ा है. दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ट्रंप प्रशासन ईरान में वैश्विक कंपनियों के निवेश को बढ़ावा देने के लिए 300 अरब डॉलर का एक बड़ा फंड बनाने पर विचार कर रहा है.

ट्रुथ सोशल पर ट्रंप का पलटवार

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट लिखकर इस खबर का खंडन किया. ट्रंप ने लिखा कि अमेरिका द्वारा ईरान को 300 मिलियन डॉलर दिए जाने की कहानी पूरी तरह से मनगढ़ंत है, जिसे विरोधियों द्वारा फैलाया जा रहा है. ट्रंप प्रशासन के इस कड़े रुख से साफ हो गया है कि अमेरिका फिलहाल ईरान को सीधे तौर पर कोई भी वित्तीय मदद देने के मूड में नहीं है.

दरअसल, मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यह 300 अरब डॉलर का प्रस्तावित फंड ईरान की सरकार को सीधे नकद भुगतान करने के लिए नहीं था. इसका मुख्य मकसद उन वैश्विक कंपनियों को निवेश की सुरक्षा और सुविधा देना था, जो प्रतिबंध हटने के बाद ईरान के बाजार में उतरना चाहती हैं. रिपोर्ट में एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया था कि यह पूरी योजना इस शर्त पर टिकी थी कि ईरान परमाणु समझौते सहित सभी विवादों को खत्म करने के लिए एक अंतिम समझौते पर राजी हो. इस फंड में यूरोप, एशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और खुद अमेरिकी कंपनियों के दिलचस्पी दिखाने की बात कही जा रही थी, बशर्ते ईरान स्विट्जरलैंड में होने वाले समझौते के नियमों का पूरी तरह पालन करे.

प्रतिबंधों में चरणबद्ध राहत का प्लान

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी इस मामले पर संकेत दिए थे कि पुनर्निर्माण फंड तक ईरान की पहुंच तभी संभव होगी, जब वह अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह निभाएगा. अमेरिकी प्रशासन के अनुसार, विदेशों में फ्रीज (जब्त) की गई ईरान की संपत्तियों को चरणबद्ध तरीके से छोड़ना पूरी तरह से परमाणु वार्ता की प्रगति पर निर्भर करेगा. हालांकि, शुरुआत में भरोसा कायम करने के लिए अमेरिका छोटी वित्तीय राहत के रूप में कुछ कदम उठा सकता है. अधिकारियों ने यह भी पूरी तरह साफ किया है कि जब से ट्रंप, वेंस और ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने वर्चुअली दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं, तब से ईरान को एक भी डॉलर नहीं दिया गया है. अमेरिका का मुख्य ध्यान सिर्फ और सिर्फ ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगाने पर है.

अंबानी और मित्तल आमने-सामने!

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। टेलीकॉम कंपनियों के 5जी सर्विस के लिए 15,000 करोड़ में 26जीएचज़ेड स्पेक्ट्रम था। लगभग चार साल पहले खरीदे गए स्पेक्ट्रम पर अब विवाद खड़ा होता दिख रहा है। यह विवाद है कि क्या इस बैंड का इस्तेमाल वाईफ़ाई-बेस्ड ब्रॉडबैंड के लिए किया जा सकता है नहीं। भारती एयरटेल लिमिटेड ने रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के उस प्रस्ताव का विरोध किया है जिसमें इस स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल करके वाईफ़ाई सर्विस शुरू करने की बात कही गई है।

एयरटेल का तर्क है कि इस कदम से उसके मौजूदा मोबाइल नेटवर्क में रुकावट (इंटरफेरेंस) आ सकती है और यह ग्लोबल टेलीकॉम स्टैंडर्ड्स के मुताबिक भी नहीं है।

हाई-पावर वाई-फाई लगाने से रेडिएशन बढ़ने की चिंता

यह चिंता भी जताई गई है कि इस बैंड में हाई-पावर वाई-फाई लगाने से रेडिएशन का लेवल बढ़ सकता है, जिससे लोगों की सेहत पर असर पड़ सकता है और आस-पास के सैटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम में रुकावट आ सकती है।

जियो का 2025 का प्रस्ताव टेलीकम्युनिकेशन विभाग को तब मिला, जब दुनिया भर में 5जी सेवाओं में 26जीएचजेड बैंड का इस्तेमाल कम देखा गया; इसकी वजह इसे लगाने की ज़्यादा लागत और कंज्यूमर डिवाइस का कम सपोर्ट था। वाईफ़ाई के लिए स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल करने से कंपनी कम लागत में होम ब्रॉडबैंड और एंटरप्राइज कनेक्टिविटी दे पाएगी।रेडिएशन की समस्याओं से बचने के लिए पावर लिमिट तय की जाएंगी और सेवाओं के बीच सिग्नल के फैलने और रुकावट को रोकने के लिए 200एमएचजेड का गार्ड बैंड होगा।

भारत उन शुरुआती देशों में से एक है जो नीलाम किए गए मोबाइल सर्विस बैंड में वाईफ़ाई-बेस्ड टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर विचार कर रहा है। अब तक, वाईफ़ाई का इस्तेमाल बिना लाइसेंस वाले 2.4 और 5जीएचज़ेड बैंड और हाल ही में खोले गए निचले 6जीएचज़ेड बैंड में किया जाता रहा है। एयरटेल का विरोधः सरकार के साथ कई बैठकों और एक डेमो के दौरान, एयरटेल ने तर्क दिया कि इस नई टेक्नोलॉजी को मंज़ूरी मिलने से पहले 3rd जेनरेशन पार्टनरशिप प्रोजेक्ट के नियमों का पालन करना जरूरी है।

ग्लोबल मोबाइल स्टैंडर्ड

3जीपीपी, 3जी, 4जी, 5जी और आईओटी के लिए ग्लोबल मोबाइल स्टैंडर्ड तय करता है। जियो वाई-फाई के लिए 26जीएचज़ेड बैंड का इस्तेमाल करने के लिए जरूरी इक्विपमेंट और टेक्नोलॉजी के साथ तैयार है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी

सेंसेक्स 544 अंक उछला, निफ्टी भी मजबूत

मुंबई,16 जून (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी का शानदार सिलसिला जारी रहा और मंगलवार को बाजार एक मजबूत बढ़त के साथ बंद हुआ। टेक्नोलॉजी और घरेलू मांग वाले सेक्टर्स में भारी खरीदारी के दम पर सेंसेक्स और निफ्टी ने निवेशकों को खुश कर दिया है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि आज बाजार की इस दमदार क्लोजिंग का पूरा गणित क्या रहा, किन कंपनियों ने बाजार को सपोर्ट किया और किन सेक्टर्स ने निवेशकों को निराश किया। मंगलवार (16 जून) को कारोबारी सत्र के अंत में, बीएसई सेंसेक्स 544.15 अंकों (0.71%) की मजबूत छलांग लगाते हुए 76,808.48 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी पीछे नहीं रहा और यह 135.25 अंक (0.57%) उछलकर 23,989.15 के स्तर को पार कर गया। यह लगातार तीसरा कारोबारी दिन है जब बाजार ने एक बेहतरीन बढ़त के साथ अपनी क्लोजिंग दी है।बाजार की इस तेजी में देश की दिग्गज कंपनियों ने अहम भूमिका निभाई। फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर और ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज एनटीपीसी के शेयरों में 2-2 फीसदी की शानदार तेजी दर्ज की गई। व्यापक तौर पर देखें तो बाजार का सेंटीमेंट काफी सकारात्मक बना हुआ है, जिसमें 'आईटी' सेक्टर आज सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बनकर उभरा है। आईटी सेक्टर के शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ मीडिया सेक्टर में भी निवेशकों की ओर से अच्छी खरीदारी देखने को मिली। इसके अलावा, फाइनेंशियल और एफएमसीजी सेक्टर्स ने भी मामूली बढ़त के साथ बाजार को अहम सपोर्ट दिया, जो यह दर्शाता है कि निवेशकों के बीच चुनिंदा रिस्क लेने की क्षमता बरकरार है। हालांकि, बाजार में हर तरफ हरियाली नहीं थी। मेटल्स, हेल्थकेयर, सीमेंट और फार्मा सेक्टर्स में आज भारी कमजोरी हावी रही, जिसने बाजार की और बड़ी उड़ान पर कुछ हद तक ब्रेक लगाने का काम किया।

भारतीय बाजार की इस शानदार तेजी के विपरीत, ग्लोबल मार्केट्स में आज सुस्ती और मिला-जुला रुझान देखने को मिला। एशियाई बाजारों में जापान का टॉपिक्स इंडेक्स 0.2% गिर गया, जबकि हांगकांग के हैंग सेंग में 1.2% की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200, शंघाई कंपोजिट, और अमेरिका के एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में लगभग कोई बदलाव नहीं हुआ।

पीएफ का 8.25% ब्याज खाते में कब आएगा?

पासबुक चेक करने से पहले जान लें पैसे आने की पूरी प्रक्रिया

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ब्याज दर को 8.25% पर बरकरार रखा है. केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में 28 फरवरी 2026 को ही सीबीटी की बैठक में इस दर पर मुहर लग गई थी. यह लगातार तीसरा साल है जब सरकार समर्थित इस रिटायरमेंट स्कीम में इतना शानदार रिटर्न मिल रहा है. अब जून का महीना चल रहा है. ऐसे में देश के करोड़ों कर्मचारी अपनी पासबुक देखकर यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि उनका मुनाफा खाते में जुड़ा या नहीं. अगर आप भी पीएफ में ब्याज के पैसे का इंतजार कर रहे हैं, तो आपके लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि यह पैसा कब तक आपके खाते में रिफ्लेक्ट होगा. ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2025-26 का ब्याज ट्रांसफर करने की कोई पक्की तारीख तय नहीं की है. हालांकि, पिछले कुछ सालों के ट्रेंड से हम इसका सटीक अंदाजा लगा सकते हैं. पिछले साल वित्त मंत्रालय ने मई 2025 में 8.25% की ब्याज दर को मंजूरी दी थी. इसके बाद जून में खातों को अपडेट करने का काम शुरू हुआ था. जुलाई की शुरुआत तक ज्यादातर खाताधारकों को ब्याज का पैसा मिल गया था. अगर इस बार भी यही पैटर्न रहता है, तो आने वाले कुछ ही हफ्तों में आपके पीएफ खाते में ब्याज का पैसा दिखना शुरू हो जाएगा. यह पूरी तरह से सरकार की अंतिम मंजूरी मिलने की रफ्तार पर निर्भर करेगा. ब्याज दर की घोषणा होते ही पैसा तुरंत आपके खाते में नहीं आ जाता. सीबीटी की सिफारिश के बाद प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजा जाता है. वहां से हरी झंडी मिलने के बाद ही ईपीएफओ ब्याज की गणना शुरू करता है. यह काम काफी बड़े पैमाने पर होता है. ईपीएफओ दुनिया के सबसे बड़े रिटायरमेंट फंड्स में से एक है. इसके 7 करोड़ से ज्यादा एक्टिव मेंबर्स हैं. हर खाते में मासिक योगदान, एडवांस निकासी समेत फंड ट्रांसफर का पूरा हिसाब लगाने के बाद ही अंतिम रकम पासबुक में दर्ज की जाती है.

जीएसटीएन ई-वे बिल में होने जा रहे 2 बड़े बदलाव

व्यापारियों और ट्रांसपोर्टर्स के लिए क्या हैं जरूरी बातें?

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। देश में जीएसटी लागू हुए 09 साल पूरे होने वाले हैं। समय-समय पर इसे लेकर कई बदलाव भी देखे गए हैं। इन दिनों चर्चा ई-वे बिल को लेकर है। ज्यादातर लोगों को अभी भी इसके बारे में कम जानकारी है। बता दें कि ई-वे बिल एक डिजिटल दस्तावेज है, जिसे माल की ढुलाई के लिए जीएसटी प्रणाली के तहत बनाया जाता है। ई-वे बिल यह बताता है कि एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजा जा रहा माल जीएसटी नियमों का पालन कर रहा है। अब ई-वे बिल में नए बदलाव होने जा रहे हैं।

ई-वे बिल किसके लिए जरूरी है?

ई-वे बिल 50 हजार से अधिक कीमत के माल की ढुलाई के लिए जरूरी होता है। बता दें कि माल भेजने वाला व्यक्ति, माल प्राप्त करने वाला, और रजिस्टर्ड ट्रांसपोर्टर, ई-वे बिल जनरेट कर सकता है। जो ट्रांसपोर्टर रजिस्टर्ड नहीं हैं वे भी साझा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराकर अपने ग्राहकों के लिए माल परिवहन हेतु ई-वे बिल जनरेट कर सकता है। यदि माल का मूल्य 50,000 से अधिक है और व्यापारी ने ई-वे बिल नहीं बनाया है, तो ट्रांसपोर्टर की जिम्मेदारी होती है कि वह इसे जनरेट करे।

ई-वे बिल में क्या-क्या जानकारी होती है?

ई-वे बिल के 2 पार्ट होते हैं। पार्ट ए में सप्लायर का जीएसटीआईएन, खरीदार का जीएसटीआईएन, चालान नंबर, माल का मूल्य, एचएसएन कोड और माल डिलेवर करने के स्थान की जानकारी लिखी होती है। इसके साथ ही पार्ट बी में ट्रांसपोर्टर की जानकारी और माल ढोने वाले वाहन की जानकारी लिखी होती है।

ई-वे बिल के क्या फायदे हैं?

ई-वे बिल का उद्देश्य माल ढुलाई की निगरानी करना है। इससे टैक्स की चोरी पर रोक लगती है। खरीदार और ट्रांसपोर्ट अपने माल और वाहन को ट्रैक कर सकते हैं। चेकपोस्ट पर समय कम लगता है जिससे ना सिर्फ समय और ईंधन की बचत होती, बल्कि कागजी कार्रवाई से भी छुटकारा मिलता है। बता दें कि पूरे देश में एक समान व्यवस्था लागू है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शाक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणं /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-45 सूर्यास्त 18-47
भोग्य कलि वर्ष - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि प्रारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ला पक्ष बुधवार 17 June 2026
तिथि - तृतीया 21-39 तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - पुनर्वसु 13-37 रात्रि तक उप पुष्य
योग. - ध्रुव 20-51 तक उप व्याघात
करण - तैतिल 11-12 तक उप गर
विशेष:

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	में	मिथुन---	03-38 बजे
चंद्र	मिथुन	में	कर्क---	05-38 बजे
मंगल	मेष	में	सिंह---	07-51 बजे
बुध	मिथुन	में	कन्या---	10-03 बजे
गुरु	कर्क	में	तुला---	12-10 बजे
शुक्र	कर्क	में	वृश्चिक---	14-15 बजे
शनि	मीन	में	धनु---	16-25 बजे
राहु	कुंभ	में	मकर---	18-30 बजे
केतु	सिंह	में	कुंभ---	20-44 बजे
			मीन---	22-38 बजे
			मेष---	00-13 बजे
			वृष---	01-49 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-17 से 13-56 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघडिया			रात का चौघडिया		
लाभ	05-45 - 07-22	शुभ	उत्पात	18-47 - 20-13	अशुभ
अमृत	07-22 - 09-00	शुभ	शुभ.	20-14 - 21-34	शुभ
काल	09-00 - 10-39	अशुभ	अमृत	21-34 - 22-56	शुभ
शुभ	10-39 - 12-17	शुभ	चंचल	22-56 - 00-17	शुभ
रोग	12-17 - 13-56	अशुभ	रोग	00-17 - 01-39	अशुभ
उत्पात	13-56 - 15-34	अशुभ	काल	01-39 - 03-00	अशुभ
चंचल	15-34 - 17-12	शुभ	लाभ	03-00 - 04-22	शुभ
लाभ	17-12 - 18-47	शुभ	उत्पात	04-22 - 05-45	अशुभ

एलन मस्क का महा-धमाका! महज 24 घंटे में कमा ली वॉरेन बफे जितनी दौलत, दुनिया रह गई दंग

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। दुनिया के पहले और इकलौते ट्रिलियनेयर एलन मस्क की पर्सनल दौलत एक ही दिन में 164 अरब डॉलर बढ़ गई, जिसने बिलियनेयर इन्वेस्टर वॉरेन बफेट की पूरी जिंदगी की दौलत को पीछे छोड़ दिया। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, स्पेसएक्स के शेयरों में जबरदस्त तेजी के बाद मस्क की नेट वर्थ 1.27 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई, जिससे दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर के तौर पर उनका स्टेटस और पक्का हो गया। एक दिन की बढ़त के पैमाने को समझने के लिए, बफेट की पूरी नेट वर्थ 148 बिलियन डॉलर है। इस नई बढ़त के साथ, मस्क ने दुनिया के अगले सबसे अमीर लोगों के सामने एक ऐतिहासिक खाई खोल दी है। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 314 बिलियन डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं, उनके ठीक पीछे सर्गेई ब्रिन 292 बिलियन डॉलर और अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस 267 बिलियन डॉलर के साथ हैं। ऐतिहासिक दौलत बनाने के पीछे की वजह शेयर बाजार में स्पेसएक्स का ब्लॉकबस्टर परफॉर्मेंस था। रॉकेट-टू-एआई ग्रुप के शेयर सोमवार को 19.6 फीसदी बढ़कर 192.46 डॉलर पर बंद हुए। यह रिकॉर्ड तोड़ने वाले आईपीओ के बाद ट्रेडिंग का उनका दूसरा दिन था। इससे पहले शुक्रवार को नैस्डैक में उनके डेब्यू के दौरान 19 फीसदी की बड़ी उछाल आई थी, जिससे स्पेसएक्स ऑफिशियली मार्केट वैल्यू के हिसाब से अमेरिका की छठी सबसे बड़ी फर्म बन गई थी। रॉकेट, एआई और इंटरनेट की इस बड़ी कंपनी ने पहले 135 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से 555.56 मिलियन शेयर बेचकर रिकॉर्ड 75 बिलियन डॉलर जुटाए थे, जो ग्रीनशू ऑप्शन इस्तेमाल होने से पहले ही इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ था। मस्क की ज़बरदस्त दौलत का बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर एयरोस्पेस की बड़ी कंपनी में उनकी ओनरशिप हिस्सेदारी से जुड़ा है। रेगुलेटरी फाइलिंग से पता चलता है कि मस्क के पास स्पेसएक्स के लगभग 4.8 बिलियन शेयर और लगभग 350 मिलियन स्टॉक ऑप्शन हैं।

कुल मिलाकर, यह 38 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी उनकी फाइनेंशियल बढ़त का मुख्य इंजन बन गई है।कंपनी को लेकर वॉल स्ट्रीट की उम्मीद वीकेंड में तब और बढ़ गई जब सीईओ एलन मस्क ने रविवार को कहा कि स्पेसएक्स 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर का रेवेन्यू ला सकता है। यह बड़ा टारगेट तब आया जब स्पेसएक्स ने 2025 में 18.7 बिलियन डॉलर का रेवेन्यू बताया और अभी तक प्रॉफिट नहीं कमाया है। हालांकि, मार्केट पार्टिसिपेंट्स जल्द ही सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। एनालिस्ट और पोर्टफोलियो मैनेजर्स ने कहा कि इन्वेस्टर्स को ज्यादा उतार-चढ़ाव के लिए तैयार रहना चाहिए, खासकर स्पेसएक्स के एक पब्लिक कंपनी के तौर पर शुरुआती दौर में, क्योंकि इसका फ्लोट काफी छोटा है और वैल्यूएशन बहुत ज्यादा है। इन स्ट्रक्चरल चिंताओं के बावजूद, इंस्टीट्यूशनल डिमांड स्टॉक को आगे बढ़ा सकती है। यह रैली जारी रहने की अच्छी स्थिति में है क्योंकि स्पेसएक्स को नैस्डैक 100 इंडेक्स में तेजी से शामिल किया जा रहा है। इस कदम से स्टॉक तुरंत पैसिव फंड्स और एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स के लिए एक जरूरी, बड़ी होल्डिंग बन जाएगा जो गेज को ट्रैक कर रहे हैं। इंस्टीट्यूशनल खरीदारी के दबाव को बढ़ाते हुए, एफटीएसई रसेल और एमएससीआई भी स्पेसएक्स को अपने-अपने ग्लोबल इंडेक्स में जोड़ने वाले हैं, जो 26 जून और 29 जून से लागू होंगे।

भारत-जापान की जुगलबंदी देगी चीन को झटका

आंध्र प्रदेश में खड़ा होगा 'रेयर अर्थ' का नया साम्राज्य

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। भारत और जापान की जुगलबंदी आने वाले दिनों में एशिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी चीन के लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती है। उसका सबसे बड़ा कारण है भारत में रेयर अर्थ्स प्रोडक्शन। जिसमें जापान की बड़ी कंपनी साथ दे रही है। दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश में जापानी कंपनी 2250 करोड़ रुपए का निवेश करने जा रही है। भारत का प्लान है कि जिस तरह से भारत सेमीकंडक्टर के मोर्चे पर आत्मनिर्भर की राह पर निकल पड़ा है। उसी तरह से रेयर अर्थ्स के मोर्चे पर भी आगे बढ़े। ताकि इंटरनेशनल मार्केट से चीन की मोनोपॉली को खत्म किया जा सके। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस तरह की रिपोर्ट सामने आई है। एडवांस्ड मटीरियल्स के सेक्टर में दुनिया की दिग्गज कंपनी, जापान की 'प्रोटेरियल', आंध्र प्रदेश में 2,250 करोड़ के निवेश से 'रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट' बनाने का प्लांट लगाएगी। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, यह कदम भारत की लोकल 'रेयर अर्थ वैल्यू चेन' बनाने और चीनी सोर्स पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह प्रोजेक्ट अनाकापल्ली जिले के अच्युतापुरम में लगाया जाएगा। यहां हर साल 1।2 किलो टन 'सिंटर्ड नियोडिमियम-आयरन-बोरॉन' परमानेंट मैग्नेट बनाए जाएंगे। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, विंड टर्बाइंस, इंडस्ट्रियल मोटर्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और डिफेंस सिस्टम में इस्तेमाल होने वाले सबसे जरूरी पार्ट्स में से एक हैं। राज्य की 'इन्वेस्टमेंट प्रमोशन कमेटी' ने पिछले हफ्ते हुई बैठक में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। यह प्रस्तावित निवेश ऐसे समय में हो रहा है जब भारत इम्पोर्टेड 'रेयर अर्थ मैग्नेट' पर निर्भरता कम करने और रणनीतिक सेक्टर में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। केंद्र सरकार ने हाल ही में 'सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट' के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक खास इंसेंटिव प्रोग्राम को मंजूरी दी है, जो इस सेक्टर के राष्ट्रीय महत्व को दिखाता है। कंपनी ने सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। प्रोटेरियल (जिसे पहले हिताची मेटल्स के नाम से जाना जाता था) को एनडीफेबी मैग्नेट टेक्नोलॉजी में दुनिया की अग्रणी कंपनियों में से एक माना जाता है और यह दुनिया भर में एडवांस्ड मैग्नेटिक मटीरियल्स की प्रमुख सप्लायर है। इस जापानी कंपनी ने पिछले साल 45,000 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू दर्ज किया था और यह नॉर्थ अमेरिका, यूरोप, चीन और एशिया में काम करती है।

चांदी 4,421 गिरकर 2.47 लाख पर आई

सोना 552 सस्ता होकर 1.50 लाख का 10 ग्राम हुआ, कैरेट के हिसाब से कीमत

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में 16 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 4,421 रुपए गिरकर 2.47 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले इसकी कीमत 2.51 लाख रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 552 रुपए गिरकर 1.50 लाख रुपए पर आ गया है।

सोना-चांदी इस साल 17 हजार महंगे हो चुके

हालांकि इस साल सोने-चांदी की कीमत बढ़ी है। सोना-चांदी 2026 में अब तक 17 हजार रुपए महंगे हो चुके हैं। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.50 लाख रुपए पर है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.47 लाख रुपए पर है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ठ कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है , जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा । आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो आपको अपने सामान्य ज्ञान का अच्छा परिचय देना होगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं, जिससे यह निर्णायक कार्रवाई के लिए एक उत्पादक समय बन गया है। आपके विचार तीखे हैं, और आपके शब्द प्रभावशाली हैं, जिससे आप प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं या प्रभावी ढंग से सहयोग कर सकते हैं। बस जल्दबाजी न करें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप का निशाना तीर पर जाकर लगेगा और आपने जो चाहा था वो आपको मिलेगा । बस आप अपना धैर्य बनाए रखें क्यों की आपके बैठने की जगह में परिवर्तन आ सकता है या आपको एक नयी जगह पर कार्य करना पड़ सकता है । आपकी धारणा के विपरीत इस नए कार्यालय में आपके आत्मविश्वास और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है । हालाँकि आप अवगत नहीं है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपने कार्यस्थल पर दृढ़ संकल्प और भावनात्मक अंतर्दृष्टि लाते हैं, अपने गंभीर और जमीनी दृष्टिकोण के लिए सम्मान अर्जित करते हैं। भविष्य की सफलता के लिए मजबूत नींव रखने का यह एक अच्छा समय है। हालाँकि आपकी संवेदनशीलता को गलत समझा जा सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपका कार्य जीवन तनावपूर्ण लग सकता है। सिंह राशि में सूर्य आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, लेकिन मकर राशि में चंद्रमा आपको जमीन से जुड़े रहने की याद दिलाता है। चंद्रमा वर्ग मंगल के कारण आवेगपूर्ण निर्णय हो सकते हैं, इसलिए प्रतिक्रिया करने से पहले रुकें। शनि का विरोध करने वाला मंगल अधिकार के साथ तनाव का संकेत देता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज, आप सुरक्षात्मक और भावनात्मक रूप से जागरूक दोनों महसूस कर सकते हैं। जब आप साधन संपन्न होते हैं, तो आत्म-दया के क्षण आ सकते हैं। एक स्थिर, सतर्क मानसिकता आपको परिवर्तन को नेविगेट करने में मदद करती है, हालांकि लचीलापन एक चुनौती हो सकती है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है। आपका परिश्रम आज फल दे सकता है , लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

राहुल गांधी के कोटा दौरे से पहले गहलोत का बीजेपी पर आरोप, बोले- बौखला गई है भाजपा

जयपुर, 16 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 17 जून को राजस्थान के कोटा शहर में आ रहे हैं। उनके इस दौरे से पहले राज्य की राजनीति में भारी गरमा-गर्मी पैदा हो गई है। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

अशोक गहलोत का दावा है कि राहुल गांधी के 'छात्र संवाद' कार्यक्रम को लेकर युवाओं और छात्रों में बहुत ज्यादा उत्साह है। बड़ी संख्या में छात्र इस कार्यक्रम में शामिल होना चाहते हैं। गहलोत का आरोप है कि छात्रों के इस भारी उत्साह को देखकर बीजेपी पूरी तरह बौखला गई है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया (एक्स) पर लिखा, कोटा में 17 जून को नीट पेपर लीक के विरोध में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री @राहुल गांधी विद्यार्थियों से संवाद करने आ रहे हैं। इस कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों और कार्यकर्ताओं में बड़ा जोश है एवं बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स इस कार्यक्रम में शामिल होना चाहते हैं।

इस कार्यक्रम को लेकर युवाओं के उत्साह को देखकर भाजपा पूरी तरह बौखला गई है और कोटा सांसद एवं लोकसभा स्पीकर के कार्यालय से फोन कर कोचिंग, पीजी और गेस्ट हाउस संचालकों को धमकाया जा रहा है कि उनके यहां से कोई विद्यार्थी इस कार्यक्रम में न जाए। स्पीकर जैसे गरिमामयी पद पर विराजमान व्यक्ति को ऐसी सोच नहीं रखनी चाहिए। विद्यार्थियों के साथ नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा के संवाद की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को रोकने का ऐसा प्रयास निंदनीय है।

कांग्रेस के मुताबिक, राहुल गांधी का यह कोटा दौरा देश के युवाओं और छात्रों की समस्याओं को उठाने के लिए है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नीट-यूजी पेपर लीक का मामला और परीक्षा व्यवस्था की कमियां, देश में लगातार हो रहे पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी और युवाओं के रोजगार व नौकरियों से जुड़े जरूरी सवाल पर चर्चा होगी।

कांग्रेस इस कार्यक्रम के जरिए युवाओं की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहती है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कोटा का यह कार्यक्रम तो बस शुरुआत है। इसके बाद देश के अन्य बड़े कोचिंग और शिक्षा केंद्रों में भी ऐसे छात्र सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

मानसून की एंट्री से पहले ही बारिश ने तोड़ा 3 साल का रिकॉर्ड
आईएमडी ने बताया-अल नीनो हो सकता है एक्टिव

चित्तौड़गढ़, 16 जून (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले में इस बार मानसून के आने से पहले ही मेघ मेहरबान हैं। मानसून ने अभी औपचारिक दस्तक नहीं दी है, लेकिन जून महीने के शुरुआती 15 दिनों में ही शहर से लेकर गांवों तक रिकॉर्ड तोड़ 88 मिमी (3.46 इंच) वर्षा दर्ज की जा चुकी है। प्री-मानसून की इस बारिश ने पिछले तीन साल का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। यह स्थिति उन तमाम पारंपरिक कयासों और गणनाओं पर भारी पड़ती नजर आ रही है, जिनमें इस बार 'नौतपा गलने' के कारण कम बारिश होने का अंदेशा जताया जा रहा था।

भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) के अनुसार, चित्तौड़गढ़ और मेवाड़ संभाग में मानसून 22 से 25 जून के बीच किसी भी समय दस्तक दे सकता है। मानसून के आगमन के दौरान होने वाली झमाझम बारिश से इस बार पूरे जून महीने में वर्षा का एक नया कीर्तिमान स्थापित हो सकता है। यदि पिछले चार वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण करें, तो इस साल जून के शुरुआती आधे महीने ने ही पिछले साल यानी 2025 के पूरे जून महीने के रिकॉर्ड (75 मिमी) को बहुत पीछे छोड़ दिया है। वर्ष 2024 के पूरे जून माह में कुल 91.2 मिमी बारिश हुई थी, जिसके बेहद करीब यह आंकड़ा महज 15 दिनों में ही पहुंच गया है। हालांकि, वर्ष 2023 में 'बिपरजॉय' चक्रवात के असर से 1 से 16 जून के बीच बारिश हुई थी, जिससे इस साल का ग्राफ अभी थोड़ा पीछे है, लेकिन सामान्य मानसून के लिहाज से यह बेहद असाधारण है।

आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरएस शर्मा के मुताबिक, एक तरफ जहां प्री-मानसून की शुरुआत अच्छी रही है, वहीं इस साल के समग्र मानसून पर 'अल-नीनो' की बाधा का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अल-नीनो के सक्रिय होने के कारण इस वर्ष कुल मानसूनी वर्षा दीर्घकालिक औसत का लगभग 90 प्रतिशत ही रह सकती है, जो सामान्य से कम की श्रेणी में आता है। यह प्रशांत महासागर में उत्पन्न होने वाली एक प्राकृतिक जलवायु घटना है, जिससे समुद्र की सतह का तापमान असामान्य रूप से बढ़ जाता है। भारत के संदर्भ में, यह दक्षिण-पश्चिम मानसून की हवाओं को कमजोर कर देता है, जिससे वर्षा में कमी आती है और बीच-बीच में सूखे के लंबे अंतराल देखने को मिलते हैं।

मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने गत 9 जून को केरल तट पर दस्तक दे दी थी। वर्तमान में यह देश के प्रायद्वीपीय और पूर्वी हिस्सों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी हिस्से यानी मेवाड़ क्षेत्र में इसके जून के अंतिम सप्ताह तक सक्रिय होने की पूरी संभावना है। वर्तमान में चित्तौड़गढ़ जिले में प्री-मानसून गतिविधियां पूरी तरह सक्रिय हैं। आसमान में बादलों की आवाजाही के बीच दिन का अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है।

महंत देवानंद हत्याकांड: आरोपियों ने जंगल में छुपाए थे हथियार, कोटा पुलिस ने किए बरामद

कोटा, 16 जून (एजेंसियां)। कोटा के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में चर्चित महंत देवानंद महाराज हत्याकांड की जांच में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियारों और वाहनों को बरामद किया है। बरामदगी में एक खंजर, 3 चाकू और दो बाइक शामिल हैं जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है और साक्ष्य के रूप में जांच में शामिल किया गया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि वारदात को अंजाम देने के बाद उन्होंने हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियारों को छिपा दिया था। आरोपियों ने बताया कि खंजर और चाकुओं को गामछ पुलिया के पास जंगल क्षेत्र में ले जाकर छिपाया गया था ताकि पुलिस उन्हें आसानी से बरामद न कर सके।

इसके बाद बोरखेड़ा थाना पुलिस टीम ने आरोपियों की निशानदेही पर सर्च ऑपरेशन चलाया और बताए गए स्थान से एक खंजर और तीन चाकू बरामद किए। पुलिस ने मौके से सभी हथियारों को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है, ताकि वारदात से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए जा सकें।

इसके अलावा पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई दोनों बाइक भी बरामद कर ली हैं। ये बाइक कोटा के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में स्थित आरोपियों के आवास से जब्त की गई हैं। पुलिस का कहना है कि इन वाहनों का उपयोग वारदात के दौरान किया गया था और अब इन्हें भी जांच का हिस्सा बनाया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है। हत्या के पीछे की पूरी साजिश, वारदात की योजना, और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

CI अनिल कुमार टेलर ने बताया कि जांच में सामने आया है कि वारदात से 4 दिन पहले पुजारी और चौकीदार ने ही मुख्य आरोपियों को मठ बुलाकर रेकी करवाई थी। उन्होंने मठ की व्यवस्था, महंत की दिनचर्या, कमरों की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी अहम जानकारी उपलब्ध करवाई। आरोपियों ने सुझाव दिया था कि वारदात के बाद मठ की तिजोरी तोड़कर नकदी निकाली जाए और बाहर खड़े वाहन में आग लगा दी जाए ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके। वहीं पुजारी नंदनवन के कमरे की कुंडी बाहर से बंद करना भी पूरी तरह से सोची-समझी साजिश का हिस्सा था।

ट्रेलर ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचला
निकलकर सड़क पर गिरा महिला का दिल, 5 मिनट तक धड़कता रहा

जयपुर, 16 जून (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। हरमाड़ा थाना क्षेत्र के नींदड़ मोड़ पर मंगलवार को तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचल दिया। हादसा इतना जबरदस्त था कि महिला का दिल निकलकर सड़क पर दूर जा गिरा और 5 मिनट तक धड़कता रहा। यह देख लोगों के रौंगटे खड़े हो गए। सूचना मिलते ही हरमाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मां-बेटे के शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया दिया है। जहां पर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 9 बजे हरमाड़ा के नींदड़ मोड़ पर पर हुआ। चौमूं से तरफ से जयपुर आ रहे ट्रेलर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में महिला सहित दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मृतक मां-बेटे बताए जा रहे हैं। हैरान कर देने वाली बात ये रही कि ट्रेलर दोनों को कुचलते हुए निकल गया। हादसा इतना भयावह था कि महिला का सिर धड़ से अलग हो गया। इतना ही नहीं महिला का दिल निकलकर सड़क पर आ गया। मृतक महिला का दिल करीब 5 मिनट तक धड़कता रहा। यह देखकर मौके पर मौजूद लोगों के रौंगटे खड़े हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर हरमाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शव को कब्जे में लेकर कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस बाइक नंबर के आधार पर मृतकों की पहचान की और परिजनों को सूचना भिजवा दी है। हादसे के बाद चालक ट्रेलर को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि सीमेंट से भरा ट्रेलर ओवरलोड था और हादसे के वक्त तेज रफ्तार में था।

जंगल में चल रही थी 56 करोड़ की ड्रग्स फैक्टरी

भीलवाड़ा, 16 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध एमडी ड्रग्स (मेफेड्रोन) फैक्टरी का पर्दाफाश किया है। बिजौलिया थाना क्षेत्र के चंपापुर गांव के पास जंगल से सटे एक निर्माणाधीन मकान में संचालित इस फैक्टरी से करीब 56 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स और रासायनिक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि चंपापुर गांव के निकट एक निर्माणाधीन भवन में अवैध रूप से एमडी ड्रग्स तैयार की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन, पुलिस उपाधीक्षक योगेश शर्मा और बिजौलिया थाना प्रभारी स्वागत पांड्या के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान निर्माणाधीन मकान में चल रही ड्रग्स फैक्टरी का खुलासा हुआ, जहां बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थ बनाने का काम किया जा रहा था।

हिरासत में तीन आरोपी

पुलिस के अनुसार, मौके से करीब 36 किलो तैयार एमडी ड्रग्स बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 36 करोड़ रुपये है। इसके अलावा करीब 20 करोड़ रुपये मूल्य का रॉ मटेरियल और रासायनिक पदार्थ भी जब्त किए गए हैं। फैक्ट्री में केन, प्लास्टिक कंटेनर, थालियों और विभिन्न रासायनिक उपकरणों की मदद से ड्रग्स तैयार की जा रही थी। जांच में पता चला है कि आरोपी करीब 20 किलो अतिरिक्त रॉ मटेरियल से और अधिक मात्रा में नशीला पदार्थ तैयार करने की प्रक्रिया में जुटे हुए थे।

पुलिस ने मौके से तीन लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें मध्यप्रदेश के मंदसौर निवासी 51 वर्षीय वीरेन्द्र, नीमच निवासी 43 वर्षीय बहादुर सिंह और भीलवाड़ा जिले के भोपतपुरा निवासी 30 वर्षीय बबलू शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में संकेत मिले हैं कि आरोपी लंबे समय से इस अवैध कारोबार से जुड़े हुए थे और नशीले पदार्थों की सप्लाई का नेटवर्क कई क्षेत्रों तक फैला हो सकता है।

घटनास्थल से बरामद रसायनों, उपकरणों और अन्य सामग्री को जब्त कर लिया गया है। फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने मौके पर पहुंचकर नमूने एकत्र किए हैं और उनकी जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क के तार किन राज्यों और तस्कर गिरोहों से जुड़े हैं। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के आधार पर जल्द ही इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

फर्जी डिग्री रैकेट पर एसओजी का बड़ा एक्शन
10 हजार का इनामी रितेश लखनऊ से गिरफ्तार, 18 जून तक रिमांड पर

जयपुर, 16 जून (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी डिग्री और अंकतालिका प्रकरण में बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये के इनामी स्थायी वारंटी रितेश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी होने के साथ ही इनाम भी घोषित किया गया था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल के अनुसार शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों से दलालों की मिलीभगत से बैक डेट में फर्जी डिग्रियां प्राप्त कर चयनित होने संबंधी शिकायत की जांच के दौरान एसओजी थाना जयपुर में प्रकरण संख्या 13/2024 दर्ज किया गया था। मामले में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं तथा आईटी एक्ट के तहत अनुसंधान किया जा रहा है।

जांच में सामने आया कि रितेश कुमार सिंह अपने सहयोगी प्रमोद पारीक के साथ मिलकर लखनऊ स्थित पीआर ग्रुप ऑफ एजुकेशनल सर्विसेज के माध्यम से छात्रों को विभिन्न विश्वविद्यालयों से फर्जी डिग्रियां और अंकतालिकाएं उपलब्ध करवाता था। आरोप है कि स्थानीय दलालों के नेटवर्क के जरिए हजारों छात्रों तक यह अवैध व्यवस्था पहुंचाई गई।

'कच्छा-बनियान गिरोह' से सहमे लोग
2023 के बाद फिर गैंग से दहशत, सीसीटीवी में दिखे संदिग्ध

जयपुर, 16 जून (एजेंसियां)। जयपुर शहर में एक बार फिर 'कच्छा-बनियान गिरोह' को चर्चा से लोग डरे हुए है। इस बार सांगानेर के सूर्या नगर इलाके से एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इस वीडियो में कुछ संदिग्ध लोग देर रात की घूमते हुए दिखाई दे रहे है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कच्छा-बनियान गिरोह ही है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि सब कुछ कैमरे में दिखने के बाद भी पुलिस इन पकड़ क्यों नहीं पा रही है?

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले 21 जुलाई 2023 की रात को करधनी के गोकुलपुरा इलाके में भी कच्छा-बनियान गिरोह ने दहशत मचाई थी। तब भी ये लोग सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए थे। लोग डर के मारे रात-रात भर सो नहीं पाते थे। अपनी सुरक्षा के लिए लोगों को खुद लाठियां लेकर रातभर जागना पड़ता था। कई कॉलोनियों में तो युवाओं ने रात में पहरा देने के लिए टीमें बना ली थी। तब भी हल्ला होने पर ये संदिग्ध वहां से भाग निकले थे और पुलिस इन पकड़ने में पूरी तरह फेल रही थी।

अब करीब तीन साल बाद सांगानेर के सूर्या नगर में फिर वही नजारा देखने को मिल रहा है। रात के अंधेरे में घूमते इन

संदिग्धों को देखकर लोगों को 2023 का वह दौर याद आ गया है। सूर्या नगर में गिरोह की घुसपैठ की खबर फैलने से दहशत का माहौल है। वहीं कैमरे में फुटेज होने के बाद भी अब तक पुलिस किसी की गिरफ्तारी नहीं कर पाई है।

शहर में बीते वर्षों में कच्छा बनियान गिरोह दिन में सूने मकानों की रेकी कर देर रात लूट के इरादे से धावा बोलता है। वारदात के दौरान अजीबोगरीब पहनावे और चेहरा ढका होने के कारण बदमाशों की पहचान भी आसानी से नहीं हो पाती। वारदात के वक्त विरोध होने पर गिरोह के लोग जानलेवा हमला तक करने में नहीं चूकते। गिरोह के सदस्य ज्यादातर शहर की बाहरी कॉलोनियों के घरों को निशाना बनाते हैं। वहीं शहर से बाहर जाने वाले रास्तों के घरों में भी लूटपाट करने में पीछे नहीं रहते।

पार्वती नदी में डूबने से मां-बेटे और 2 भाइयों की मौत
मध्यप्रदेश से शादी में शामिल होने आए थे

बारां, 16 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां जिले के छबड़ा क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां गुगोर स्थित पार्वती नदी में नहाने गए 4 लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में 1 महिला, उसका बेटा और 2 सगे भाई शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस और प्रशासन की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद चारों शव नदी से बाहर निकाल लिए गए। मृतक बारां में एक रिश्तेदार की शादी समारोह में शामिल होने के लिए आए थे। इनमें 2 लोग मध्यप्रदेश के गुना जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। मंगलवार सुबह सभी लोग गुगोर स्थित पार्वती नदी में नहाने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान छीपाबड़ौद निवासी गुड्डी बाई (45) के बेटे का पैर फिसल गया और वह नदी के गहरे पानी में चला गया। बेटे को डूबता देख गुड्डी बाई उसे बचाने के लिए नदी में उतर गई। इसके बाद उसका दूसरा बेटा सलाम और अन्य लोग भी पानी में चले गए। किशोर को बचा लिया लेकिन एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में 4 लोग गहरे पानी की चपेट में आ गए और डूब गए। इस हादसे में गुड्डी बाई समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय लोगों की मदद से नदी में बचाव अभियान शुरू किया गया। कई घंटों की मशक्कत के बाद चारों के शव नदी से बाहर निकाल लिए गए। हादसे में मृतकों में मां-बेटे और 2 सगे भाई शामिल हैं। घटना की खबर फैलते ही मृतकों के परिजन और परिचित मौके पर पहुंच गए। अपने प्रियजनों के शव देखकर परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

1 करोड़ के चक्कर में सीए ने ली लंगोटिया यार की जान
कत्ल के बाद वॉट्सऐप पर लगाया हमदर्दी का स्टेटस

जयपुर, 16 जून (एजेंसियां)। एक करोड़ रुपये का कर्ज न चुकाना पड़े, इसलिए जयपुर के एक शातिर सीए ने अपने कारोबारी दोस्त हरिशंकर का पत्थर से सिर कुचल दिया। कत्ल के बाद शातिर ने सोशल मीडिया पर दोस्त की गुमशुदगी का भावुक स्टेटस लगाकर सबको गुमराह किया। जयपुरः कहते हैं कि लालच इंसान को अंधा बना देता है, लेकिन जब यह लालच बचपन की दोस्ती पर हावी हो जाए तो रूह कंपा देने वाले खूनी खेल की स्क्रिप्ट लिखी जाती है। जयपुर के सांगानेर इलाके से दोस्ती के कत्ल का एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने एक करोड़ रुपये की उधारी न चुकानी पड़े, इसलिए अपने ही जिगरी दोस्त को मौत के घाट उतार दिया।

14 जून को जब प्रॉपर्टी कारोबारी हरिशंकर शर्मा लापता हुए, तो उनके सीए दोस्त सीताराम शर्मा ने अपने वॉट्सऐप पर एक भावुक स्टेटस लगाया। स्टेटस में लिखा था कि 'हरिशंकर शर्मा (शारदा ट्रेडर्स) विधानी वाले का कल रात 8 बजे से अता पता नही है, मोबाइल स्विचऑफ है, अगर किसी भी बन्धु को कोई जानकारी है तो तुरन्त सुचित करे।' इस स्टेटस को देखकर पूरे गांव और परिजनों को लगा कि सीताराम अपने दोस्त के लिए कितना फिक्रमंद है। लेकिन किसी को क्या पता था कि हमदर्दी का यह मुखौटा पहनने वाला ही असली जल्लाद है। जांच में सामने आया कि आरोपी सीताराम विधानी गांव में एक हॉस्टल का निर्माण करवा रहा था। इसके लिए उसने हरिशंकर से 50 लाख रुपये नकद उधार लिए थे। इसके साथ ही बिल्डिंग मटेरियल जैसे बजरी, सीमेंट, रोड़ी, पत्थर और ईंटें भी उधार ली थीं। यह पूरी रकम बढ़कर करीब 1 करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी।

आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर हमला
एएसआई सहित 5 पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर; भरतपुर रेफर

भरतपुर, 16 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के डीग जिले में पुलिस टीम पर हमले का मामला सामने आया है। जिले के सीकरी थाना क्षेत्र के गांव बूड़ली में अवैध हथियार रखने के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर देर रात हमला कर दिया गया। हमले में सीकरी एसएचओ मुकेश चेची सहित 7 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। जिनमें से 5 पुलिस कर्मियों की हालत गंभीर बनी हुई है। जिनको भतरपुर रेफर किया गया है। सीकरी थाना को सूचना मिली थी कि अवैध हथियार रखने के मामले में फरार चल रहा आरोपी घर आया हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने रात करीब 12 बजे बूड़ली गांव में दबिश दी। पुलिस के आने की सूचना मिलते ही आरोपी के घरवाले और गांव के कुछ लोग जमा हो गए। आरोपी को पकड़ने से पहले ही भीड़ ने एक साथ पुलिसकर्मियों पर हमला बोल दिया। इस हमले के बाद पुलिसकर्मी जान बचाकर भागने लगे। हमले में सीकरी एसएचओ मुकेश चेची सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। सूचना मिलते ही दूसरे पुलिस थाने से अतिरिक्त जाब्ता मौके पर पहुंचा। इसके बाद घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां से एएसआई सहित 5 पुलिसकर्मियों को गंभीर हालत में भरतपुर रेफर कर दिया। गंभीर घायलों को भरतपुर के जिला अस्पताल में उपचार जारी है। वहीं, इस घटना के बाद क्षेत्र के बूड़ली गांव में भारी पुलिस बल तैनात है।

नीट परीक्षा से महज छह दिन पहले छात्र ने की खुदकुशी
सुसाइड नोट में लिखा- 'सॉरी'

सीकर, 16 जून (एजेंसियां)। सीकर शहर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र से एक बेहद भावुक और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। डॉक्टर बनने का सपना आंखों में संजोए नीट अभ्यर्थी ने परीक्षा से ठीक पहले अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। युवक अपने परिवार की उम्मीदों का केंद्र था और आगामी 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा के लिए दिन-रात मेहनत कर रहा था, लेकिन किसी अनजाने मानसिक दबाव या परेशानी ने उसे ऐसा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया, जिससे पूरा परिवार सदमे में आ गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान उमेश माली (22) पुत्र लक्ष्मणराम माली निवासी कारी, नवलगढ़ के रूप में हुई है। वह सीकर की एक निजी रेजिडेंसी में अपनी मां, बड़ी बहन और छोटे भाई के साथ रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

यह उसका तीसरा प्रयास था और परिवार को उससे काफी उम्मीदें थीं। बताया गया है कि उमेश के पिता मुंबई में टाइल्स ठेकेदारी का काम करते हैं। बेटे की पढ़ाई और सपनों को पूरा करने के लिए परिवार ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। उमेश अपनी मां को गांव छोड़कर वापस फ्लैट पर लौटा था। इसके बाद उसने चुन्नी से फंदा बनाकर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

जब उसकी बड़ी बहन और छोटा भाई फ्लैट पर पहुंचे तो कमरे का दृश्य देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। घर में चीख-पुकार मच गई और पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। सूचना मिलने पर उद्योग नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें उमेश ने लिखा, 'मैं बहुत दूर जा रहा हूं, पता नहीं कहां जा रहा हूं। सॉरी...'। यह शब्द पढ़कर हर किसी की आंखें नम हो गईं। हालांकि उसने आत्महत्या के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं लिखा, जिससे पुलिस भी मामले की गहन जांच कर रही है।

बीज आपूर्ति और खाद वितरण के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

> कृषि विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीएम रेवंत रेड्डी के अहम निर्देश

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आगामी कृषि मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को बीज आपूर्ति और खरीफ फसलों की खरीद प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना (एक्शन प्लान) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विशेष आधिकारिक समितियों का गठन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कृषि विभाग को पारदर्शी व्यवस्था अपनाते हुए किसानों के पंजीकरण, फसल उत्पादन के आकलन और धान खरीद की पूरी प्रक्रिया की सटीक समझ विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को पर्याप्त खाद आपूर्ति के लिए केंद्र सरकार पर लगातार दबाव बनाए रखेगी। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एमसीआरएचआरडी के बोधि पवेलियन में कृषि विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, मंत्रियों तुम्मला नागेश्वर राव और डी. श्रीधर बाबू, राज्यसभा सांसद वी. नरेंद्र रेड्डी, मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, सीएमओ प्रधान सचिव सेशाद्री, कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन, नागरिक आपूर्ति आयुक्त स्टीफन रविंद्र, कृषि निदेशक गोपी, योजना सचिव गौरव उप्पल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कृषि उत्पादन, धान खरीद व्यवस्था, किसानों को होने वाली कठिनाइयों, राज्य किसान आयोग की सिफारिशों तथा कृषि विश्वविद्यालय और विशेषज्ञों के सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने आगामी सीजन से पहले धान खरीद व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति के गठन के निर्देश दिए। इस समिति में कृषि विभाग के सचिव को समन्वयक, कृषि निदेशक, सिविल सप्लाई एमडी और योजना विभाग के सचिव को सदस्य बनाया गया है।

समिति को बीज वितरण से लेकर किसानों के पंजीकरण, फसल डेटा संग्रह, उत्पादन आकलन और अंतिम खरीद प्रक्रिया तक सतत निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत कृषि उपज की खरीद सुनिश्चित की जाए तथा केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित कोटा प्रणाली का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि अवकास बारिश, तौल, परिवहन, भंडारण और विपणन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए पहले से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। फाइन वैरायटी धान पर बोनस की घोषणा के बाद मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सात विशेष किस्मों के धान बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए जाएं और इन्हें सब्सिडी दर पर किसानों को दिया जाए। इन बीजों की उपलब्धता 'रैतु वेदिका' (किसान मंचों) पर सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रैतु वेदिका को किसानों के लिए प्रमुख सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जहां किसान अपना पंजीकरण करा सकें तथा बीज एवं खाद की खरीद कर सकें। प्रत्येक रयथु वेदिका पर कृषि विभाग के साथ-साथ राजस्व और पुलिस विभाग के एक-एक अधिकारी की तैनाती की जाएगी। इन केंद्रों के संचालन की जिम्मेदारी जिला स्तर पर अतिरिक्त कलेक्टरों को दी गई है। कृषि क्षेत्र में तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने एआई आधारित प्रणाली अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीज आपूर्ति से लेकर फसल खरीद तक पूरे कृषि तंत्र में तकनीक का एकीकरण किया जाए।

किशन रेड्डी मेट्रो विस्तार में बाधा नहीं डाल रहे : बंडी संजय कुमार

केंद्र सरकार पर लगाए गए आरोपों को बताया निराधार

करीमनगर, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के उस आरोप को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी हैदराबाद मेट्रो रेल के दूसरे चरण में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह दावा पूरी तरह निराधार है और इसमें कोई सच्चाई नहीं है। मंगलवार को मनकोंदुर में आरएमपी डॉक्टरों के साथ आयोजित 'चाय पे चर्चा' कार्यक्रम में भाग लेते हुए बंडी संजय कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार तेलंगाना के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि यदि किशन रेड्डी वास्तव में राज्य के विकास में बाधा डालना चाहते, तो तेलंगाना को केंद्र सरकार से बड़ी संख्या में विकास परियोजनाएं और हजारों करोड़ रुपये की सहायता कैसे प्राप्त होती। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने हैदराबाद, वारंगल और खम्मम जिलों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता और विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के बीच सहयोग से ही विकास कार्यों को गति मिल सकती है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर बोलते हुए बंडी संजय कुमार ने कहा कि यदि अवैध घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाते हैं तो इसमें कोई गलत बात नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी से यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या वह अवैध रूप से रह रहे लोगों के मतदाता सूची में बने रहने का समर्थन करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी विभिन्न समुदायों के बीच मतभेद पैदा कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी भारतीय नागरिक के मताधिकार को समाप्त करने का अधिकार किसी को नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है तथा इस विषय पर अनावश्यक भ्रम फैलाने के बजाय तथ्यों के आधार पर चर्चा होनी चाहिए।

'इंदिरम्मा इल्लू' का अधूरा सपना, कर्ज के बोझ तले युवक ने दी जान

घर निर्माण पूरा न होने से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

सिद्दिपेट, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जगदेवपुर मंडल के वट्टीपल्ली गांव में एक 28 वर्षीय युवक की आत्महत्या का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि सरकारी आवास योजना के तहत मकान निर्माण के दौरान बढ़ते खर्च और कर्ज के बोझ ने युवक को इतना परेशान कर दिया कि उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। मृतक की पहचान बोनाकोल्लूरी वेंकटेश (28) के रूप में हुई है। वेंकटेश को 'इंदिरम्मा इल्लू' योजना के तहत आवास स्वीकृत हुआ था। पक्का मकान नहीं होने के कारण उन्होंने सरकार से मिली 5 लाख रुपये की सहायता राशि के साथ अतिरिक्त 3 लाख रुपये का ऋण लेकर मकान निर्माण शुरू किया था। हालांकि बढ़ती लागत के कारण वह निर्माण कार्य का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर सके। परिजनों के अनुसार, मकान को पूरा करने के लिए कम से कम 10 लाख रुपये और चाहिए थे। आर्थिक तंगी से जूझ रहे वेंकटेश ने निर्माण कार्य पूरा करने और कर्ज चुकाने के लिए अपनी आधा एकड़ जमीन बेचने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में रियल एस्टेट बाजार में मंदी के चलते उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। बताया गया कि लगातार बढ़ते कर्ज और आर्थिक दबाव के कारण वेंकटेश मानसिक रूप से परेशान रहने लगे थे। इसी तनाव के बीच 19 मई को उन्होंने अपने घर में आत्महत्या कर ली। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य खेत में काम करने गए हुए थे। वेंकटेश अपने पीछे पत्नी सिरिशा (26), आठ वर्षीय पुत्र जसवंत और छह वर्षीय पुत्री निकशिता को छोड़ गए हैं। परिवार अब गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। मृतक के बड़े भाई कनकैय्या ने बताया कि वेंकटेश वर्ष 2020 तक हैदराबाद में रहते थे। कोविड-19 महामारी के बाद दोनों भाइयों ने अपनी तीन एकड़ जमीन का बंटवारा कर अलग-अलग खेती शुरू की थी। खेती के लिए वेंकटेश ने अपनी पत्नी का सोने का मंगलसूत्र गिरवी रखकर ऋण लिया और दो बोरवेल खुदवाए। एक बोरवेल में पानी मिलने के बाद उन्होंने खेती शुरू की, लेकिन आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका। परिजनों का कहना है कि खेती और मकान निर्माण के लिए लिया गया कर्ज लगातार बढ़ता गया, जिससे परिवार पर आर्थिक दबाव बढ़ता गया। अब वेंकटेश की पत्नी सिरिशा अपने दोनों बच्चों के पालन-पोषण के लिए दिहाड़ी मजदूरी कर रही हैं, जबकि अधूरा मकान परिवार की आर्थिक परेशानियों की याद दिला रहा है। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में आवास निर्माण की बढ़ती लागत और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी उजागर करती है।

रेवंत रेड्डी जनता के मुद्दों से ध्यान भटका रहे हैं : चिरुमार्थी लिंगैया

किसानों और विकास कार्यों की उपेक्षा का लगाया आरोप

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व बीआरएस विधायक चिरुमार्थी लिंगैया ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर जनता के मूल मुद्दों को सुलझाने के बजाय ध्यान भटकाने वाली राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि धान खरीद व्यवस्था की अनदेखी कर कांग्रेस सरकार किसानों की अपेक्षाओं पर खरी उतरने में विफल रही है।

मंगलवार को तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में लिंगैया ने कहा कि मुख्यमंत्री शासन और विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय कांग्रेस विधायकों को बीआरएस नेताओं, विशेषकर के. चंद्रशेखर राव और के.टी. रामाराव के खिलाफ बयानबाजी के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के कई फैसले अव्यावहारिक हैं, जिससे किसानों और निवेशकों में असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है।

दक्षिण मध्य रेलवे को राष्ट्रीय सिग्नल एवं दूरसंचार पुरस्कार

> अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 में सम्मानित

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय के अंतर्गत इंस्टीट्यूशन ऑफ रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स इंडियन सेक्शन तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ रेलवे सिग्नल एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 में दक्षिण मध्य रेलवे को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सिग्नल एवं दूरसंचार पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार 12 जून 2026 को नई दिल्ली में प्रदान किया गया। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 10 से 13 जून 2026 तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भव्य रूप से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के अनुरूप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अगली पीढ़ी की रेलवे नियंत्रण, कमांड एवं सिग्नलिंग प्रणालियों के डिजाइन, विकास एवं निर्माण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इस प्रदर्शनी में 30 रेलवे संगठन, 25 प्रमुख शैक्षणिक संस्थान तथा लगभग 200 प्रदर्शकों का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब 10,000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय रेलवे के लिए उन्नत तकनीकों, नवाचार प्लेटफॉर्मों और समाधान प्रस्तुत करने वाले तकनीकी सेमिनार एवं प्रदर्शनी भी आयोजित किए गए तथा विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रेलवे और अन्य एजेंसियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे को देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जोन के रूप में चुना गया और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सिग्नल एवं दूरसंचार पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा लगातार किए जा रहे उत्कृष्ट प्रदर्शन, कवच प्रणाली और डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के क्रियान्वयन में स्थापित नए मानकों के कारण प्रदान किया गया। जोन स्तर पर कवच संस्करण 4.0 के कार्यान्वयन को तेज करते हुए सफल ट्रायल्स के माध्यम से दक्षिण मध्य रेलवे ने महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। साथ ही, जोन के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की शुरुआत कर सिग्नलिंग प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में दक्षिण मध्य रेलवे ने 21 डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम शुरू किए, 486 रूट किलोमीटर तक कवच 4.0 का कार्यान्वयन किया तथा 479 रूट किलोमीटर तक ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग को लागू किया। इस अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग से रेल यात्रा की सुरक्षा बढ़ने के साथ-साथ रेलवे परिचालन दक्षता में भी सुधार होने की संभावना है। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर मुरलीकृष्ण अपने दल के साथ आज, 16 जून को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव से औपचारिक रूप से मिले और इस उपलब्धि की जानकारी दी। इस मौके पर महाप्रबंधक ने सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि उनके सामूहिक प्रयासों के कारण ही दक्षिण मध्य रेलवे को यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त हुई है।

वाहन-सारथी पोर्टल की तकनीकी खराबी से परिवहन सेवाएं ठप

राज्यभर के आरटीओ कार्यालयों में आवेदकों को हुई परेशानी

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वाहन और सारथी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में आई तकनीकी खराबी के कारण राज्यभर में परिवहन विभाग की कई सेवाएं प्रभावित हो गई हैं। सर्वर संबंधी समस्या के चलते मंगलवार को वाहन मालिकों, ड्राइविंग लाइसेंस आवेदकों और परिवहन संचालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।

पिछले कुछ दिनों से जारी तकनीकी समस्या के कारण वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस आवेदन, लर्नर लाइसेंस परीक्षा, परमिट जारी करने की प्रक्रिया और ऑनलाइन जुर्माना भुगतान जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इसके चलते राज्य के विभिन्न क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में कामकाज बाधित रहा। मंगलवार को राज्यभर के आरटीओ कार्यालयों में बड़ी संख्या में लोग अपने निर्धारित स्लॉट और अपॉइंटमेंट के अनुसार पहुंचे, लेकिन ऑनलाइन सिस्टम काम नहीं करने के कारण अधिकारियों द्वारा आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकी। काउंटर खुले होने के बावजूद सेवाएं उपलब्ध नहीं होने से लोगों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा और उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा।

तकनीकी खराबी का असर प्रवर्तन अभियानों में जब्त किए गए वाहनों की रिहाई पर भी पड़ा है। कई जिलों में ट्रैक्टर और ट्रेलर मालिकों ने शिकायत की कि आवश्यक औपचारिकताएं पूरी नहीं हो पाने के कारण उनके वाहन छोड़े नहीं जा रहे हैं, जबकि कृषि कार्यों का मौसम चल रहा है और वाहनों की तत्काल आवश्यकता है। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, समस्या राज्य स्तर पर नहीं बल्कि वाहन और सारथी प्लेटफॉर्म संचालित करने वाले केंद्रीय सर्वरों में उत्पन्न हुई है। यही कारण है कि इसका असर केवल तेलंगाना तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी इसी प्रकार की परेशानियां सामने आई हैं। सप्ताहांत की छुट्टियों के बाद बड़ी संख्या में आवेदकों के आरटीओ कार्यालयों में पहुंचने से स्थिति और गंभीर हो गई।

कांग्रेस सरकार ने कल्याण नहीं, घोटालों को बढ़ावा दिया : हरीश राव

किसानों, छात्रों और युवाओं से किए वादे पूरे करने में विफल रहने का आरोप

करीमनगर, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता और सिद्दिपेट विधायक टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में कल्याणकारी योजनाओं की जगह अब घोटालों ने ले ली है।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की गई थीं, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार के आरोप सामने आ रहे हैं। मंगलवार को अलगानुर में आयोजित बीआरएस कार्यकर्ताओं की विस्तारित बैठक को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि नागरिक आपूर्ति, सिंगरेनी, बिजली, भूमि लेनदेन और गुरुकुल संस्थानों से जुड़े कार्यक्रमों सहित कई विभागों में कथित अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसानों, छात्रों, युवाओं और वंचित वर्गों से किए गए वादों को पूरा करने में असफल रही है, जबकि दूसरी ओर करों और विभिन्न शुल्कों में वृद्धि कर जनता पर अतिरिक्त बोझ डाला गया है। गुरुकुल संस्थानों में कथित अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्दी और जूतों की आपूर्ति के लिए लगभग 1,200 करोड़ रुपये तथा खाद्य सामग्री के लिए करीब 800 करोड़ रुपये के टेंडर संदिग्ध परिस्थितियों में आवंटित किए गए।

उन्होंने दावा किया कि संबंधित विभागों के मंत्री भी इन टेंडरों के विवरण से पूरी तरह अवगत नहीं दिखाई दिए। रैतु बंधु योजना को लेकर हरीश राव ने आरोप लगाया कि सरकार ने किसानों को देय लगभग 19,000 करोड़ रुपये की तीन किश्तों का भुगतान नहीं किया है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने नोटबंदी और कोविड-19 महामारी जैसी कठिन परिस्थितियों में भी किसानों के भुगतान नहीं रोके थे। उन्होंने लंबित राशि तत्काल जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसान वर्तमान में धान खरीद में देरी, उपज की कटौती, उर्वरकों की कमी और रैतु बीमा योजना से संबंधित समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उनके अनुसार किसानों को मिलने वाला लगभग 2,100 करोड़ रुपये का बोनस भी अभी तक नहीं दिया गया है। प्रस्तावित 'रैतु डिस्कॉम' पर चिंता जताते हुए बीआरएस नेता ने दावा किया कि इससे कृषि क्षेत्र को मिलने वाली 24 घंटे की मुफ्त बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में भी किसानों को पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है और नई व्यवस्था से स्थिति और खराब हो सकती है।

पवन कल्याण का वारंगल दौरा राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में बुधवार को आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री तथा जनसेना प्रमुख पवन कल्याण के प्रस्तावित वारंगल दौरे ने राजनीतिक ध्यान आकर्षित किया है। यह दौरा नीरंजन नामक एक गंभीर रूप से बीमार बच्चे की अंतिम इच्छा पूरी करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। जनसेना प्रमुख बच्चे से मुलाकात करेंगे और साथ ही भद्रकाली मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करने की संभावना है। इस यात्रा को राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसे तेलंगाना में जनसेना पार्टी के संगठनात्मक विस्तार से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस दौरे से राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ने की उम्मीद है और संगठन को मजबूत करने की रणनीति को गति मिल सकती है। बताया जा रहा है कि जनसेना पार्टी जल्द ही तेलंगाना में एक विशेष 'जॉइनिंग्स कमेटी' गठित करने जा रही है, जिसका उद्देश्य अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल करना और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना है। इस कदम के जरिए पार्टी राज्य में अपनी राजनीतिक उपस्थिति को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में काम कर रही है।

सीपीआई नेता नारायण ने सीजेपी नेता पर हमले की निंदा की

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया

विजयवाड़ा, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के केंद्रीय कार्यकारी समिति सदस्य के. नारायण ने सीजेपी नेता पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया है। उन्होंने राजस्थान से शुरू हुए कथित "कॉकरोच आंदोलन" का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आंदोलन जनता में बढ़ती असंतोष और निराशा को दर्शाता है। नारायण ने सवाल उठाया कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी शिकायतें व्यक्त करने से डरने वाले लोग आखिर किस प्रकार की असहिष्णुता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमला केवल किसी एक व्यक्ति पर नहीं है, बल्कि उन नागरिकों के अधिकारों पर है जो वैध और लोकतांत्रिक माध्यमों से अपनी आवाज उठाना चाहते हैं। उन्होंने इसे गंभीर चिंता का विषय बताया। के. नारायण ने मांग की कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि धमकी और हिंसा से जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता और लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं की हर कीमत पर रक्षा की जानी चाहिए।

महेश बैंक ने 3-व्हीलर ऑटो रिक्शा पर प्रोडक्टस प्रचार अभियान शुरू किए

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी मार्केटिंग रणनीति के तहत महेश बैंक ने अपने प्रोडक्टस और सर्विसेज़ को आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए 100 थ्री-व्हीलर ऑटो रिक्शा किराए पर लिए हैं। इस अभियान को बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पालोड और वाइस-चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने अन्य डायरेक्टर्स के साथ मिलकर लॉन्च किया। ये प्रचार अभियान मुख्य रूप से बैंक के गोल्ड लोन और अन्य लोन प्रोडक्टस पर केंद्रित थे। बैंक ने पिछले 2 वर्षों में चलते-फिरते 3-व्हीलर ऑटो रिक्शा पर अपने विज्ञापन लगाने जैसे अभियान चलाए हैं और इससे अच्छा बिज़नेस फ़ायदा उठाया है।

क्रिएटिव इकोनॉमी कॉन्क्लेव 2026 का पहला संस्करण आयोजित

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एचआईटीईएक्स प्रदर्शनी केंद्र के हॉल-4 में मंगलवार को क्रिएटिव इकोनॉमी कॉन्क्लेव 2026 के प्रथम संस्करण का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में इवेंट्स, मनोरंजन, मीडिया, पर्यटन, संस्कृति और डिजिटल क्रिएटर क्षेत्रों से जुड़ी देश की प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया और भारत की उभरती 'ऑरेंज इकोनॉमी' तथा उसके भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। वर्ल्ड इवेंट्स इकोनॉमी वीक (डब्ल्यूईईडब्ल्यू) के अंतर्गत आयोजित यह सम्मेलन उद्योग जगत के नेताओं, नीति निर्माताओं, कलाकारों, उद्यमियों, कंटेंट क्रिएटर्स और अन्य हितधारकों के लिए एक साझा मंच साबित हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे रचनात्मक अर्थव्यवस्था तंत्र में उपलब्ध अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करना था।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने सिंगापुर निवेशकों को दिया आमंत्रण

आंध्र प्रदेश को अपना दूसरा घर बनाने की अपील

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगापुर में आयोजित सीआईआई पार्टनरशिप समिट रोडशो के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सिंगापुर के उद्यमियों को राज्य में निवेश करने का खुला आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश भारत का सबसे तेज़ी से उभरता निवेश गंतव्य बन रहा है और इसे वैश्विक निवेशकों के लिए "दूसरा घर" बनाया जा सकता है।

इस कार्यक्रम का आयोजन आगामी विशाखापट्टनम में होने वाले पार्टनरशिप समिट से पहले किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगापुर और आंध्र प्रदेश के बीच लंबे समय से मजबूत और उत्पादक संबंध रहे हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि अविभाजित आंध्र प्रदेश के दौरान हैदराबाद के विकास में सिंगापुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा था और राज्य विभाजन के बाद अमरावती की मास्टर प्लानिंग में भी सिंगापुर की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि अमरावती के लिए तैयार ब्लू-ग्रीन सिटी मॉडल विश्वस्तरीय है और राज्य सरकार इसके साथ मिलकर शहरी विकास व बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ा रही है। सीएम नायडू ने 'स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस' मॉडल का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य एआई, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश के लिए तैयार है। उन्होंने निवेशकों से अपील की कि वे आंध्र प्रदेश के विकास अभियान में भागीदार बनें। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में अमरावती को हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के जरिए हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे प्रमुख महानगरों से जोड़ा जाएगा, जिससे राज्य की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों पर सरकार जवाब दे : गोंगीदी सुनीता

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक गोंगीदी सुनीता ने तेलंगाना में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है और सरकार अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में विफल रही है। मंगलवार को तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में सुनीता ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के खिलाफ अपराधों में पॉक्सो (पीओसीएसओ) मामलों की हिस्सेदारी लगभग छह प्रतिशत है, जबकि तेलंगाना में यह आंकड़ा 16 प्रतिशत तक पहुंच गया है। उन्होंने इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की। पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले गृह विभाग के कामकाज पर भी सवाल उठाए।

ठेकेदारों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में राज्य के सड़क एवं भवन तथा सिनेमा टोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ठेकेदारों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और लंबित बकाया राशि का चरणबद्ध भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के दौरान भारी मात्रा में बकाया छोड़ दिया गया था, जिसके कारण ठेकेदारों को गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में अब तक लगभग 3000 करोड़ रुपये के भुगतान जारी किए जा चुके हैं, जबकि अभी भी लगभग 2500 करोड़ रुपये बकाया हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

लगातार दो हार के बाद भी फाइनल में पहुंच सकती है इंडिया ए, क्या है पूरा समीकरण

खेल डेस्क, 16 जून (एजेंसियां)। तिलक वर्मा की कप्तानी वाली इंडिया ए टीम को ट्राई-नेशन सीरीज के चौथे मुकाबले में श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा. दांबुल्ला के रंगिरी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला गया यह मुकाबला निर्धारित 5-50 ओवर के खेल के बाद टाई रहा, जिसके बाद विजेता का फैसला सुपर ओवर से हुआ.

यह भारत की इस सीरीज में लगातार दूसरी हार रही, जिसके बाद से टीम के फाइनल में पहुंचने पर सवाल उठने लगे हैं. हालांकि, इस हार से टीम इंडिया की राह मुश्किल हो गई है, लेकिन टीम अब भी फाइनल में पहुंच सकती है. आइए जानते क्या हैं समीकरण.

इंडिया ए ने इस टूर्नामेंट की शुरुआत श्रीलंका ए के खिलाफ 8 रन की रोमांचक जीत के साथ की थी, लेकिन इसके बाद अफगानिस्तान ए के खिलाफ डीएलएस नियम से 4 रन से हार मिली और फिर श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर में हार झेलनी पड़ी.

टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले माना जा रहा था कि इंडिया ए आसानी से फाइनल में जगह बना लेगी, लेकिन लगातार दो हार ने समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं. श्रीलंका ए के खिलाफ हार के बाद इंडिया ए की स्थिति कमजोर हो गई है. पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो श्रीलंका ए ने तीन मैचों में दो जीत के साथ शीर्ष स्थान बरकरार रखा है और उसका नेट रन रेट +0.494 है. वहीं, इंडिया ए तीन मैचों में एक जीत और दो हार के साथ दो अंकों पर दूसरे स्थान पर है. उसका नेट रन रेट +0.032 है. इसके बाद अफगानिस्तान की टीम 2 मैचों में एक जीत और एक हार के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद है. टीम के खाते में 2 अंक और नेट रन रेट -1.392 का है.

लगातार दो हार के बाद इंडिया ए के लिए अफगानिस्तान ए के खिलाफ 17 जून को होने वाला आखिरी लीग मैच बेहद अहम हो गया है. फाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए टीम इंडिया को यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा. सिर्फ जीत ही नहीं, बल्कि बड़े अंतर से जीत भी भारत के लिए बेहद अहम होगी. ताकि उसका नेट रन रेट बेहतर हो सके. इसके साथ ही दुआ करनी होगी कि अफगानिस्तान ए को 19 जून को होने वाले आखिरी लीग मैच में श्रीलंका के हाथों हार मिले, तभी भारतीय टीम फाइनल में पहुंच सकती है.

अगर श्रीलंका ए जीत दर्ज कर लेती है या अफगानिस्तान ए बहुत कम अंतर से जीतती है और उसका नेट रन रेट भारत से नीचे रहता है, तो इंडिया ए के फाइनल में पहुंचने की संभावना बनी रहेगी. लेकिन अगर इंडिया ए को अफगानिस्तान ए से हार मिली तो फिर ये टीम फाइनल की रेस से बाहर हो जाएगी. बता दें कि, ट्राई-नेशन सीरीज 2026 का फाइनल 21 जून को दांबुल्ला में खेला जाएगा.

सुमित नागल और सहज यमलापल्ली एशियाड में भारतीय टेनिस टीम की कप्तानी करेंगे

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (एआईटीए) ने जापान में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए भारतीय टेनिस टीम की घोषणा कर दी है। पुरुष वर्ग में भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल और महिला वर्ग में नंबर-1 खिलाड़ी सहजा यमलपल्ली भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी। एआईटीए की चयन समिति ने अध्यक्ष नंदन बाल की अगुवाई में छह-छह खिलाड़ियों की पुरुष और महिला टीम का चयन किया है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है, ताकि एशियन गेम्स में भारत मजबूत प्रदर्शन कर सके। भारतीय पुरुष टीम में एकल वर्ग के लिए सुमित नागल (विश्व रैंकिंग 277), मानस धामने (378) और दक्षिणेश्वर सुरेश (478) को चुना गया है। डबल्स विशेषज्ञों में युकी भांबरी (विश्व रैंकिंग 24), एन. श्रीराम बालाजी (61) और अनिरुद्ध चंद्रशेखर (90) को टीम में जगह मिली है। रिजर्व खिलाड़ी में करन सिंह, रित्विक बोल्लीपल्ली, निकी कालियांदा पूनाचा शामिल हैं।

महिला वर्ग में भारत की नंबर-1 खिलाड़ी साहजा यमलापल्ली (विश्व रैंकिंग 332) के अलावा वैष्णवी अडनकर (396) और वैदेही चौधरी (417) को एकल स्पर्धा के लिए चुना गया है। डबल्स वर्ग में रुतुजा भोसले (125), प्रार्थना थोंबरे (181) और अंकिता रैना (185) को टीम में शामिल किया गया है। रिजर्व खिलाड़ियों में जील देसाई और श्रुति अहलावत शामिल हैं।

एआईटीए के महासचिव सुंदर अय्यर ने कहा कि चयन समिति ने खिलाड़ियों के हालिया प्रदर्शन, अनुभव और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन किया है। उन्होंने कहा, 'चयन समिति ने पेशेवर सर्किट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का गहन मूल्यांकन किया है। हमें विश्वास है कि यह टीम नागोया एशियन गेम्स में भारत का शानदार प्रतिनिधित्व करेगी।'

20वें एशियन गेम्स का आयोजन एशियन गेम्स 2026 के तहत जापान के आईची और नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्तूबर 2026 तक किया जाएगा। भारतीय टेनिस संघ ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी तैयारियों के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा भी जताया है।

केप वर्डे ने 2010 चैंपियन स्पेन को ड्रॉ पर रोका

40 साल के वोजिन्या ने 7 बचाव किए, सऊदी अरब ने उरुग्वे से ड्रॉ खेला

अटलांटा, 16 जून (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप में डेब्यू कर रही केप वर्डे ने 2010 की चैंपियन स्पेन को 0-0 की बराबरी पर रोक दिया है। ग्रुप-H के एक अन्य मुकाबले में सऊदी अरब ने 2 बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे को अंक साझा करने पर विवश कर दिया। यह मैच 1-1 की बराबरी पर छूटा।

अटलांटा स्टेडियम में मंगलवार को ग्रुप-एच के पहले मैच में स्पेन का दबदबा रहा, लेकिन 2010 की वर्ल्ड चैंपियन स्पेन केप वर्डे के 40 साल के गोलकीपर वोजिन्या और मजबूत डिफेंस को भेद नहीं सकी। उसने 74% बॉल पोजेशन रखा और 27 शॉट लगाए, लेकिन गोल नहीं आया।

दूसरी ओर फ्लोरिडा के मियामी स्टेडियम में उरुग्वे ने गोल करने के 29 प्रयास किए। इनमें से 11 टारगेट पर थे। लेकिन, सऊदी अरब के गोलकीपर मोहम्मद अल-ओवैस ने 10 मौकों पर सफल बचाव किया और टीम के लिए एक अंक हासिल किया।

इन मैचों के बाद उरुग्वे ग्रुप-एच की पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर आ गई है। सऊदी अरब दूसरे, स्पेन तीसरे और केप वर्डे चौथे स्थान पर है। इस ग्रुप का अगला मुकाबला स्पेन-उरुग्वे के बीच होगा। साथ ही केप वर्डे की टीम सऊदी अरब के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। ्पेन ने शुरुआत से ही गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन केप वर्डे डिफेंडर्स लगातार उसके हमलों को रोकते रहे। 39वें मिनट में फेरान टोरेस गोल करने के बेहद करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। रीबाउंड पर मिकेल ओयारजाबाल के हेडर को वोजिन्या ने शानदार अंदाज में बचा लिया। इसके बाद पहले हाफ के अंत में वोजिन्या ने टोरेस और आयमेरिक लापोर्टे के प्रयासों को भी नाकाम कर दिया।

दूसरे हाफ में स्पेन ने दबाव और बढ़ाया। 71वें मिनट में स्टार विंगर लामिन यामाल को मैदान पर उतारा गया। यामाल के आने से स्पेन के हमलों में तेजी आई, लेकिन केप वर्डे का डिफेंस अडिग रहा।

73वें मिनट में मिकेल मेरिनो का शॉट वोजिन्या ने बचाया, जबकि 88वें मिनट में ओयारजाबाल के लगभग तय गोल को डिफेंडर पिको लोप्स ने लाइन के सामने ब्लॉक कर दिया।

मैच के इंजरी टाइम में केप वर्डे ने भी इतिहास रचने का मौका बनाया। 90वें मिनट में डाइनी बोर्गेस को कॉर्नर पर हेडर का मौका मिला, लेकिन स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन ने शानदार बचाव कर दिया।

स्पेन ने 27 शॉट लगाए, लेकिन गोल नहीं कर सकी। स्ट्राइकर मिकेल ओयारजाबाल ने मैच के पहले 30 मिनट तक गेंद को छुआ तक नहीं। स्पेन लगातार चौथे वर्ल्ड कप ओपनिंग मैच में जीत दर्ज नहीं कर सकी। वोजिन्हा वर्ल्ड कप डेब्यू मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों में शामिल हो गए।

मैच की शुरुआत में उरुग्वे ने आक्रामक खेल दिखाया। मैक्सी अराउजो और फेडेरिको विनास ने शुरुआती मौकों पर सऊदी गोलकीपर मोहम्मद अल ओवैस की परीक्षा ली, लेकिन वे गोल नहीं कर सके।

सऊदी अरब ने कॉर्नर किक के जरिए दबाव बनाया। एक सेट पीस पर उरुग्वे के गोलकीपर फर्नांडो मुस्लेरा ने शानदार बचाव किया, लेकिन अगली बार वही रणनीति कारगर रही। हसन अल तंबाक्ती के हेडर को मुस्लेरा पूरी तरह नहीं रोक सके और रिबाउंड पर अब्दुलेलाह अल अमरी ने गेंद को गोल में भेजकर सऊदी अरब को 1-0 की बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में उरुग्वे लगातार बराबरी के लिए प्रयास करता रहा। मैनुअल उगार्टे का लंबी दूरी का जोरदार शॉट पोस्ट से टकराकर लौट आया। फेडेरिको विनास ने भी कई मौके बनाए, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मैच के 80वें मिनट में आखिरकार उरुग्वे को बराबरी मिली। विनास के हेडर को सऊदी गोलकीपर अल ओवैस पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके और रिबाउंड पर मैक्सी अराउजो ने गेंद को गोल में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

अशोक शर्मा इंडिया-ए में शामिल

चोटिल युद्धवीर बाहर

खेल डेस्क, 16 जून (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज अशोक शर्मा श्रीलंका में जारी ट्राई सीरीज के लिए इंडिया ए टीम में चुने गए हैं। उन्हें चोटिल युद्धवीर सिंह की जगह टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने मंगलवार को बताया कि मेडिकल टीम ने जांच के बाद युद्धवीर को आराम और रिहैब की सलाह दी है। उन्हें स्वदेश लौटना पड़ा है।

युद्धवीर की जगह अशोक शर्मा गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। इंडिया-ए बुधवार को अफगानिस्तान ए के खिलाफ मैच खेलेगी। टीम को पिछले मैच में श्रीलंका ने सुपर ओवर में हराया था।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जापान को 2-1 से हराया

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड), 16 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत ने ऑकलैंड के नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में खेले गए पूल-ए के अपने दूसरे मुकाबले में जापान को 2-1 से मात दी। कप्तान और 'प्लेयर ऑफ द मैच' सलीमा टेटेनऔर लालरेमसियामी (49वें मिनट) ने भारत के लिए गोल किए। जबकि जापान की ओर से हिरामित्सु आई एकमात्र गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं।

भारत की कप्तान सलीमा टेटे ने 33वें मिनट और लालरेमसियामी ने 49वें मिनट में गोल किए। जिसने जापान की खिलाड़ियों के हौसले पस्त कर दिए। उनकी तरफ से हिरामित्सु आई ने 35वें मिनट में गोल किया। भारत की बढ़त से आगे निकलने के लिए किसी और खिलाड़ी का साथ नहीं मिला। यह मुकाबला मिडफील्डर ज्योति के लिए भी खास रहा जिन्होंने अपने करियर का 100वां सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेला।

पहला हाफ में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस दौरान कई मौके बने लेकिन कोई भी टीम हाफ टाइम तक गोल करने में सफल नहीं हो सकी। तीसरे क्वार्टर में मैच ने रफ्तार पकड़ी और भारत ने 33वें मिनट में शानदार पेनल्टी कॉर्नर वेरिएशन के जरिए पहला गोल किया। नवनीत कौर के शॉट को निक्की प्रधान ने बेहतरीन तरीके से डिफ्लेक्ट कर सलीमा टेटे तक पहुंचाया। जिन्होंने भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने दो मिनट बाद ही जवाबी हमला करते हुए मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमें बराबरी पर खड़ी थी। लेकिन भारत की लालरेमसियामी ने 49वें मिनट में विजयी गोल दाग दिया। सुशीला चानू पुखरामबम ने सर्कल के किनारे से गोल की ओर शानदार पास दिया। जिस पर लालरेमसियामी ने बेहतरीन डिफ्लेक्शन करते हुए गेंद को जाल में पहुंचा दिया और भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इस जीत के साथ ही भारत पूल-ए में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। अब भारत टूर्नामेंट के अपने अंतिम पूल-ए मैच में 18 जून को उरुग्वे का सामना करेगा।

सौरव गांगुली पहुंचे थाने, एक फेसबुक पोस्ट से दादा को आया गुस्सा, कहा- मुझे ये कतई बर्दाश्त नहीं है

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि लाखों फॉलोअर्स वाले एक फेसबुक पेज द्वारा उनके खिलाफ अपमानजनक और भ्रामक सामग्री प्रसारित की जा रही है जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करना शुरू कर दिया है।

सौरव गांगुली ने दावा किया कि ये पोस्ट 'सौरव गांगुली फैंस' नाम के एक पेज से किए जा रहे थे जो खुद को एक अनौपचारिक प्रशंसक पेज बताता है। उन्होंने इस पेज का संचालन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गांगुली ने ठाकुरपुकुर थाने में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया कि इस पेज पर लगातार ऐसे पोस्ट साझा किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करना और जनता के बीच नकारात्मक छवि बनाना है।

उन्होंने बताया कि इस पेज के 36 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। गांगुली ने कहा, 'एक सार्वजनिक हस्ती होने के नाते मैं समझता हूं कि विचार और आलोचना सार्वजनिक जीवन का हिस्सा हैं। हालांकि, मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के इरादे से भ्रामक मानहानिकारक और नुकसानदेह सामग्री फैलाना स्वीकार्य नहीं है और इस पर कानूनी कार्रवाई जरूरी है।'

उन्होंने पुलिस से उस पेज का संचालन करने वाले व्यक्तियों या समूह की पहचान करने और कानून की संबंधित धाराओं के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गांगुली की शिकायत मिलने की पुष्टि की और कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

न्यूजीलैंड से ड्रॉ के बाद ईरान को तुरंत अमेरिका छोड़ने का आदेश, कोच ने फीफा पर लगाए गंभीर आरोप

तिजुआना, 16 जून (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ होने के बाद अमेरिकी अधिकारियों द्वारा ईरान की टीम को तुरंत लॉस एंजिलिस छोड़ने के निर्देश दिए गए। इसके बाद मुख्य कोच आमिर घालेनोई ने अपनी टीम को टूर्नामेंट की सबसे पीड़ित टीम बताया।

ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी, मिडफील्डर मोहम्मद मोहबी और कोच आमिर घालेनोई ने कहा कि लगातार सामने आ रही लॉजिस्टिक समस्याओं ने टीम की तैयारियों को प्रभावित किया है। कोच के अनुसार, मैच के तुरंत बाद टीम को अमेरिका में रुकने के बजाय मेक्सिको के तिजुआना स्थित अपने ट्रेनिंग बेस लौटने का निर्देश दिया गया। घालेनोई ने कहा कि आज मैच के बाद हमें कहा गया कि आपको तुरंत यहां से जाना होगा। जबकि हमारे लिए रिकवरी करना बेहद जरूरी था।

कोच ने इस फैसले पर सवाउठाते हुए कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत से ही टीम को कई बाधाओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने बताया कि टीम की योजना मैच से दो दिन पहले लॉस एंजिलिस पहुंचने और मुकाबले के बाद एक रात वहीं रुकने की थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। घालेनोई ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारी टीम पूरे विश्व कप की सबसे पीड़ित टीम है। हमारा महासंघ यहां नहीं है, हमारा मीडिया यहां नहीं है और हमारा प्रबंधन भी यहां मौजूद नहीं है।'

ईरान की तैयारियां वीजा और यात्रा संबंधी समस्याओं से प्रभावित रहीं। टीम को एरिजोना के टक्सन में ट्रेनिंग बेस बनाने की योजना छोड़नी पड़ी और अमेरिकी आव्रजन प्रक्रियाओं को लेकर चिंताओं के कारण तिजुआना में कैंप लगाना पड़ा। बाद में ये चिंताएं सही साबित हुईं, जब ईरान के सपोर्ट स्टाफ के कई सदस्यों को अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा नहीं मिला। इसके चलते मीडिया अधिकारियों, विश्लेषकों और फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज समेत कई महत्वपूर्ण सदस्य टीम के साथ लॉस एंजिलिस नहीं पहुंच सके।

मेहदी तारेमी ने कहा कि लगातार यात्रा और अनिश्चितता का असर टीम की तैयारियों पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि तिजुआना से लॉस एंजिलिस का सफर, जो सामान्य रूप से कुछ घंटों में पूरा हो सकता था, आव्रजन प्रक्रियाओं से जुड़ी देरी के कारण करीब पांच घंटे तक

क्या नाइटक्लब विवाद के बाद डिप्रेशन में चले गए हैं बेन स्टोक्स? इंग्लैंड के कोच ने किया खुलासा!

लंदन, 16 जून (एजेंसियां)। जीत दर्ज करने के बाद इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंशन नाइट क्लब गए थे. जहां पर उनकी नशे की हालत में लड़ाई हो गई थी. इस नाइट क्लब कांड के कारण

इंग्लिश टीम और बोर्ड की जमकर किरकिरी हुई थी. जिसके कारण ही इन दोनों खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखाया गया है. अब इसको लेकर इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने अब बड़ा बयान दिया है. जिसको लेकर अब एक अलग चर्चा शुरू हो गई है. नाइट क्लब कांड के बाद बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन के करियर पर खतरा मंडरा रहा है. जिसके बारे में बोलते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा, 'अगर मैं ईमानदारी से कहूं तो जब मुझे पहली बार इसके बारे में पता चला तो मैं थोड़ा हैरान था. फिर आप कई तरह की भावनाओं से गुजरते हैं. हैरान होने से गुस्सा होने तक और फिर थोड़ा टूटे हुए महसूस करते हैं. बहुत जल्दी मेरी भावना चिंता और फिक्र में बदल गई, खासकर बेन के लिए. तब से यह इस बात पर है कि हम इन लोगों को कैसे सपोर्ट करें. इस बात को नजरअंदाज न करें कि वो हमारे द्वारा तय किए गए मानकों पर खरा नहीं उतरे हैं. मेरे लिए यह बहुत ज्यादा बड़ी बात पर है इन लोगों को कैसे सपोर्ट करें. खासकर बेन (स्टोक्स) को. यह मेरी सोच है, मेरी चिंता उसके लिए है.' जिस अंदाज में हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने अपना बयान दिया है.

एनआरएआई जूनियर विश्व राइफल चैंपियनशिप

84 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान, जर्मनी में शुरू होगा टूर्नामेंट?

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने जर्मनी के सुहल में आयोजित होने वाली आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए 84 सदस्यीय भारतीय दल की घोषणा कर दी। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत के उभरते हुए जूनियर निशानेबाज राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे। चैंपियनशिप की शुरुआत 16 जून को खिलाड़ियों और अधिकारियों के आगमन के साथ होगी। 17 जून को अभ्यास सत्र और तकनीकी बैठकों का आयोजन किया जाएगा, जबकि क्वालिफिकेशन राउंड और फाइनल मुकाबले 18 से 25 जून के बीच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता के समापन के बाद भारतीय दल 26 जून को स्वदेश लौटेगा।

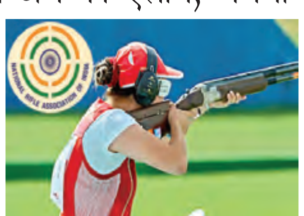

भारतीय टीम में राइफल, पिस्टल और शॉटगन तीनों वर्गों में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो देश के जूनियर शूटिंग कार्यक्रम की गहराई और प्रतिभा को दर्शाता है।

राइफल स्पर्धाओं में भारत ने 10 मीटर एयर राइफल जूनियर पुरुष, 10 मीटर एयर राइफल जूनियर महिला, 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन जूनियर पुरुष और 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन जूनियर महिला वर्ग में छह-छह निशानेबाजों को मौका दिया है। वहीं, 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर पुरुष वर्ग में तीन और महिला वर्ग में चार खिलाड़ी भाग लेंगे।

पिस्टल वर्ग में 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर पुरुष और महिला दोनों वर्गों में छह-छह निशानेबाज शामिल किए गए हैं। 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग में चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जबकि 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल जूनियर महिला वर्ग में आठ भारतीय निशानेबाज चुनौती पेश करेंगे।

इसके अलावा 25 मीटर पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग में तीन, 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल जूनियर पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह, 50 मीटर पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग में छह तथा महिला वर्ग में चार खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है। राइफल एएस वर्ग में भी तीन भारतीय खिलाड़ी भाग लेंगे।

भाजपा पर बरसे टीपीसीसी प्रमुख महेश गौड़

मतदाता सूची संशोधन के नाम पर वोट हटाने की साजिश चल रही है

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 23 जून को आंदोल में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के साथ एसआईआर मुद्दे पर एक और बैठक आयोजित की जाएगी।

महेश कुमार गौड़ ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और वर्ष 2002 में एसआईआर प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई थी, लेकिन वर्तमान में चल रही प्रक्रिया का उद्देश्य विपक्षी दलों के समर्थकों के वोट हटाना प्रतीत होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त भाजपा के पक्ष में काम कर रहे हैं और सांप्रदायिक राजनीति करने वाली पार्टियों को लाभ पहुंचाने के लिए मतदाता सूची संशोधन के नाम पर साजिश रची जा रही है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर के नाम पर 92 लाख वोट अवैध रूप से हटाए गए। उन्होंने कहा कि यदि इस प्रक्रिया में दामोदर राजनरसिम्हा, टी. जग्गा रेड्डी और उनका स्वयं का वोट भी गायब हो जाए तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा। उन्होंने बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) से मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। टीपीसीसी अध्यक्ष ने दामोदर राजनरसिम्हा की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने ही सोनिया गांधी को तेलंगाना राज्य गठन के लिए राजी किया था। उन्होंने कहा कि राजनीति में उन्हें दामोदर राजनरसिम्हा से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। मीनाक्षी नटराजन को देश की सबसे ईमानदार नेताओं में से एक बताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उनका नामांकन भी अनुचित तरीके से खारिज किया गया था। भाजपा पर निशाना साधते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि भाजपा नेता हमेशा सत्ता में बने रहकर सम्राटों की तरह शासन करना चाहते हैं, लेकिन इतिहास में उनसे बड़े-बड़े शासक भी सत्ता से बाहर हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता कभी स्थायी नहीं होती और इसे स्थायी मानने वाले भ्रम में हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी भी धर्म या भगवान के खिलाफ नहीं है, लेकिन धर्म और भगवान के नाम पर वोट मांगने की राजनीति नहीं करती।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा धार्मिक नारों के सहारे चुनावी लाभ लेने का प्रयास करती है। रोजगार और विकास के मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि हर वर्ष दो करोड़ नौकरियां देने का वादा करने वाली सरकार मौजूदा रोजगार के अवसर भी समाप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को बचाने की जिम्मेदारी जनता की है और लोग धर्म के आधार पर मतदान नहीं करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में उनकी भूमिका के कारण कांग्रेस उन्हें सम्मान देती है, लेकिन बीआरएस सरकार ने दस वर्षों के शासन में केवल 50 हजार नौकरियां दीं, जबकि कांग्रेस सरकार अब तक 80 हजार नौकरियां प्रदान कर चुकी है। उन्होंने कहा कि डबल बेडरूम आवास योजना के नाम पर लोगों को भ्रमित किया गया, जबकि कांग्रेस सरकार इंदिरम्मा आवास योजना के तहत घर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर शासन में निजी अस्पतालों को बढ़ावा मिला, जबकि कांग्रेस सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर निम्स तक स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार किए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में कांग्रेस फिर से सत्ता में आएगी। जनसेना प्रमुख पवन कल्याण के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि उनके पीछे भाजपा काम कर रही है और वे भाजपा की रणनीति के अनुसार राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को किसी की सहानुभूति की आवश्यकता नहीं है और जनता भाजपा की कथित साजिशों को समझ रही है। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की टिप्पणियों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की आलोचना की जा रही है तो भाजपा को भी पिछले 12 वर्षों में तेलंगाना के लिए किए गए कार्यों का लेखा-जोखा देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राज्य पुनर्गठन के समय दिए गए कई आश्वासनों को अब तक पूरा नहीं किया है तथा तेलंगाना को मिलने वाले कई वित्तीय संसाधन अब भी लंबित हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गुजरात में साबरमती रिवरफ्रंट जैसे परियोजनाओं को समर्थन देती है, लेकिन तेलंगाना में मूसी नदी के पुनर्जीवन और सौंदर्यीकरण के लिए पर्याप्त सहयोग नहीं कर रही है। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी इन मुद्दों पर स्पष्ट जवाब दें। महेश कुमार गौड़ ने आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस दोनों ही राज्य में कांग्रेस सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को देखकर असहज हैं और इसी कारण सरकार पर लगातार राजनीतिक हमले कर रहे हैं।

हमाली श्रमिकों के लिए अलग कल्याण बोर्ड की दिशा में कदम उठाएगी सरकार : विवेक

मंत्री ने तेलंगाना हमाली वर्कर्स यूनियन द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार एवं खान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार हमाली श्रमिकों के लिए एक समर्पित कल्याण बोर्ड की स्थापना की दिशा में कदम उठाएगी।

उन्होंने बताया कि हमाली श्रमिकों की समस्याओं और कल्याण संबंधी आवश्यकताओं का अध्ययन कर व्यापक रूपरेखा तैयार करने के लिए विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों तथा श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों की एक विशेष समिति शीघ्र गठित की जाएगी। मंत्री सोमवार को बशीरबाग स्थित प्रेस क्लब में तेलंगाना हमाली वर्कर्स यूनियन द्वारा आयोजित "तेलंगाना हमाली वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड अचीवमेंट मीटिंग" को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि हमाली श्रमिक बाजारों, गोदामों और परिवहन क्षेत्र के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, "अर्थव्यवस्था श्रमिकों की ताकत पर चलती है। जब तक श्रमिक खुश और सुरक्षित नहीं होंगे, तब तक समाज प्रगति नहीं कर सकता।" मंत्री ने कहा कि हमाली श्रमिकों के लिए अलग कल्याण बोर्ड के प्रस्ताव की सभी पहलुओं से समीक्षा की जाएगी। प्रस्तावित समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार श्रमिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, बीमा कवरेज और अन्य सुविधाओं को शामिल करते हुए कार्ययोजना तैयार करेगी।

उन्होंने हमाली श्रमिकों से सरकार द्वारा संचालित बीमा योजनाओं का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया। विवेक वेंकटस्वामी ने घोषणा की कि पात्र श्रमिक परिवारों को जल्द ही इंदिरा जीवन बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का बीमा कवर प्रदान किया जाएगा, जिससे संकट के समय उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सकेगी। मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार पात्र हमाली श्रमिक परिवारों को इंदिरम्मा आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

एसवी मंदिर में 21वां वार्षिक ब्रह्मोत्सवम, 19 से 24 जून तक

टीटीडी ने की व्यापक व्यवस्थाएं, श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में भाग लेने का आह्वान

हैदराबाद, 15 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, हिमायत नगर में 21वां वार्षिक ब्रह्मोत्सवम भव्य रूप से 19 जून से 24 जून तक आयोजित किया जाएगा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने इस धार्मिक आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

कार्यक्रम से पूर्व 16 जून को कोइल आलवार तिरुमंजनम का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 19 जून को अंकुरार्पणम के साथ ब्रह्मोत्सवम की औपचारिक शुरुआत होगी, जबकि 24 जून को ध्वजारोहणम के साथ इस उत्सव का समापन किया जाएगा। छह दिवसीय इस धार्मिक महोत्सव में विभिन्न वैभवपूर्ण वाहन सेवा, श्रीवारी शांति कल्याणम, रथोत्सवम, चक्रस्नानम, पुष्पयागम सहित अनेक आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। टीटीडी ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, शेड, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं सहित व्यापक इंतजाम किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि भक्तों की भीड़ को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित की गई हैं।

विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शोध अनिवार्य : प्रो. घंटा चक्रपाणि

'इनफ्लिबनेट रिसर्च सर्विसेज' पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट एंड ट्रेनिंग सेंटर द्वारा मंगलवार को परिसर में 'इनफ्लिबनेट रिसर्च सर्विसेज' विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. घंटा चक्रपाणि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक है कि शिक्षाविद उच्च स्तरीय शोध करें और उसके निष्कर्षों को पाठ्यक्रम में शामिल करें।

उन्होंने केंद्रीय सरकार की एजेंसी इनफ्लिबनेट की सेवाओं का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी, जो शोध के लिए अनेक आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराती है। प्रो. चक्रपाणि ने कहा कि देश के शोध क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए नए दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें शोध आधारित ज्ञान, कौशल, मूल्य आधारित शिक्षा और जवाबदेही का समन्वय हो। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी में शोध कार्य अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में अधिक व्यवस्थित और व्यापक रूप से किया जा रहा है, जिसे विभिन्न संस्थानों के संकाय सदस्य भी स्वीकार करते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अकादमिक प्रभारी निदेशक प्रो. ई. सुधा रानी ने की। उन्होंने कहा कि शोधार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र तैयार करने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इनफ्लिबनेट की निदेशक प्रो. देविका पी. मदल्ली ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया और संस्था की सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने शोध में कॉपीराइट संबंधी सावधानियों तथा शोध प्रक्रिया में आवश्यक डेटा एवं जानकारी जुटाने के तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सीएसटीडी निदेशक प्रो. के. श्रीदेवी ने कहा कि विश्वविद्यालय डिजिटल लर्निंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और इस कार्यशाला का उद्देश्य इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यशाला में शोध विभाग समन्वयक प्रो. सी. वेंकटैया तथा कार्यशाला समन्वयक प्रो. ए.आर.डी. प्रसाद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए।

नामपल्ली में निजी बस में लगी आग

दमकल विभाग की तत्परता से टला बड़ा हादसा

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के नामपल्ली क्षेत्र में मंगलवार सुबह हज हाउस के निकट एक निजी बस में अचानक आग लग गई। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और व्यस्त सड़क पर यातायात की रफ्तार भी प्रभावित हुई। राज्य अग्निशमन विभाग के अनुसार आग लगने की सूचना सुबह करीब 9 बजे प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों की त्वरित कार्रवाई के चलते आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया। इससे आग आसपास खड़े वाहनों और निकटवर्ती इमारतों तक फैलने से बच गई तथा संभावित बड़े हादसे को टाल दिया गया। आग बुझाने और सुरक्षा संबंधी आवश्यक उपायों के दौरान कुछ समय के लिए इलाके में यातायात प्रभावित रहा। हालांकि स्थिति सामान्य होते ही यातायात को सुचारु रूप से बहाल कर दिया गया।

इलेक्ट्रिक वाहन गोदाम में भीषण आग

दमकलकर्मियों की तत्परता से बड़ा हादसा टला

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के मूसापेट क्षेत्र में मंगलवार को रेलवे ट्रैक के पास स्थित माल गोदाम क्षेत्र के एक इलेक्ट्रिक वाहन गोदाम में भीषण आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के बाद गोदाम से घने धुएं के गुबार और ऊंची लपटें उठने लगीं, जिसने देखते ही देखते पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय आसपास मौजूद स्थानीय निवासी और वहां से गुजर रहे यात्री घबरा गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, जिससे आग को आसपास के क्षेत्रों में फैलने से रोका जा सका। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने राहत की बात बताते हुए कहा कि समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

साथ ही गोदाम में हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। संबंधित विभागों द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

तेजी से बदल रहे हैं साइबर अपराधियों के तौर-तरीके : शिखा गोयल

डॉक्टरों को निशाना बना रहे साइबर अपराधी, करीब 30 करोड़ रुपये की ठगी

> टीजीसीएसबी ने चिकित्सा समुदाय के साथ साइबर जागरूकता बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को निशाना बनाकर बढ़ रहे साइबर अपराधों के मद्देनजर तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने मंगलवार को हैदराबाद में चिकित्सा समुदाय के साथ एक उच्चस्तरीय साइबर जागरूकता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया।

बैठक का नेतृत्व टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल, आईपीएस ने किया। उनके साथ एसपी (प्रशासन) हर्षवर्धन और एसपी (ऑपरेशंस) बी. साई श्री भी मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य चिकित्सा समुदाय के साथ समन्वय को मजबूत करना, साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वास्थ्य क्षेत्र के पेशेवरों को उभरते साइबर खतरों से सुरक्षित रखने के लिए प्रभावी रणनीतियां तैयार करना था। कार्यक्रम में तेलंगाना की विभिन्न प्रमुख चिकित्सा संस्थाओं के 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल थे। इस अवसर पर शिखा गोयल ने कहा कि साइबर अपराधियों के तौर-तरीके तेजी से बदल रहे हैं और अब वे डॉक्टरों सहित हर वर्ग को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा या पेशेवर उपलब्धियां किसी व्यक्ति को साइबर ठगी से सुरक्षित नहीं बनातीं। जागरूकता, सतर्कता और समय पर शिकायत ही ऐसे अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि सितंबर 2024 से अब तक तेलंगाना में 735 डॉक्टर साइबर ठगी का शिकार हुए हैं, जिससे उन्हें कुल 29.88 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। सबसे अधिक नुकसान बिजनेस और निवेश धोखाधड़ी के मामलों में हुआ, जहां 127 डॉक्टरों से 22.39 करोड़ रुपये की ठगी की गई। इसके अलावा डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के 22 मामलों में 2.26 करोड़ रुपये, पहचान चोरी (आइडेंटिटी थेफ्ट) के 144 मामलों में 2.05 करोड़ रुपये, प्रतिरूपण (इम्पर्सोनेशन) धोखाधड़ी के 181 मामलों में 1.32 करोड़ रुपये तथा विज्ञापन धोखाधड़ी के 188 मामलों में 1.17 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया गया।

अन्य मामलों में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, सेक्सटॉर्शन, ऋण धोखाधड़ी, बीमा धोखाधड़ी, यूपीआई फ्रॉड, वैवाहिक धोखाधड़ी और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े साइबर अपराध शामिल हैं। शिखा गोयल ने साइबर वित्तीय अपराधों में गोल्डन ऑवर के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइबर धोखाधड़ी की जानकारी तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज कराने से ठगी की गई राशि को फ्रीज करने और वापस पाने की संभावना काफी बढ़ जाती है। बैठक में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष डॉ. एम.पी. किशन, तेलंगाना स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एसोसिएशन (टीएसएचए) के अध्यक्ष डॉ. रघुनाथ रेड्डी, तेलंगाना डॉक्टर्स फेडरेशन (टीडीएफ) के राज्य कोषाध्यक्ष डॉ. वज्जा प्रदीप, तेलंगाना हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन (थाना) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एल. सुरेश गौड़ सहित कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपने विचार रखे। इसके अलावा इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी), कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई), फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई), तेलंगाना ऑर्थोपेडिक सर्जन्स एसोसिएशन (टोसा), इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) तथा अन्य विशेषज्ञ चिकित्सा संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया।

संवाद कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए कई सुझाव दिए। बैठक में यह सहमति बनी कि साइबर जागरूकता संदेश, परामर्श और सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों को चिकित्सा संगठनों, अस्पतालों, क्लीनिकों, सम्मेलनों तथा सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रसारित किया जाएगा। बैठक के अंत में टीजीसीएसबी और विभिन्न चिकित्सा संगठनों ने साथ मिलकर साइबर जागरूकता, रोकथाम और सुरक्षा के साझा संकल्प के साथ काम करने का निर्णय लिया। इसका उद्देश्य डॉक्टरों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखते हुए एक जागरूक और सशक्त चिकित्सा समुदाय का निर्माण करना है।

ट्रैवल्स बस में चोरी हुए सोने के आभूषण बरामद, आरोपी गिरफ्तार

> खैरताबाद पुलिस ने 62 ग्राम सोना किया बरामद

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद पुलिस ने निजी ट्रैवल्स बस में यात्रा के दौरान चोरी हुए सोने के आभूषणों के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पूरा चोरी का माल बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया था कि आंध्र प्रदेश से संगारेड्डी जिले की यात्रा के दौरान निजी ट्रैवल्स बस में उसका हैंडबैग गायब हो गया था। बैग में लगभग 62 ग्राम सोने के आभूषण रखे हुए थे। शिकायत के आधार पर खैरताबाद पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी की पहचान तातापुडी तेल्ला राजा उर्फ राजू (48) के रूप में की, जो आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के दरसी गांव एवं मंडल का निवासी है। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। उसके कब्जे से लगभग 62 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पूर्व में भी कई चोरी के मामलों में शामिल रहा है।

उसके खिलाफ हैदराबाद के कुकटपल्ली, पेट बशीराबाद, पंजागुट्टा सहित आंध्र प्रदेश के नरसारावपेट और कृष्णालंका पुलिस स्टेशनों में चोरी और अन्य मामलों के तहत केस दर्ज हैं। पूछताछ के दौरान आरोपी ने एलबी नगर और सैफाबाद पुलिस थाना क्षेत्रों में दर्ज दो अन्य मामलों में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस इन मामलों की भी जांच कर रही है। हैदराबाद सिटी पुलिस ने लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

पुलिस ने कहा कि यात्री अपने कीमती सामान, आभूषण, नकदी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को हर समय अपनी निगरानी में रखें। मूल्यवान वस्तुओं वाले बैगों को सुरक्षित रखें तथा उन्हें सीटों या खुले लगेज रैक पर बिना निगरानी के न छोड़ें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत बस कर्मचारियों और पुलिस को दें तथा यात्रा टिकट और अन्य विवरण सुरक्षित रखें। पुलिस ने ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों को बसों और बोर्डिंग प्वाइंट्स पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें कार्यशील रखने, यात्रियों का उचित सत्यापन करने तथा रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ड्राइवरों और कर्मचारियों को संदिग्ध व्यक्तियों के प्रति सतर्क रहने, बिना पूर्ण विवरण लिए अंतिम समय में यात्रियों को बस में चढ़ाने से बचने तथा यात्रियों को समय-समय पर अपने सामान की सुरक्षा के संबंध में जागरूक करने को कहा गया है।

यह मामला पंजागुट्टा डिवीजन के प्रभारी एसीपी के. संजय कुमार के पर्यवेक्षण में खैरताबाद पुलिस स्टेशन के एसएचओ बी. वेंकट रेड्डी तथा डिटेक्टिव इंस्पेक्टर एम. बालास्वामी के नेतृत्व में सुलझाया गया। पुलिस आयुक्तालय ने मामले का सफल खुलासा करने वाली अपराध जांच टीम के प्रयासों की सराहना की है।

पानी से भरी बाल्टी में गिरने से 16 माह की बच्ची की मौत

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के कंचनबाग क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में 16 माह की बच्ची की पानी से भरी बाल्टी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, यह घटना हाफिज बाबा नगर के सी-ब्लॉक इलाके में हुई। बच्ची के पिता मोहम्मद आसिफ खान शीट लाइनिंग सेवाओं में कार्यरत हैं और अपनी पत्नी हबीबा उन्नीसा तथा तीन बेटियों के साथ हरमैन मस्जिद के पास रहते हैं।

जीडीमेटला में रासायनिक इकाई के पास लगी आग

धुएं के गुबार से मची अफरा-तफरी

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के जीडीमेटला औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार को एक रासायनिक विनिर्माण इकाई के समीप स्थित खुले परिसर में आग लगने से श्रमिकों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। आग लगने के बाद आसमान में धुएं के घने गुबार छा गए, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग उस खाली स्थान पर लगी जहां वसंत केमिकल्स से जुड़े पुराने रिएक्टर और अन्य उपकरण रखे हुए थे। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और उससे उठने वाले घने धुएं ने आसपास के क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। आग और धुएं को देखकर फैक्ट्री के भीतर काम कर रहे श्रमिकों में दहशत फैल गई। सुरक्षा की दृष्टि से कई कर्मचारी तत्काल बाहर निकल आए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कर्मचारियों ने तुरंत अग्निशामक यंत्रों और पानी की पाइपलाइनों का इस्तेमाल कर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग को भी बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने के प्रयास तेज कर दिए। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों और हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच के बाद ही आग की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

बोनालू उत्सव के लिए सरकार पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी : पोन्नम प्रभाकर

सिकंदराबाद श्री उज्जयिनी महाकाली बोनाल उत्सव 2026 का कार्यक्रम जारी

हैदराबाद, 16 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री उज्जयिनी महाकाली देवस्थानम द्वारा आयोजित होने वाले 2026 आषाढ़ बोनालू उत्सव के कार्यक्रमों का शेड्यूल मंदिर समिति के अध्यक्ष और अर्चकों द्वारा देवादाय विभाग के मंत्री पोन्नम प्रभाकर को सौंपा गया। देवस्थानम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 2026 बोनालू उत्सव के प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार होंगे। देवी घटोत्सव (एदुरुकोलु) – 19 जुलाई 2026 (रविवार) शाम 4:00 बजे आयोजित किया जाएगा। मुख्य बोनाल उत्सव – 2 अगस्त 2026 (रविवार) सुबह 4:00 बजे संपन्न होगा। रंगम कार्यक्रम – 3 अगस्त 2026 (सोमवार) सुबह 8:30 बजे आयोजित किया जाएगा। देवी गजवाहन शोभायात्रा – उसी दिन सुबह लगभग 10:30 बजे निकाली जाएगी। इस अवसर पर मंदिर अर्चकों ने बताया कि आषाढ़ जत्रा में तेलंगाना के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसलिए श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु सरकार से व्यापक इंतजाम करने का अनुरोध किया गया है। इस पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि आषाढ़ मास बोनाल उत्सव के लिए सरकार पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही देवादाय विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विस्तृत तैयारियों पर चर्चा की जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/384/21-22, Phone: 27644998, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.